THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 104 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.1 2081 शनिवार, 6 जुलाई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

इंजीनियर राशिद और अमृतपाल ने सांसद पद की शपथ ली

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद कश्मीरी नेता शेख अब्दुल राशिद और असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने शुक्रवार (5 जुलाई) को सांसद पद की शपथ ली। दोनों आज पैरोल पर बाहर आए और संसद भवन में शपथ ली। 56 साल के इंजीनियर राशिद को शपथ लेने के लिए तिहाड़ जेल से दो घंटे की पैरोल मिली थी। वहीं, 31 साल के अमृतपाल सिंह को 4 दिन की पैरोल मिली है। राशिद को परिवार से मुलाकात के बाद वापस तिहाड़ ले जाया गया।

केंद्र ने एससी में कहा-नीट एग्जाम रद्द करना तर्कसंगत नहीं

कई कैंडिडेट्स का हित खतरे में पड़ जाएगा एनटीए बोला-बड़ी गड़बड़ी नहीं हुई

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट-यूजी एग्जाम को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। इससे यह परीक्षा देने वाले लाखों ईमानदार छात्र गंभीर खतरे में आ जाएंगे। केंद्र ने अदालत में दाखिल हलफनामा में कहा कि परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं या गड़बड़ियों की पूरी जांच करने के लिए सीबीआई से कहा है। नीट एग्जाम 5 जून को हुआ था। इसके बाद पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोप लगे। 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क देने पर भी विवाद हुआ। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इन कैंडिडेट्स की परीक्षा रद्द कर दी और फिर से एग्जाम लिया।

नीट पीजी परीक्षा 11 अगस्त को

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने नीट पीजी की नई एग्जाम डेट का नोटिस जारी कर दिया है। यह परीक्षा अब 11 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी, एसओपी और प्रोटोकॉल की समीक्षा के बाद नीट पीजी की नई तारीख का ऐलान किया गया है। दो शिफ्ट में आयोजित होने वाले नीट पीजी एग्जाम से संबंधित अधिक जानकारी जल्द ही बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट natboard.edu.in पर दी जाएगी।

हाईकोर्ट का सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल की बेंच ने शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के केस में सीबीआई से 7 दिन में जवाब मांगा है। कोर्ट ने दिल्ली सीएम से भी यह सवाल किया कि ट्रायल कोर्ट में अपील करने की जगह वे सीधे हाईकोर्ट क्यों पहुंचे। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वे 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

सागर जिले के मेहर गांव में फैला हैजा

अब तक 70 बीमार गंभीर पीड़ितों को जिला अस्पताल भेजा

सागर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। सागर जिले में हैजा फैल रहा है। जिले के मेहर गांव में अब तक 70 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं। सूचना पर हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गंभीर हालत के सात मरीजों को जिला अस्पताल भेजा गया है। सागर जिले की नरयावली विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहर में ग्रामीणों में हैजा फैल रहा है। क्षेत्रीय विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया को सूचना मिलने पर उन्होंने तुरंत ही डॉक्टरों की टीम को मेहर भेजा। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज कर रही है, पूरी टीम रात भर वहीं रुकी और लोगों की हालत पर नजर रखी।

लंबित मामलों के तत्काल समाधान के लिए

विशेष लोक अदालतों का लाभ लें', नागरिकों से सीजेआई चंद्रचूड़ की अपील

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत लगाएगा। इसी को लेकर मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को नागरिकों से आग्रह किया कि अपने विवादों के जल्द समाधान के लिए इसका लाभ लें।

उच्चतम न्यायालय के स्थापना के 75वां वर्ष

बता दें, उच्चतम न्यायालय के स्थापना के 75वें वर्ष में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ओर से जारी बयान में कहा गया है कि संविधान के लागू होने के साथ ही 26 जनवरी, 1950 को उच्चतम न्यायालय की स्थापना हुई थी।

29 जुलाई को लोक अदालतें

शीर्ष अदालत की बेवसाइट पर जारी वीडियो संदेश में सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट 29 जुलाई से तीन अगस्त तक एक विशेष लोक अदालत लगाने जा रहा है। इसका आयोजन सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी बात यह है कि न्यायाधीश काफी समय से लंबित पड़े मामलों की संख्या को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा, 'लोक अदालतें देश में न्याय प्रणाली का अभिन्न हिस्सा हैं, जो सौहार्दपूर्ण समाधान की प्रक्रिया तेज करके वैकल्पिक तरीके से विवाद निपटारा करती है।'

मौके का लाभ उठाएं

न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, 'सभी सहयोगियों और सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों की ओर से मैं उन सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि जिन लोगों के सुप्रीम कोर्ट के समक्ष काफी समय से मामले लंबित हैं, वो इस मौके का लाभ उठाएं।' जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन ने कहा था कि न्यायालय में लंबे समय से चलने वाले मामलों को केस से संबंधित पार्टियां यदि विशेष लोक अदालत के सामने रखना चाहती है तो वे स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं। स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड के माध्यम से प्री-कंसिलीएटॉरी बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिन मामलों में पार्टी सरकार है ऐसे मामले विशेष लोक अदालत में निपटाए जाने की संभावना है।

उनका कल्याण मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता

अजित पवार ने जनता से अपील; विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में मची सियासी खलबली

मुंबई, 5 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य में सियासी हलचल तेज हो चुकी है। एनसीपी नेता अजित पवार लगातार जनता से मुलाकात कर रहे हैं। अजित पवार ने एक वीडियो मैसेज शेयर करते हुए जनता से अपील की। उन्होंने कहा कि जब से मैंने राजनीति में कदम रखा तब से उन्होंने कभी एनसीपी नहीं छोड़ी। उन्होंने ये भी दावा किया कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप कभी साबित नहीं हुए हैं। अजित पवार ने आगे कहा, "लोग ही मेरी एकमात्र पार्टी हैं। मैं जो भी करूं, उनका कल्याण मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं हमेशा सोचता हूं कि लोगों को कैसे फायदा होगा।" बता दें कि लोकसभा चुनाव में महायुति

गठबंधन का प्रदर्शन काफी निराशजनक रहा। भाजपा, राकांपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना दल एक साथ चुनाव लड़ रहे थे। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद महायुति गठबंधन के नेताओं के बीच कलह की बातें सामने आते रही है। अजित पवार ने कुछ दिनों पहले कहा था जनता उन राजनेताओं को नजरअंदाज करें जो केवल भाषण देते हैं और इसके बजाय उन लोगों को वोट दें जो काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग काम करते हैं उनकी आलोचना ज्यादा होती है। बता दें कि जुलाई 2024 में अजित पवार ने अपने चाचा और एनसीपी संस्थापक शरद पवार के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। इसके बाद अजित पवार गुट को एनसीपी पार्टी का नाम और प्रतीक मिला।

सुपर ह्यूमन नहीं होते जज

गलती कर सकते हैं, आलोचना से ना डरें हाईकोर्ट ने क्यों की ये टिप्पणी

चंडीगढ़, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने आपराधिक अवमानना के एक मामले को समाप्त करते हुए यह स्पष्ट किया कि न्यायाधीश से संबंधित कथन सद्भावना में हो तो इसे अवमानना नहीं माना जा सकता। न्यायाधीश सुपर मानव नहीं होते और वह भी गलती कर सकते हैं, उन्हें आलोचना के लिए भी तैयार रहना चाहिए। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने जज के खिलाफ शिकायत वाली दलीलों के साथ याचिका दाखिल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई को रद्द करते हुए यह टिप्पणियां कीं। सुरजीत सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर यह दलील दी थी कि उसका एक मामला डेराबस्सी की अदालत में विचाराधीन है। जज बार-बार तारीख दे रहे हैं और केस का निपटारा नहीं कर रहे। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने पाया कि याची के वकील ने ही कई बार सुनवाई स्थगित करने का निवेदन किया था। बिना सही तथ्यों के न्यायाधीश पर आरोप लगाने को गंभीरता से लेते हुए सिंगल बेंच ने याची पर आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया था। एमिकस क्यूरी एडवोकेट तनु बेदी ने कहा कि न्यायालय की अवमानना से संबंधित कानून के अनुसार प्रतिवादी का आचरण आपराधिक अवमानना नहीं माना जाना चाहिए। जस्टिस अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल और जस्टिस कीर्ति सिंह की खंडपीठ ने कहा कि प्रतिवादी की दलीलों से यह संकेत नहीं मिलता है कि वे दुर्भावनापूर्ण हैं। याचिकाओं को बेहतर तरीके से लिखा जा सकता था, लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है कि वे दुर्भावनापूर्ण थीं। स्वस्थ और रचनात्मक आलोचना का हमेशा स्वागत किया जाना चाहिए।

अवमानना क्षेत्राधिकार का प्रयोग बिना सोचे-समझे नहीं किया जाना चाहिए। इसका प्रयोग केवल दुर्लभ या अपवाद स्वरूप मामलों में ही किया जाना चाहिए, जहां न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप हो या ऐसी कार्रवाई न्यायालय के अधिकार को बदनाम करने या कम करने का प्रयास हो। न्यायालय के आदेश सार्वजनिक होते हैं और चर्चा व आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए खुले हैं। न्यायाधीश सुपर मानव नहीं होते और गलतियां करते हैं। संवाद और बहस कानून के शासन द्वारा शासित लोकतंत्र की पहचान हैं। न्याय प्रशासन में सुधार के लिए सुझावों को हमेशा कृतज्ञता के साथ लिया जाना चाहिए।

खंडपीठ ने कहा कि प्रतिवादी केवल अपने मामले का शीघ्र निपटारा चाहता था और यदि न्यायालय उसकी दलीलों के प्रति अति संवेदनशील हो गए तो इससे आम नागरिक अपनी शिकायत के निवारण के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से बचेंगे। प्रतिवादी को न्यायालय आते समय अधिक सतर्क रहना चाहिए था और रिकॉर्ड के अनुरूप तथ्य लाकर तर्क देना चाहिए था। हालांकि प्रतिवादी उन नागरिकों में से एक है, जिन्होंने अपनी शिकायतों के निवारण के लिए न्यायालय का रुख किया है। न्यायालयों के कार्य-पत्र भरे हुए हैं और अकसर मामलों का निपटारा जल्द या उतनी तेजी से नहीं होता, जितनी वादी को उम्मीद होती है। ऐसे में हाईकोर्ट ने प्रतिवादी की माफी स्वीकार करते हुए अवमानना की कार्रवाई को समाप्त कर दिया।

आश्रम से भागी दो बच्चियां

पुलिस को बताया- रोज होती है मारपीट, बोली- छोटी बहन को भी मारते हैं बहुत

लक्सर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। लक्सर के गांव में निर्धन बच्चों के लिए चल रहे आश्रम से दो बच्चियां सैदाबाद गांव में ग्रामीण के घर पहुंचीं। बच्चियों को डरा सहमा देख ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को बताया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चियों से जानकारी जुटाई। शामली की 12 वर्षीय और दिल्ली की छह वर्षीय, दो बालिकाएं भागकर सैदाबाद गांव में ग्रामीण के घर पहुंचीं। बच्चियों ने बताया कि आश्रम में उनकी बुरी तरह से पिटाई होती है। 12 वर्षीय बच्ची ने आश्रम में मौजूद अपनी छोटी बहन से भी मारपीट की बात पुलिस को बताई। पुलिस ने दोनों बच्चियों के अलावा आश्रम से शामली वाली बच्ची की बहन को अपने साथ ले लिया है। आश्रम संचालिका के पति को भी हिरासत में लिया गया है। संचालिका के साथ ही बच्चियों के परिजन भी बुलाए गए हैं। एसएसआई मनोज गैरोला का कहना है कि बच्चियों के परिजन आ रहे हैं। यदि वे तहरीर देंगे तो पुलिस कार्रवाई करेगी।

'समस्या अंदर तक है या फिर अक्षमता हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है

कक्षा 6 की किताबों की छपाई में देरी पर केंद्र पर बरसी कांग्रेस

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को कक्षा छठवीं की नई पाठ्यपुष्तकों के प्रकाशन में देरी को लेकर फटकार लगाई। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री बच्चों की शिक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि या तो समस्या अंदर तक है या फिर अक्षमता हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है।

जयराम रमेश ने केंद्र को लगाई फटकार

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयराम रमेश ने कहा, राष्ट्रीय परीक्षण प्राधिकरण के जरिए परीक्षा प्रणाली को नष्ट करने के बाद प्रधानमंत्री का शिक्षा मंत्रालय अब हमारे बच्चों की शिक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। स्कूल वर्ष शुरू हो गया है। एनसीईआरटी राष्ट्रीय (नागपुर पढ़ें) शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद कक्ष छठवीं के बच्चों का गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पुष्तक को प्रकाशित नहीं कर पाया। जयराम रमेश ने आगे कहा कि नेशनल सिलेबस एंड टीचिंग लर्निंग मटेरियल कमेटी (नएसटीसी) पाठ्यपुस्तकों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दे पाए हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रिंटिंग में 10-15 दिन का समय लगेगा। रमेश ने कहा कि अधिकारियों का मानना है कि छात्रों को नई किताबें उपलब्ध कराने में दो महीने का समय लगेगा। उन्होंने केंद्र पर तंज कसते हुए कहा, ₹या तो समस्या अंदर तक है या फिर अक्षमता हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है।

शिक्षा मंत्री की बैठक के बाद रमेश ने की टिप्पणी

जयराम रमेश ने यह टिप्पणी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा एक बैठक में स्कूली किताबों के विकास को लेकर की गई समीक्षा के बाद की। बता दें कि यह बैठक कक्षा छठवीं की नई पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशन में देरी को लेकर बुलाई गई थी। किताबें अप्रैल में प्रकाशित होने वाली थी, जो अभी तक नहीं हो पाई। एनसीईआरटी ने इससे पहले कहा था कि कक्षा 3 और 6 के लिए नईं पुस्तकें 2024-25 शैक्षणिक सत्र से पेश की जाएंगी। एनसीईआरटी ने इसी हफ्ते कक्षा 6 के लिए अंग्रेजी और हिंदी की पुस्तकें जारी कीं।

शिवसेना पंजाब के नेता संदीप थापर गोरा पर कातिलाना हमला

निहंग बाने में आए चार आरोपियों ने किया वार

लुधियाना, 5 जुलाई (एजेंसियां)। लुधियाना में शिवसेना पंजाब के नेता संदीप थापर गोरा पर कातिलान हमला हुआ है। वारदात सिविल अस्पताल के बाहर हुई। निहंग बाने में आए चार आरोपियों ने तेजधार हथियारों से गोरा पर वार किया। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शुक्रवार सुबह संदीप थापर गोरा अपने गनमैन के साथ सिविल अस्पताल में चलने वाले संवेदना ट्रस्ट के प्रधान रविंदर अरोड़ा की पुण्यतिथि समागम में आए थे। वे समागम में माथा टेकने के बाद जैसे ही बाहर निकले तो निहंग के वेश में आए चार युवकों ने उन पर तेजधार हथियार से वार कर दिया। इस दौरान उनका गनमैन साइड में मूकदर्शक बनकर खड़ा रहा और उसने गोरा को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया।

लहुलुहान हालत में गोरा को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां से उन्हें रेफर कर दिया गया। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

46 साल से तारीख पर तारीख, पुलिस के हाथ नहीं लगे 1,236 मुलजिम

शिमला, 5 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में 46 साल से लंबित आपराधिक मामलों में अदालतें तारीख पर तारीख देते थक गईं। अब मामले की पत्रावलियां मुलजिमों का इंतजार करेंगी। इन वर्षों में तारीखें बहुत लगीं, पर पुलिस मुलजिम को पेश नहीं कर सकी। मजबूरन अदालत को कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। कोर्ट ने पत्रावलियों को दफ्तर में सुरक्षित रखने का आदेश दे दिया। अब इन फाइलों पर तब तक तारीखें नहीं लगेंगी, जब तक पुलिस को मुलजिम मिल नहीं जाते। हिमाचल में 1,236 फाइलें मुलजिमों के इंतजार में उच्च न्यायालय और जिलों की अदालतों में सुरक्षित हैं। राजधानी शिमला में ही सबसे ज्यादा करीब 290 मुलजिम फरार चल रहे हैं। इनमें विदेश सहित विभिन्न राज्यों के आरोपी शामिल हैं। हत्या, लूटपाट जैसे अपराधों में 6 महिलाएं भी सालों से फरार चल रही हैं। इन मलजिमों से संबंधित मुकदमे के वादी और गवाह तो अदालतों तक पहुंचे, लेकिन मुलजिमों को पुलिस अदालत में पेश नहीं कर सकीं। ज्यादातर मामलों में स्थायी वारंट जारी किए गए हैं। 100 से ज्यादा मुलजिम नेपाल के रहने वाले हैं। इसके अलावा - नाइजीरियन, यूपी, एमपी, बिहार, हरियाणा, पंजाब के अधिकतर आरोपी शामिल हैं। थाना बालूगंज से संबंधित 46 साल पुराना चोरी का मुकदमा जेएमआईसी कोर्ट में विचाराधीन है। यह मामला सात साल की कैद और जुर्माने से दंडनीय है। धन बहादुर पुत्र जार सिंह बेटनी, तहसील एवं जिला सुरखेत, नेपाल निवासी हाल निवासी जाखू, शिमला शहर मुख्य आरोपी है।

नोएडा के लॉजिक्स मॉल में लगी भीषण आग, शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, चारों तरफ फैला धुआं

नोएडा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित लॉजिक्स मॉल में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आग ने कपड़ों के एक शोरूम में लगी है। मॉल को खाली करा लिया गया है और सभी लोग सकुशल हैं। मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौजूद हैं और आग पर काबू पाने की कोशिशें लगातार जारी हैं। आग को बुझाने की कोशिश में दमकल विभाग के कर्मचारियों को शीशे तोड़कर अंदर जाना पड़ा।

एमपी हाई कोर्ट में नए एक्टिंग चीफ जस्टिस की नियुक्ति

कौन हैं जस्टिस संजीव सचदेवा ?

भोपाल, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को हाई कोर्ट का नया कार्यवाहक जस्टिस नियुक्त किया है। वह जस्टिस शील नागू की जगह की पदभार ग्रहण करेंगे। इससे पहले जस्टिस शील नागू को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उन्होंने 24 मई को तत्कालीन चीफ जस्टिस रवि मलिमथ की जगह ली थी। केंद्र सरकार के विधि और न्याय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, जस्टिस शील नागू को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है, जबकि उनकी जगह जस्टिस संजीव सचदेवा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे। बता दें इससे पहले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस शील नागू को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए जाने की अनुशंसा की थी। इसके बाद राष्ट्रपति की अनुमति का इंतजार था। वहीं अब राष्ट्रपति से अनुमति मिलते ही प्रमोशन के आधार पर नई पदस्थापना का रास्ता साफ हो गया और केंद्र सरकार के विधि और न्याय विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

जस्टिस संजीव सचदेवा ने 1985 में कॉमर्स से ग्रेजुएशन किया और फिर दिल्ली यूनिवर्सिटी से 1988 में कानून में एलएलबी की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली के डिसट्रिक्ट कोर्ट, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस की।

अप्रैल 2013 में उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति किया गया और मार्च 2015 को वह स्थायी जज के रूप में प्रमोट हुए। 31 मई 2024 को उन्होंने एमपी हाई कोर्ट में जज के रूप में शपथ ली। इसके एक महीने बाद ही वह प्रदेश के कार्यवाहक जस्टिस बने। वहीं न्यायमूर्ति शील नागू ने जबलपुर से वकालत का शुभारंभ किया था।

2011 में उन्हें मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। यहां कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनने के पूर्व प्रशासनिक न्यायाधीश की जिम्मेदारी निभा रहे थे।

लोन वुल्फ की फिराक में पकड़ा गया आईएम प्रभावित आतंकी, मोहन यादव बोले बख्शेंगे नहीं

भोपाल, 5 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते यानी एटीएस ने राज्य के खंडवा से एक खतरनाक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, ये आतंकी कथित तौर पर सुरक्षाबलों पर हमले की तैयारी में लगा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकी 'लोन वुल्फ' यानी अकेले आतंकी हमला करने की फिराक में था। राज्य में आतंकवादी के पकड़े जाने की घटना पर अब मुख्यमंत्री मोहन यादव का भी रिएक्शन सामने आया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

मैकेनिक का काम कर रहा था आतंकी

पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि पेशे से मैकेनिक फैजान शेख इंडियन मुजाहिद्दीन और इस्लामिक स्टेट की विचारधाराओं से प्रभावित था। उसे सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील खंडवा शहर

के कंजर मोहल्ला-सलूजा कॉलोनी में छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती जांच में खुलास हुआ है कि फैजान शेख सुरक्षाकर्मियों पर लोन वुल्फ अटैक कर के चर्चा में आना चाहता था। लोन वुल्फ अटैक में कोई शख्स अपने मंसूबों को अकेले ही अंजाम देता है। इसके लिए उसने रेकी भी की थी।

सीएम मोहन यादव ने क्या कहा?

छिंदवाड़ा में पहुंचे मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने खंडवा में आतंकी के पकड़े जाने पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार किसी आतंकी गतिविधि के खिलाफ सतर्क है। उन्होंने खंडवा पुलिस को आतंकवादी की गिरफ्तारी पर बधाई दी। मोहन यादव ने कहा कि यह एक बड़ी कार्रवाई है। मध्य प्रदेश शांति का स्थान है और यहां किसी भी आतंकवादी गतिविधि के लिए कोई जगह नहीं है।

आतंकी के पास क्या-क्या मिला?

पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आतंकी के पास से चार मोबाइल फोन, एक पिस्तौल, कारतूस और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, इंडियन मुजाहिद्दीन और आईएस जैसे विभिन्न आतंकी संगठनों के साहित्य और वीडियो बरामद किया है। आतंकी के खिलाफ यूएपीए के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। एटीएस की टीम आतंकी से जुड़े कई अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

कई बार किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर जबरन खिलाईं गोलियां, फिर कर दी भ्रूण हत्या, सड़क पर उतरे लोग

जम्मू, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बार-बार दुष्कर्म और भ्रूण हत्या के मामले को लेकर जम्मू शहर के महराजा हरि सिंह के पार्क बाहर शुक्रवार को प्रदर्शन हुआ। पीड़िता के परिजन और विभिन्न संगठन के लोगों ने एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस मामले में पुलिस और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया और आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ने जाने की मांग की। जम्मू शहर के पौनी चक्क थाने का है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पीड़िता करीब एक साल से ज्यादा समय से प्रताड़ना झेल रही है। इस दौरान आरोप है कि उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया और जब वह गर्भवती हो गई तो जबरन उसे गर्भपात की दवाईयां खिलाई गई। इतना ही नहीं एक अलग जगह पर ले जाकर खुद ही उसका गर्भपात भी करा दिया गया।

चिंताजनक: भोजन की आधी बर्बादी भी रुके तो 15 करोड़ का भरेगा पेट, उत्पादन का करीब एक तिहाई खाना हो रहा नष्ट

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया भर में इंसानों के लिए पैदा किया जा रहा करीब एक तिहाई भोजन बर्बाद हो रहा है। अगर इस बर्बादी को 50 फीसदी भी रोका जाए तो करीब 15 करोड़ लोगों का पेट भर सकता है। इतना ही नहीं, जब भोजन बर्बाद होता है तो भूमि, पानी, ऊर्जा और अन्य इनपुट जो भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, परिवहन, तैयारी, भंडारण और निपटान में उपयोग किए जाते हैं, वे भी बर्बाद हो जाते हैं। इसमें ग्रीनहाउस गैसों का भारी उत्सर्जन होता है, जो जलवायु परिवर्तन की वजह बन रहा है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार भोजन की बर्बादी को आधा करने से कृषि क्षेत्र से हो रहे ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में चार फीसदी की कमी आ सकती है।

यह रिपोर्ट कहती है कि हमें समझना होगा कि हम संसाधनों को यूं जाया नहीं कर सकते, क्योंकि हमारे द्वारा बर्बाद हर निवाला किसी दूसरे का पेट भरने में मदद कर सकता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि अधिकतर घरों में भोजन की बर्बादी ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक में हो रही है। कई बार तो यह ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा देखी जा रही है।

2030 तक 60 करोड़ लोग भुखमरी को होंगे मजबूर

खाद्य एवं कृषि संगठन का अनुमान है कि 2030 में करीब 60 करोड़ लोग भुखमरी का सामना करने को मजबूर होंगें। खाद्य पदार्थों की हो रही बर्बादी और नुकसान को कम करने से वैश्विक स्तर पर कहीं ज्यादा लोगों के लिए भोजन उपलब्ध होगा। इससे खाद्य उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आएगी।

सबसे ज्यादा फल और सब्जियां हो रहीं बर्बाद

रिपोर्ट के अनुसार 2021 से 2023 के बीच बर्बाद भोजन में करीब आधा हिस्सा फल और सब्जियों का था। करीब एक चौथाई हिस्सा अनाज का था। भारत में भी घरों में फल और सब्जियों का खराब होना बेहद आम है। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक तिहाई भोजन बिना खाए ही रह जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में घरों में बर्बाद होने वाले भोजन का लगभग 96 फीसदी लैंडफिल, दहन सुविधाओं या सीवर सिस्टम में बह गया।

शेष भोजन को खाद में बदल दिया गया। 10% तक बढ़ जाएगी भोजन की उपलब्धता 2030 तक खाद्य पदार्थों के होने वाले नुकसान को आधा करने से कमजोर देशों में आम लोगों के पास 10% अधिक भोजन उपलब्ध होगा। इसी तरह निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 6% और उच्च मध्यम आय वाले देशों में भी लोगों के पास पहले से 4% अधिक भोजन होगा। संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक प्रति व्यक्ति बर्बाद हो रहे खाद्य पदार्थों में 50 फीसदी की कटौती करने का लक्ष्य तय किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 6 जुलाई, 2024 3

सुविचार

नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं।

जेल में ही रहेंगी बीआरएस नेता के. कविता

कोर्ट ने 18 जुलाई तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बीआरएस नेता के. कविता को जोर का झटका लगा है। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत 18 जुलाई तक बढ़ा दी है। कोर्ट का फैसला आने के साथ ही बीआरएस नेता अभी तिहाड़ जेल में ही रहेंगी। के. कविता को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में सीबीआई ने 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। के. कविता पहले से ही एक्साइज पॉलिसी से जुड़े ईडी के पीएमएलए केस में न्यायिक हिरासत में हैं। के. कविता, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। वो बीआरएस से एमएलसी भी हैं। कविता पर आरोप है कि वो उस 'साउथ ग्रुप' की अहम सदस्य हैं जिन पर राष्ट्रीय राजधानी में शराब लाइसेंस का बड़ा हिस्सा पाने के एवज में दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है। 46 वर्षीय कविता को 15 मार्च को हैदराबाद में उनके बंजारा हिल्स आवास से गिरफ्तार किया गया था। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत पहले भी दिल्ली की अदालत ने बढ़ाया है। ईडी और सीबीआई दोनों ही इस मामले में कार्रवाई कर रही हैं। उन्हें पिछली न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने पर अदालत में पेश किया गया था।

सरकारी नौकरियों को भरने के लिए प्रतिबद्ध : रेवंत रेड्डी

जॉब कैलेंडर जारी करने का आश्वासन

मुख्यमंत्री ने बेरोजगारी की समस्या को लेकर बैठक की

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सरकार सरकारी नौकरियों को भरने के लिए प्रतिबद्ध है और निश्चित रूप से ऐसे निर्णय लेगी जिससे बेरोजगारों को लाभ होगा। बेरोजगारों को कुछ राजनीतिक दलों व स्वार्थी ताकतों की साजिश का शिकार नहीं बनने की सलाह दी गयी। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि परीक्षा के दौरान नियमों में मनमर्जी से बदलाव किया जाता है, तो सरकार आवश्यक कानूनी पहलुओं पर विचार करेगी और उचित निर्णय लेगी। उन्होंने याद दिलाया कि उनकी सरकार बेरोजगारों से किये गये वादे के अनुरूप 28,942 नौकरियों पर नियुक्ति कर चुकी है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने वर्षों से लंबित ग्रुप 1, ग्रुप 2 और ग्रुप 3 की नियुक्तियों की सभी जटिलताओं को दूर कर लिया है। उन्होंने कहा कि वे जॉब कैलेंडर के मुताबिक प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कर नौकरियां भरने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र में इस पर चर्चा कर जॉब कैलेंडर जारी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की भर्ती परीक्षाओं और विभिन्न बोर्डों द्वारा आयोजित परीक्षाओं में कोई गड़बड़ी पैदा किए बिना बेरोजगारों को पूरा न्याय मिल सके, इसके लिए कैलेंडर बनाया जाएगा। अगर उनकी सरकार बेरोजगारों के मामले में इतनी मेहनत कर रही है तो कुछ लोगों को गुस्सा है कि वे राजनीतिक फायदे के लिए बेरोजगारों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के पोथिरेड्डीपल्ली पहुंचे। सीएम ने पोथिरेड्डीपल्ली में कोस्गी म्यूनिसिपल फ़्लोर लीडर चिंताला गोवर्धन रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित की।सीएम ने गोवर्धन रेड्डी के परिवार से मुलाकात की।

सीएम ने साफ किया कि अगर कुछ लोगों की साजिश से अधिसूचना के प्रावधानों के विपरीत फैसले लिए गए तो नौकरियां भरने की प्रक्रिया रुक जाएगी और बेरोजगारों को अधिक परेशानी होगी। बेरोजगारों की चिंता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने शुक्रवार शाम अपने आवास पर एक बैठक आयोजित की। भुवनगिरी के सांसद चामला किरण रेड्डी, एमएलसी बालमुरी वेंकट, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, समा राममोहन रेड्डी, प्रोफेसर रियाज, शिक्षक जेएसी हर्षवर्द्धन रेड्डी, ओयू के छात्र नेता चंगानी दयाकर, मनावतराय, बाला लक्ष्मी, चरकोंडा वेंकटेश, कलवा सुजाता और अन्य ने भाग लिया। करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में सीएम ने बेरोजगारों की मांगों और चिंताओं के बारे में जानकारी ली। तुरंत सरकार के मुख्य सचिव ने शांतिकुमारी और संबंधित अधिकारियों को बुलाकर बात की। बेरोजगारों द्वारा उठाई गई मांगों के समाधान की संभावनाओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर ग्रुप 1 परीक्षा के लिए मुख्य परीक्षा के लिए प्रति पद 1:50 के स्थान पर 1:100 के अनुपात में चयन की मांग पर लंबी चर्चा हुई। अधिकारियों ने सीएम को समझाया कि पिछली सरकार द्वारा 2022 में निर्धारित समूह 1 परीक्षा के पेपर लीक और गलत निर्णयों के कारण दो बार स्थगित किए गए थे और नई सरकार के सत्ता में आने पर सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका वापस ले ली गई थी। उन्होंने कहा कि पुरानी अधिसूचना को रद्द कर दिया गया है और अतिरिक्त पदों के साथ नई अधिसूचना जारी की गयी है। बारह वर्षों के बाद आयोजित ग्रुप 1 परीक्षा के लिए चार लाख उम्मीदवारों ने प्रतिस्पर्धा की। हाल ही में टीजीपीएससी ने सशस्त्र तरीके से प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की। नोटिफिकेशन के मुताबिक, मेन्स के लिए चयन प्रत्येक पद के लिए 50 उम्मीदवारों की दर से प्रीलिम्स में योग्यता के आधार पर किया जाएगा।

गर्भवती महिला ने बस में बच्ची को दिया जन्म

टीजीएसआरटीसी स्टाफ ने की मदद

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों ने शुक्रवार को बहादुरपुरा में एक गर्भवती महिला को आरटीसी बस में सुरक्षित रूप से बच्ची को जन्म देने में मदद की। श्वेता रत्नम नाम की महिला आरामघर से मुशीराबाद डिपो की 1Z नंबर की बस में सवार हुई। बहादुरपुरा पहुंचने पर उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। तभी बस कंडक्टर आर सरोजा ने ड्राइवर को सचेत किया और बस को रुकवाया। बस में सवार अन्य महिला यात्रियों की मदद से सरोजा ने बस में ही श्वेता को सुरक्षित रूप से एक बच्ची को जन्म देने में मदद की। बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए पास के सरकारी प्रसूति अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल मां और बच्चा स्वस्थ हैं।

टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने सुरक्षित प्रसव में मदद करने वाली महिला यात्रियों और कंडक्टर सरोजा को बधाई दी। डॉक्टरों ने कहा कि समय पर प्रतिक्रिया के कारण माँ और बच्चा सुरक्षित हैं। सज्जनार ने कहा कि यह सराहनीय है कि आरटीसी कर्मचारी यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के साथ-साथ सेवा भावना भी दिखा रहे हैं।

शिक्षण और अनुसंधान के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे के गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा और एयरबस ने आज भारतीय विमानन क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करने के लिए सहयोग किया। सितंबर 2023 में हस्ताक्षरित एमओयू (समझौता ज्ञापन) के बाद, रेमी मैलार्ड (अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया) और प्रोफेसर मनोज चौधरी (कुलपति, गति शक्ति विश्वविद्यालय) के बीच रेल भवन, नई दिल्ली में एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर अश्विनी वैष्णव, रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री जो गति शक्ति विश्वविद्यालय के प्रथम कुलाधिपति भी हैं, किंजरापु राममोहन नायडू, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, रवनीत सिंह, रेल राज्य मंत्री, जया वर्मा सिन्हा, रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ, वुमलुनमंग वुलनाम, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते में पूरे कार्यक्रम की अवधि के लिए 40 जीएसवी छात्रों के लिए एक पूर्ण छात्रवृत्ति कार्यक्रम, जीएसवी में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और साथ ही जीएसवी में एयरबस एविएशन चेयर प्रोफेसर का पद शामिल है। इसके अलावा, जीएसवी और एयरबस विमानन क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए कार्यकारी प्रशिक्षण के लिए साझेदारी करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज समझौता ज्ञापन से वास्तविक कार्रवाई में रूपांतरण का दिन है। जो भी वादा किया गया है, उसे पूरा किया गया है, यह प्रधानमंत्री मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं, सबका साथ सबका विकास की भावना में, विमानन, राजमार्ग, रेलवे, सड़क परिवहन का विकास होना चाहिए।

करीमनगर में सिंगरेनी निजीकरण के खिलाफ विरोध

करीमनगर/पेड्डापल्ली, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोयला ब्लॉकों की नीलामी के विरोध में वामपंथी दलों ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया। सीपीआई, सीपीआई (एम) और सीपीआई (एमएल) न्यू डेमोक्रेसी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और सिंगरेनी कोयला खदानों के निजीकरण की केंद्र सरकार की साजिश के खिलाफ नारे लगाए। पेड्डापल्ली में, सीपीआई (एमएल) न्यू डेमोक्रेसी के कार्यकर्ताओं को शुक्रवार सुबह रामागुंडम और एनटीपीसी पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया।

करीमनगर में विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए सीपीआई के राष्ट्रीय नेता चाडा वेंकट रेड्डी ने कोयला ब्लॉकों की नीलामी के माध्यम से सिंगरेनी के निजीकरण की कोशिश करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की।

गोदावरीखानी की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि एससीसीएल के निजीकरण का कोई सवाल ही नहीं है। हालांकि, वह अपने वादे के खिलाफ काम कर रहे थे।

यह कहते हुए कि सिंगरेनी तेलंगाना की जीवन रेखा है, क्योंकि इसमें नियमित और अनुबंध श्रमिकों सहित लगभग 1.25 लाख श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है, भाकपा नेता ने कंपनी की सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी, जो खुद को 'तेलंगाना बिड्डा' (तेलंगाना का बेटा) होने का दावा करते हैं, उन्हें सिंगरेनी के निजीकरण को रोकने के लिए पहल करनी चाहिए।

तेलंगाना तल्ली की मूर्ति हटाने के प्रयास से तनाव

जनगांव, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव जिले के देवरुप्पला मंडल के कामारेड्डीगुडेम गांव में गुरुवार को उस समय तनाव बढ़ गया जब अधिकारियों ने तेलंगाना तल्ली की मूर्ति हटाने का प्रयास किया। स्थानीय निवासियों के कड़े प्रतिरोध का सामना करने के बाद अधिकारियों को पीछे हटना पड़ा।

करीब 10 दिन पहले कुछ ग्रामीणों ने विवादित जगह पर मूर्ति स्थापित की थी, जिस पर स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने मूर्ति स्थापना के लिए आवश्यक अनुमति न मिलने का हवाला देते हुए ग्राम पंचायत से शिकायत की थी।

गुरुवार को ग्राम पंचायत के कर्मचारी, एक अर्थमूवर और सुरक्षा के लिए पुलिस के साथ मूर्ति को हटाने के लिए पहुंचे। हालांकि, उन्हें स्थानीय लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा, जिससे तीखी बहस हुई। जैसे-जैसे स्थिति बढ़ती गई, अधिकारियों ने आगे के संघर्ष को रोकने के लिए घटनास्थल से चले जाने का फैसला किया।

वैज्ञानिक विधि से भूमि की कीमतों में संशोधन किया जाना चाहिए : पोंगुलेटी

आधुनिक सुविधाओं से युक्त उप-पंजीयक कार्यालयों का निर्माण होगा

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और नागरिक संबंध मंत्री श्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को मौजूदा बाजार मूल्यों के अनुसार भूमि की कीमतों को संशोधित करने का निर्देश दिया है ताकि मध्यम वर्ग की जनता पर कोई बोझ न पड़े। शुक्रवार को सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग की लम्बी समीक्षा हुई। इस बैठक में प्रमुख सचिव राजस्व श्री नवीन मित्तल, आई.जी. स्टाम्प एवं पंजीयन, श्री ज्योति बुद्ध प्रकाश एवं अन्य ने भाग लिया। मंत्री ने बताया कि हैदराबाद के साथ-साथ राज्य में जमीन की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए जमीन की कीमतों में तदनुसार संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। यह सुझाव दिया गया है कि खुले बाजार मूल्यों और बाजार मूल्यों के बीच भारी अंतर को देखते हुए भूमि की कीमतों में संशोधन बिना किसी आलोचना के वैज्ञानिक तरीके से किया जाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में अधिक भिन्नता है, वहां तर्कसंगत रूप से कितना प्रतिशत बढ़ाया जा सकता है आदि पर गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। कुछ क्षेत्रों में सरकारी कीमत बाजार मूल्य से अधिक है और वहां इसे कम किया जाना चाहिए। अब ऐसी स्थिति दोबारा नहीं आनी चाहिए कि पिछली सरकार में बिना कोई कवायद किए जमीन के दाम बढ़ा दिए गए थे। स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग को पूर्णतः स्वच्छ बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक गतिविधियां तैयार करने के निर्देश दिये गये। कानून की खामियों को दूर करने के लिए कदम उठाने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्थायी उप-पंजीयक कार्यालयों का निर्माण किया जाएगा, ताकि रजिस्ट्री कराने आने वाले लोगों को घंटों पेड़ों के नीचे इंतजार नहीं करना पड़े। अधिकारियों को इस उद्देश्य के लिए आवश्यक भूमि की पहचान करने का निर्देश दिया गया। पंजीकरण के लिए टाइम स्लॉट के मामले पर गौर करने की सलाह दी जाती है।

यौन उत्पीड़न के आरोप में इंजीनियरिंग छात्र गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने एक इंजीनियरिंग छात्र को नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि वह व्यक्ति, जिसकी पहचान नहीं हो सकी है, शिवरामपल्ली स्थित पीड़िता के घर में उस समय पहुंचा जब वह अकेली थी और उसने इंटरमीडिएट की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया। दो महीने पहले उस व्यक्ति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट पर लड़की से दोस्ती की थी। पुलिस जांच कर रही है।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद नॉर्थ के नए अध्यक्ष बने सुशील

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खान एवं भूविज्ञान निदेशक बीवीआर सुशील कुमार को शुक्रवार को आयोजित 61वें अधिष्ठापन समारोह में रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद नॉर्थ का अध्यक्ष चुना गया। अन्य पदाधिकारियों में डॉ. के. वेंकट मुरली - सचिव, नरेश सी. रमन - कोषाध्यक्ष, ए. कामेश्वर राव, गिरीश जोशी, डॉ. जी.एम. राव, पवन कुमार, रघु चंद्र, डॉ. ए. रामकृष्ण - निदेशक, डॉ. श्रीधर बोपन्ना - संयुक्त सचिव; डॉ. एस. मणिकंदन - क्लब प्रशिक्षक शामिल थे।

पदाधिकारियों के कार्यभार संभालने के बाद आयोजित बोर्ड बैठक में सुशील कुमार ने कहा कि नगर कुरनूल जिले के उरकोंडा पेटा में महात्मा ज्योतिबा फुले बालिका आवासीय कल्याण विद्यालय में साइकिल के माध्यम से छात्राओं को सशक्त बनाना, उनके स्वास्थ्य का समर्थन करना, पुन: उपयोग योग्य नैपकिन के माध्यम से शिक्षा, फीस प्रतिपूर्ति, सुरक्षा तकनीकों के माध्यम से आत्मविश्वास का निर्माण, कैरियर परामर्श सत्र, भोजन कक्ष, छात्रावास, कक्षा आदि का निर्माण सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से किया जाएगा। बताया गया कि कार्यक्रमों की अनुमानित लागत 50 लाख रुपये होगी।

'पुण्य क्षेत्र यात्रा' भारत गौरव पर्यटक ट्रेन सिकंदराबाद से अपनी यात्रा शुरू करेगी

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 'भारत गौरव' ट्रेन दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) पर एक बड़ी सफलता रही है, जो सभी यात्राओं के लिए लगातार अच्छे संरक्षण में दिखाई देती है। रेल यात्रियों की प्रतिक्रिया से उत्साहित, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने सिकंदराबाद से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन की एक और यात्रा की योजना बनाई है। अयोध्या- काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा 9 से 17 जुलाई तक। पुण्य क्षेत्र यात्रा: अयोध्या - काशी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 9 जुलाई को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करेगी। पुण्य क्षेत्र यात्रा का यह नौ दिवसीय दौरा गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज के दिव्य/तीर्थ स्थलों को कवर करेगा। पुण्य क्षेत्र यात्रा: अयोध्या-काशी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रेल यात्रियों के लिए आध्यात्मिक ज्ञान के लिए नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या) और ज्योतिर्लिंग (काशी विश्वनाथ मंदिर) के दर्शन करने या गया में पिंडदान अनुष्ठान (अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने) का अनूठा अवसर प्रदान करती है। गौरतलब है कि यह ट्रेन यात्रियों को सिकंदराबाद, काजीपेट (वारंगल), तेलंगाना के खम्मम और आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, वैजाग (पेंदुर्थी), विजयनगरम और ओडिशा के टिटलागढ़ में चढ़ने/उतरने की सुविधा प्रदान करती है। पूरी यात्रा 8 रातों/9 दिनों की अवधि में पूरी की जाएगी। यह ट्रेन यात्रियों के लिए व्यक्तिगत योजना बनाने और उपयुक्त ट्रेनों, आवास, भोजन आदि जैसी सभी संबंधित व्यवस्था करने में शामिल सभी कठिनाइयों से बचाती है। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना (दोनों ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड), पेशेवर और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं, ट्रेन में सुरक्षा (सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे सहित), सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी टूर मैनेजर की उपस्थिति शामिल है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि भारत गौरव टूरिस्ट सर्किट ट्रेन तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों की यात्रा करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ट्रेन द्वारा दी जा रही एंड-टू-एंड सेवाएं न केवल पर्यटकों के लिए व्यक्तिगत योजना से बचकर समय बचाने में उपयोगी रही हैं, बल्कि किफायती भी हैं।

यौन उत्पीड़न के आरोप में इंजीनियरिंग छात्र गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने एक इंजीनियरिंग छात्र को नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि वह व्यक्ति, जिसकी पहचान नहीं हो सकी है, शिवरामपल्ली स्थित पीड़िता के घर में उस समय पहुंचा जब वह अकेली थी और उसने इंटरमीडिएट की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया। दो महीने पहले उस व्यक्ति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट पर लड़की से दोस्ती की थी। पुलिस जांच कर रही है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE IV TH SENIOR CIVIL JUDGE COURT, CITY CIVIL COURTS: AT HYDERABAD.
O.S.NO.214 OF 2024

BETWEEN:-
1) Smt. Sharada Singh, W/o. Late. Prem Singh,
2) Sri. Prashant Singh, S/o. Late. Prem Singh,
3) Sri. Sushant Singh, S/o. Late. Prem Singh, The plaintiff no: 1 to 3 are R/o 8-1-284/OU/288,OU Colony, Raidurg, Shaikpet, Golkonda, Hyderabad.
4) Smt. Prriyanka Singh, W/o. Thakur Virender Singh,D/o Late Prem Singh 3-3-535/1/2. Qutibiguda, Kachiguda,Hyd .....**Plaintiff**

AND

The Tahsildar/MRO, Shaikpet mandal, Shaikpet,Hyderabad District, Telangana

To ,
All concerned ....**Defendants**

Please take notice that the above mention plaintiffs has filed to declare them as Legal heirs & Succesors of Late. Prem Singh in Respect below mention suit schedule property. The general public are hereby informed that if any objections in regard to the above said persons to be declared as Legal Heirs may appear on 22.07.2024 at 10:30 AM before the Hon'ble court with relevant documents or may contact the undersigned.

SCHEDULE OF PROPERTY

All that House bearing Plot No:288 comprising of ground plus two floors admeasuring 178.95 Sq.yds or 150 Sq mts in Syno:320/1/A, 320/1/AA, 320/2, 324 & 321/12,Situated at Shaikpet Village, Hyd & **Bounded by: North:** Plot no:289, **South:** Plot no:287, **East:** Plot no:283, **West:** 33,0' wide road.

(By order of the Hon'ble court)
Smt. T. Kanchan, Advocate,
#office at 8-2-149/1, New Maruti Nagar Colony, Opposite Virat Nagar Bus Stop, Karmanghat, Hyd-97.
Cell no: 9110739022

CLASSIFIEDS

FLAT FOR SALE

Brand new premium 3-bedroom east-facing flat, 2284 sq ft, perfectly aligned with vastu , available for immediate occupancy in Somajiguda.
Ph:8106287873/9963814987

LOST MY PASSPORT

I, MOHAMMED OSMAN S/o MOHAMMED SULAMAN, R/o H.No.20-4-194/7/15/B, Himmathpura, Shahalibanda, Hyd, TS. While Travelling my Residency in between Jasarath School New Road, Shahalibanda. I lost my Passport No.X2528595, If found cont: 8121206272.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एनसीसी ग्रुप मुख्यालय हैदराबाद ने माथरू फाउंडेशन को सहयोग दिया

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सामुदायिक सेवा के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, हैदराबाद के अधिकारियों, कर्मचारियों और कैडेटों ने माथरू फाउंडेशन, सफिलगुडा फॉर द ब्लाइंड का दौरा किया। उन्होंने दृष्टिबाधित निवासियों को अपना समर्थन और एकजुटता दिखाई। उन्होंने किराने का सामान सौंपते हुए सुनिश्चित किया कि फाउंडेशन के निवासियों को आवश्यक प्रावधानों तक पहुँच हो। यह दौरा एनसीसी की सामाजिक जिम्मेदारी और उनके प्रशिक्षण और शैक्षिक प्रयासों से परे समुदाय की सेवा करने के मिशन के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। निवासियों के साथ कैडेटों की बातचीत सहानुभूति और गर्मजोशी से भरी थी, जो जरूरतमंद लोगों के उत्थान के लिए उनके समर्पण को उजागर करती है। दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन माथरू फाउंडेशन ने एनसीसी के उदार योगदान के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। फाउंडेशन ने अपने निवासियों के लिए पोषण और सहायक वातावरण प्रदान करने के अपने प्रयासों को बनाए रखने में ऐसी पहलों के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर, एनसीसी ग्रुप कमांडर कर्नल अनिल ने कहा, "हमारे कैडेटों को न केवल सैन्य कौशल में प्रशिक्षित किया जाता है, बल्कि सहानुभूति, सेवा और नेतृत्व के मूल्यों में भी प्रशिक्षित किया जाता है। माथरू फाउंडेशन का यह दौरा समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने की उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।" यह कार्यक्रम समुदाय की शक्ति और चुनौतियों का सामना करने वाले लोगों के जीवन में विचारशील इशारों से होने वाले गहरे अंतर की एक मार्मिक याद दिलाता है।

पीड़ितों के घर पहुंचे राहुल गांधी

गले लगाकर दी सांत्वना, बोले- दिल खोलकर मुआवजा दे सरकार

हाथरस में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में गई थी 121 लोगों की जान

हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मिलने पहुंचे राहुल गांधी

हाथरस की घटना को लेकर भाजपा पर हमलावर है विपक्ष

अलीगढ़, 5 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को हाथरस की भगदड़ में जान गंवाने वाले पीड़ितों के घर पहुंचे। यहां उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा राहुल गांधी सुबह-सुबह अलीगढ़ के पिलखना पहुंचे। यहां वह हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मिले। इसके बाद वह हाथरस में नवीपुर खुर्द, विभव नगर स्थित ग्रीन पार्क पहुंचे, जहां वह आशा देवी, मुन्नी देवी आ ओमवती के परिवार वालों से मिले। दुर्घटना के शोक संतप्त परिवारों से मिलने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'दुख की बात है। बहुत परिवारों को नुकसान हुआ है। काफी लोगों की मृत्यु हुई है। प्रशासन की कमी तो है और गलतियां हुई हैं। मुआवजा सही मिलना चाहिए। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से विनती करता हूं कि दिल खोलकर मुआवजा दें। मुआवजा जल्दी से जल्दी देना चाहिए। परिवारवालों से मेरी बातचीत हुई है।

पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद करायेंगे: राहुल गांधी

अलीगढ़ के थाना अकराबाद क्षेत्र के गांव पिलखाना में शुक्रवार प्रात कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पहुंचकर हाथरस सत्संग हादसे के मृतक मंजू उसके छह वर्ष के बेटे पंकज अन्य परिवार की शांति देवी व प्रेमवती के पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी। घटना को दुखद बताते हुए पीड़ित परिजनों से घटना के बारे में जानकारी करने के साथ मृतक मंजू की सास को राहुल गांधी ने आश्वस्त किया कि वह अपने स्तर से हर संभव उनकी मदद करेंगे और कहा कि अब वह इस स्तर पर है कि पीड़ित परिवारों की लड़ाई लड़ने के साथ उनकी सरकार द्वारा हर संभव मदद करायेंगे।

हाथरस भगदड़ मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अब तक इस घटना में आयोजन समिति से जुड़े छह सेवादारों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इस घटना के मुख्य आयोजक-मुख्य सेवादार की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। गिरफ्तार लोगों में उपेंद्र, मंजू यादव, मुकेश कुमार शामिल हैं। घटना पर अलीगढ़ के आईजी शलभ माथुर ने कहा कि जोन स्तर पर सभी जिलों में एसओजी की टीमों को आरोपियों को चिह्नित व गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। साथ ही मौके से मिले साक्ष्यों को विवेचना का हिस्सा बनाया जा रहा है। गिरफ्तार लोगों ने बताया है कि बाबा के चरण रज लेने से काफी कष्ट दूर हो जाते हैं। गिरफ्तार लोगों ने बताया कि सेवादार के रूप में कार्य करते हैं, समिति के अध्यक्ष व सदस्य हैं। विवेचना में अगर बाबा का नाम आता है तो उस बिंदु पर कार्रवाई होगी। जरूरत पड़ने पर बाबा से पूछताछ की जाएगी। आईजी ने बताया कि मृतकों की संख्या 121 है। सभी शवों की पहचान हो गई है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो गई है। आईजी शलभ माथुर ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा-105, 110, 126(2), 223 और 238 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

राहुल से मुलाकात के बाद पीड़ित परिवारों ने कही ये बात

राहुल गांधी के दौरे के बाद पीड़ित परिवार के एक सदस्य ने कहा, राहुल गांधी ने पूछा कि यह सब कैसे हुआ। मैंने उनसे कहा कि चलते समय लोग बाबा के चरणों की धूल लेने के लिए भागे। जिसके बाद वे एक-दूसरे से टकराए और एक के ऊपर एक गिर गए। जब मेरी मां घर नहीं आईं, तो हम उन्हें ढूंढने गए, वहां कीचड़ में लथपथ शव थे। पीड़ित परिवार के एक सदस्य ने बताया कि राहुल गांधी ने हमसे पूछा कि दोषी कौन है? हमारे अनुसार, इस घटना के लिए बाबा जिम्मेदार हैं।

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

अब बैंक की तरह जमीन की भी मिलेगी पासबुक

पटना, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भूमि विवाद की घटनाएं न्यूनतम करने के लिए, भू सर्वेक्षण की कवायद तेजी से चल रही है। इसी क्रम में अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली विकसित की जा रही है। इससे एक तो भूमि संबंधी किसी भी दस्तावेज को आसानी से देखा जा सकेगा। सबसे बड़ी बात यह होगी कि इस व्यवस्था के बाद भविष्य में भूमि सर्वेक्षण की जरूरत नहीं होगी। बैंक पासबुक की तरह भू स्वामी को जमीन की पासबुक मिलेगी। इसके लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय ने 16 करोड़ 50 लाख रुपये व्यय की स्वीकृति दी है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से नागरिकों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन सुविधाओं को एकीकृत करने और प्रभावी रूप से कार्यान्वित करने के उद्देश्य से यह प्रणाली बनाई जा रही है। इसके लागू होने के बाद भूमि विवाद के मामले लगभग न के बराबर होंगे। डाटा को एकीकृत करने में यह प्रणाली कारगर साबित होगा। इससे राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अलग-अलग पोर्टल के बीच समन्वय स्थापित किया जा सकेगा।

सहारनपुर में लाखों के गहनों की लूटपाट, पुलिस ने की जांच, तो सभी रह गए दंग

सहारनपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में लूटपाट की घटना देखने को मिली है। दरअसल घटना नागल थाना क्षेत्र की है। यहां पुलिस को सूचना मिली कि अंबाला से सहारनपुर होते हुए मेरठ जाते वक्त लूटपाट की गई है। दरअसल पुलिस को सत्यम शर्मा नाम के शख्स ने इस लूटपाट की सूचना दी। सत्यम शर्मा मेरठ में गहनों के दुकान पर काम करते हैं। उनके मालिक का मेरठ में डायमंड के गहनों का कारोबार है। सूचना मिली कि सत्यम और उनका ड्राइवर तरुण सैनी अंबाला से सहारनपुर होते हुए मेरठ जा रहे थे। इस दौरान उनके पास डायमंड के गहने थे, जिसे उनके मालिक ने एक दूसरे सर्राफा व्यापारी को बेचने के लिए भेजा था।

गहनों की लूटपाट और झूठी कहानी

इसी दौरान रास्ते में 4 अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार को रोक लिया और उनसे लूटपाट की। सत्यम और ड्राइवर तरुण को हल्की चोटें लगी हुई हैं। वहीं कार के दोनों तरफ के शीशे टूटे हुए थे। वहीं कार की आगे की तरफ भी डंडे से हमले करने का निशाना है। पुलिस की टीम ने जब मामले की तफ्तीश की तो दोनों के ही बयान में अंतर्विरोध दिखा। इसके बाद पुलिस ने दोनों से सख्ती से पूछताछ की। तब जाकर दोनों ने स्वीकार किया किया कि इस वारदात को उन दोनों ने ही अंजाम दिया था। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सत्यम ने डायमंड ज्वैलरी वाला बैक अपने साले को दे दिया जो कि मेरठ में रहता है। पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार इसके बाद पुलिस इन तीनों को ही मेरठ से हिरासत में ले लिया गया है।

बेतवा नदी में अवैध खनन का भंडाफोड़

एनजीटी ने लगाया 55 लाख का जुर्माना, सीसीटीवी फुटेज मांगा

झांसी, 5 जुलाई (एजेंसियां)। मोठ के ग्राम मानिकपुरा में संचालित अवैध बालू घाट की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए, राष्ट्रीय हरित न्यायालय (एनजीटी) ने बालू भंडारण के 30 दिनों का सीसीटीवी फुटेज पेश करने के आदेश दिए हैं। साथ ही, संबंधित अधिकारियों और पट्टाधारक को भी तलब किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता मदन सेन ने एनजीटी में शिकायत दर्ज कराई थी कि मानिकपुरा बालू घाट पर, बेतवा नदी की मुख्यधारा के बीच से रास्ता बनाकर अवैध रूप से बालू खनन किया जा रहा है।

खनिज विभाग द्वारा बार-बार औचक निरीक्षण किए गए और अवैध खनन करने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया, लेकिन कार्यवाही अपर्याप्त होने के कारण, खनन दोबारा शुरू हो गया और फर्जी तरीके से बालू का भंडारण भी किया गया। एनजीटी ने इस मामले को गंभीरता से लिया और जिला प्रशासन को माइनिंग क्षेत्र और बालू भंडारण का 30 दिनों का सीसीटीवी फुटेज सील बंद करके न्यायालय में पेश करने के निर्देश दिए हैं। पिछले 6 महीनों में, अवैध खनन के लिए, 55 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया जा चुका है। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि नियमित निरीक्षण किए जा रहे हैं और शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है।

ऐसा क्या हुआ जो दुष्कर्म केस की जांच कर रही पुलिस के खिलाफ बरेली कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिया

बरेली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में दुष्कर्म के मामले में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। स्पेशल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट बरेली रवि कुमार दिवाकर ने दुष्कर्म के मुकदमे की चार्जशीट में बड़ी गड़बड़ी पकड़ ली है। कोर्ट ने दारोगा और महिला सिपाही के गैर जमानती वारंट जारी किए हैं। अब 9 जुलाई को मामले की सुनवाई होगी। जज ने एक मामले में टिप्पणी की कि चार्जशीट प्रेषित करने की तिथि अंकित होती है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) नाम स्पष्ट लिखा होता है, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि सीओ अपने कर्तव्य और दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही बरत रहे हैं, या तो पुलिस को कानून की जानकारी नहीं, या फिर जानबूझकर मामले को लटकाए रखना चाहती है, जो मामला मात्र दो माह में निस्तारित हो जाना चाहिए, उनमें समय की भारी बर्बादी होती है। दुष्कर्म के इस मुकदमे की विवेचना भमौरा थाना दारोगा सत्येंद्र कुमार ने की थी।

11 गवाहों के फोन नंबर एक जैसे दर्ज कर दिए

जज रवि कुमार दिवाकर ने चार्जशीट देखी, तो कई कमियां सामने आईं। बुधवार शाम उन्होंने लापरवाह विवेचक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। उसमें लिखा कि चार्जशीट में 14 गवाहों का उल्लेख है, इनमें 11 का फोन नंबर समान होना आश्चर्यजनक है। विवेचक सतेंद्र कुमार ने व्यक्तिगत के बजाय सीयूजी मोबाइल नंबर लिखा और तत्कालीन थाना प्रभारी परमेश्वरी और सीओ के नाम का उल्लेख नहीं किया। चार्जशीट में पुलिस अधिकारियों और सरकारी गवाहों के व्यक्तिगत मोबाइल नंबर लिखने की व्यवस्था है, ताकि ट्रांसफर की स्थिति में आसानी से तलब किया जा सके। सीयूजी नंबर से पुलिस कर्मचारियों को बतौर गवाह बुलाने में परेशानी होती है।

पुलिस गंभीर मामलों में बरत रही लापरवाही

कोर्ट ने लिखा कि जिले की पुलिस अधिकतर मामलों में लापरवाही बरत रही है। सीओ और थाना प्रभारी चार्जशीट में अपना नाम तक अंकित नहीं कर रहे हैं। उनके मात्र अपठनीय हस्ताक्षर ही होते हैं। पुलिस की लापरवाही से मुकदमे के ट्रायल अटके पड़े हैं। इस संबंध में अपर पुलिस महानिदेशक को भी पत्र लिखा गया कि अधीनस्थ अधिकारियों को सचेत कर दिया जाए, ताकि ऐसी गलती की पुनरावृत्ति न हो। सुनवाई अब नौ जुलाई को होगी।

गाजीपुर में अचानक गिरा 150 साल पुराना नीम का पेड़ःचपेट में आने से कार और ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे लोग

गाजीपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। गाजीपुर के दिलदारनगर थाना क्षेत्र के रक्सहा गांव में आज सुबह करीब 150 साल पुराना नीम का विशालकाय पेड़ भरभरा कर गिर गया। घटना में पास में खड़े दो वाहन दब गए। वाहन मालिक ने बताया कि गाड़ी में कोई नहीं था नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। किसी तरह पेड़ को कटवा लकर वाहन को बाहर निकाला। रक्सहा गांव के अधवार मुहल्ला में करीब 150 साल पुराना एक निम का विशालकाय पेड़ था, जिसके नीचे एजाज खान पुत्र असलम खान ने अपनी कार एवं हसनैन खान ने अपना ट्रैक्टर खड़ा किया था। आज सुबह अचानक नीम का पेड़ भरभरा कर गिर गया। घटना में दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। यह संयोग रहा कि घटना के वक्त कोई व्यक्ति वहां नहीं था नहीं तो किसी बड़ी दुर्घटना से गुरेज नहीं किया जा सकता था। शोर सुनकर वहां लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई।

राहुल गांधी हिंदुओं को कर रहे अपमानित - गिरिराज सिंह

पटना, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हिंदुओं को हिंसक बताकर उन्हें अपमानित कर रहे हैं। वो लगातार हिंदुओं को गाली देते रहते हैं और उनका विरोध करते रहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी पहले भी हिंदुओं को अपमानित करते रहे हैं। लेकिन इस बार उन्होंने संसद के भीतर हिंदुओं को हिंसक कहकर दुस्साहस दिखाया है। समय आने पर देश की जनता उनको इसका कड़ा जवा देगी। गिरिराज सिंह ने कहा कि देश में हिंदुओं को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। राहुल गांधी साजिश रचने वाली टीम का हिस्सा हैं। वो और उनकी टीम लगातार हिंदुओं व सनातनियों के खिलाफ काम करती रहती है। जनता को ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के इशारे पर ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने भी हिंदुओं को गाली दी थी और सनातन धर्म को खत्म करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि उदयनिधि को ऐसा करने के लिए राहुल गांधी ने ही उकसाया था।

यही कारण है कि जनता के तमाम विरोध के बावजूद राहुल ने कभी भी उदयनिधि की बातों का खंडन नहीं किया। इसके बजाय वे डीएमके नेता के बयानों का समर्थन करते रहे। गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदुओं को खत्म करने की मुहिम छेड़ रखी है। इसके लिए वे हर प्रकार की साजिश रच रहे हैं। लेकिन हिंदू समाज जाग चुका है। वह उनकी हर साजिश का माकूल जवाब देगी और उनकी मंशा को सफल नहीं होने देगी।

जेडीयू 2025 में बीजेपी के साथ विधानसभा चुनाव लड़ेगी, नीतीश कुमार के मंत्री का बड़ा बयान

पटना, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में अगले साल (2025) विधानसभा का चुनाव होना है। इसको लेकर अभी कई महीने बचे हैं लेकिन बयानबाजी शुरू है। अभी कुछ दिनों पहले ही पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के नेता अश्विनी चौबे ने कहा था कि इस बार बिहार में एनडीए बीजेपी के नेतृत्व में चुनाव लड़े। बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बननी चाहिए। ऐसे में सियासी गलियारे में कई तरह के सवाल उठ रहे थे। अब सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के नेता और मंत्री जमा खान ने बड़ा बयान दिया है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सह प्रभारी मंत्री किशनगंज जमा खान ने किशनगंज में कहा कि जेडीयू और बीजेपी 2025 में मिलकर चुनाव लड़ेगी। 2025 में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बिहार में बनेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी और जेडीयू में कोई मतभेद नहीं है। जब चुनाव होगा हम लोग एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। वहीं स्थानीय परिसदन में पत्रकार वार्ता के दौरान जमा खान ने कहा कि बिहार में जितना विकास का काम नीतीश कुमार के राज में हुआ उतना कार्य कभी नहीं हुआ। हालांकि इसके बाद भी कुछ लोग गड़बड़ी करने वाले हैं। उनके खिलाफ जांच चल रही है। तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना कहा कि विपक्ष के नेता अनर्गल बयानबाजी करते हैं, लेकिन उनके माता-पिता ने भी सरकार चलाई है। उस समय बिहार की क्या स्थिति थी यह किसी से छिपी नहीं है। प्रदेश में पुल गिरने को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि मामले में जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मायावती और आकाश आनंद को चंद्रशेखर आजाद ने दी बड़ी चुनौती, कहा- वो नए-नए आए हैं

नगीना, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित नगीना लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती और पार्टी कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को बड़ी चुनौती दी है। नगीना सांसद ने उन आरोपों को भी खारिज किया है जिसमें कहा जाता रहा है कि वह बसपा को कमजोर कर रहे हैं। एएनआई को दिए साक्षात्कार में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) नेता आजाद ने कहा कि मुझे गाली देना सबसे आसान है लेकिन मेरा जीवन संघर्षों से भरा हुआ है। मुझे छोटा आदमी कहना आसान है लेकिन मेरा जीवन कितना कठिन है।

तमाम गरीबों की परेशानियां मैं खुद सुनता हूं। मैं भारत की राजनीति में अकेला आदमी हूं जिसने आज के समय में गोली खाई है। मैं हजारों मामलों में लोगों से मिला हूं। उन्होंने (आकाश आनंद) ने मुझे जो भी कहा हो उनका धन्यवाद। वह बहुत छोटे हैं। नए नए आए हैं। कांशीराम और बहन मायावती ने जब संघर्ष किया तो उन्हें अपमानित किया गया।

बसपा को किसने किया कमजोर? चंद्रशेखर ने बताया

बसपा को कमजोर करने के आरोप पर चंद्रशेखर ने कहा कि मैं तो सिर्फ 2 सीटों पर लड़ा था। बाकी 78 सीटों पर आपने क्या कमाल किया। बीएसपी के लोग कह रहे हैं कि मैं वोट रहा हूं। मैं जिस सीट पर लड़ रहा हूं वहां ये कहते हैं कि मैं वोट काट रहा हूं। लेकिन बाकी पर आप क्या कर रहे हैं? बसपा के कमजोर होने के पीछे की वजह बताते हुए आजाद ने कहा कि कांशीराम के वक्त जमीन पर मूवमेंट था। लोगों की सुनवाई होती थी। अब शायद ऐसा नहीं हो रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में आजाद समाज पार्टी कांशीराम ने दो सीट नगीना और डुमरियागंज से चुनाव लड़ा था।

साकार विश्व हरि पर बड़ी खबर: आधी रात आश्रम पहुंची पुलिस, साथ में ले गई दो गाड़ियां; चर्चाएं तेज

मैनपुरी, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में जिस आश्रम में नारायण साकार हरि के रुकने की चर्चा है। वहां बृहस्पतिवार की आधी रात सन्नाटे को चीरती हुईं पुलिस की कुछ गाड़ियां आश्रम पहुंचीं। ये गाड़ियां आश्रम में दाखिल होने के बाद रात करीब एक बजे निकलीं। चर्चा है कि लौटते समय पुलिस आश्रम से भी दो गाड़ियां साथ ले गई है। सूत्रों के अनुसार पुलिस टीम, साकार विश्व हरि को भी अपने साथ ले गई है। हालांकि पुलिस अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

बिहार में उफान पर कोसी और गंडक नदी, निचले इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी, मंडराया खतरा

गोपालगंज, 5 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में बाढ़ के पानी के चलते कई इलाकों में खतरा मंडराने लगा है। बिहार और नेपाल में हो रही बारिश के बाद प्रदेश की नदियां उफान पर हैं। इसके चलते प्रदेश के कई जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने लगा है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी अलर्ट पर मोड पर आ गए हैं। इसके साथ ही तटबंधों की लगातार निगरानी की जा रही है। जल संसाधन विभाग के मुताबिक, प्रदेश में गंडक और कोसी नदी कुछ स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वीरपुर बराज में कोसी नदी का जलस्राव दोपहर को 2 बजे 1,08,600 क्यूसेक दर्ज किया गया। इसी तरह वाल्मीकिनगर बराज में गंडक का जलस्राव दोपहर 2 बजे 88,300 क्यूसेक दर्ज किया गया। इंद्रपुरी बराज में सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है। यहां सोन नदी का जलस्राव सुबह 10 बजे 4,094 क्यूसेक था, जो दोपहर 2 बजे बढ़कर 5,564 क्यूसेक हो गया। इस बीच गंडक नदी गोपालगंज के डुमरिया घाट पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जबकि, कोसी नदी खगड़िया के बलतारा में लाल निशान से ऊपर है। अररिया में बकरा और परमान नदियों में आई बाढ़ से कई निचले इलाकों में पानी घुस गया है। छोटी नदियों के भी जलस्तर में वृद्धि हुई है। कई स्थानों पर नदियों का पानी तराई इलाकों में फैलने लगा है। उधर बिहार के गोपालगंज में 43 पंचायतों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। पतहरा, विश्वंभरपुर, देवपुर और टंडसपुर तटबंध पर विशेष निगरानी की जा रही है। जल संसाधन विभाग ने फील्ड में तैनात इंजीनियरों को नदियों के जलस्तर पर नजर रखने, भ्रमणशील रहकर बांध की मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया है। इसकी रिपोर्ट प्रतिदिन मुख्यालय को देनी है, जिससे ससमय बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके। वहीं, मौसम विभाग ने शुक्रवार (05 जुलाई) की सुबह तक बिहार के कोसी, महानंदा, बागमती, अधवारा, गंडक नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में साधारण से मध्यम, सोन एवं पुनपुन नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में हल्के से साधारण और नॉर्थ कोयल, कनहर एवं ऊपरी सोन नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में हल्की वर्षा होने की संभावना जताई है।

9 साल पहले शहीद पथ के किनारे बोरी में मिले थे इंसानी अंग, अब गौरी मर्डर का आरोपी जेल से हुआ रिहा

लखनऊ, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी के चर्चित गौरी हत्याकांड का आरोपित जिला जेल से जमानत पर रिहा हो गया। जेल से रिहा होकर वह अपने घर पहुंच गया है। उधर, अभियोजन की ओर से केस की मजबूत पैरवी की कवायद भी तेज कर दी गई है। गणेशगंज निवासी कारोबारी शिशिर श्रीवास्तव की बेटी और लॉ स्टूडेंट गौरी श्रीवास्तव (20) के हत्यारोपित तेलीबाग निवासी हिमांशु प्रजापति को हाई कोर्ट ने 10 जून को साक्ष्यों के अभाव में जमानत दे दी थी, लेकिन गवाहों के वेरिफिकेशन की वजह से उसकी रिहाई लटकी थी। अधिवक्ता शुभम गुप्ता ने बताया कि गवाहों के वेरिफिकेशन और बेल बांड दाखिल होने के बाद बीते 26 जून को जेल से उसकी रिहाई हो गई है। वह अपने घर पहुंच गया है।

गोरखपुर पहुंचने पर केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान का हुआ ऐतिहासिक स्वागत

गोरखपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बांसगांव सांसद कमलेश पासवान के भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में प्रथम बार गोरखपुर आगमन पर गोरखपुर एयरपोर्ट से लगाए उनके आवास तक सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ उनके समर्थकों का अपार जन समूह, उनके स्वागत में जिस जोश और ऊर्जा के साथ उपस्थित होकर उनका स्वागत और अभिनंदन किया, उसे देखकर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री अभिभूत हो गए। एयरपोर्ट से लेकर हर चौराहों पर हुई अगवानी एक अलग प्रकार का ऐतिहासिक स्वागत समारोह था यह। भाजपा के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने गोरखपुर एयरपोर्ट से लेकर प्रत्येक चौराहे पर राज्य मंत्री की अगवानी में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी थी। अपार जनसमूह व हर जगह उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अपने माननीय नेता का फूल मालाओं से स्वागत और अभिनंदन किया जिसका आलम यह रहा की समर्थकों की भीड़ के कारण महानगर में आवागमन की व्यवस्था अवस्थित हो गई तथा प्रशासन को आवागमन व्यवस्था बनाए रखने में काफी मेहनत का सामना करना पड़ा।

मोहद्दीपुर चौराहे पर सिक्कों से तौले गए कमलेश

राज्य मंत्री को एयरपोर्ट से अपने निवास स्थान तक पहुंचने में जगह-जगह समर्थकों और कार्यकर्ताओं की भीड़ में काफी समय अभिनंदन के कारण लगा जिसके कारण राज्य मंत्री को अपने आवास पहुंचने में काफी विलंब हुआ। केंद्रीय राज्य मंत्री के अनुज एवं बांसगांव के विधायक डॉ विमलेश पासवान पूरे रास्ते भर कार्यकर्ताओं का स्नेह दुलार देखकर उन्हें सहेज कर आगे बढ़ते रहे। कार्यकर्ताओं का और समर्थकों का स्नेह देखकर माननीय मंत्री स्वयं ही काफी भाव भाव विभोर हो गए और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। मोहद्दीपुर चौराहे पर केंद्रीय राज्य मंत्री का सिक्कों से तौल कर सम्मान किया गया।

बीएनएस की इस फांस में अटकीं मर्दों की सांस

ब्रेकअप हुआ तो कराई जेल, धारा 69: महिला ने पार्टनर से कई साल संबंध बनाए

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। एक लड़की ने लड़के पर नशीला पदार्थ खिलाने और दिल्ली ले जाकर रेप करने का आरोप लगाया। नतीजतन लड़के को 4 साल की जेल काटनी पड़ी। इसी साल मई की शुरुआत में बरेली की एक सत्र अदालत के सामने यह मामला आया तो कोर्ट में वह लड़की गवाही के दौरान अपने आरोपों से मुकर गई, जिस पर कोर्ट ने लड़के को बरी कर दिया। हालांकि, फिर भी वो जेल में 4 साल की जेल काट चुका था। उसे उस गुनाह की सजा मिली, जो उसने की ही नहीं थी। मामला 2019 का था,जब लड़के पर अपहरण और रेप का मुकदमा दर्ज किया गया था। कोर्ट ने लड़के को दोषमुक्त किया और लड़की को भी उतनी ही यानी 4 साल जेल की सजा सुनाई। आज बात करते हैं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की जिसने 1 जुलाई 2024 से इंडियन पीनल कोड की जगह ली है। नए कानूनों में से एक

सेक्शन 69 के बारे में लीगल एक्सपर्ट से जानते हैं। दरअसल, माना जा रहा है कि धारा 69 को लागू करके एक तरह से रिलेशनशिप में धोखा देने या ब्रेकअप को गैरकानूनी बना दिया गया है।

पुरुषों से वसूली के लिए झूठे मुकदमे लिखवाना ठीक नहीं

कोर्ट ने कहा, महिलाओं के ऐसे कृत्य से जो असली पीड़िता हैं, उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। यह समाज के लिए बेहद गंभीर है। अपने मकसद की पूर्ति के लिए पुलिस व कोर्ट को माध्यम बनाना आपत्तिजनक है। महिलाओं को पुरुषों के हितों पर आघात करने की छूट नहीं दी जा सकती। अदालत ने ये भी कहा कि यह मुकदमा उन महिलाओं के लिए नजीर बनेगा जो पुरुषों से वसूली के लिए झूठे मुकदमे लिखाती हैं।

क्या है धारा 69, यह रेप से कितना अलग

सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट अनिल सिंह श्रीनेत कहते हैं कि भारतीय न्याय संहिता का सेक्शन 69 कहता है कि जो भी छल या धोखा देकर या शादी का वादा करके पार्टनर से संबंध बनाता तो ऐसा यौन संबंध रेप की कैटेगरी में नहीं आएगा। ऐसे मामलों में सजा होगी, जो कम से कम 1 साल और अधिकतम 10 साल तक हो सकती है और साथ में जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह धारा उन मामलों में लागू होगी जो रेप की कैटेगरी में नहीं आते हैं।

कानून की नजर में क्या है धोखा देना

एडवोकेट अनिल सिंह श्रीनेत बताते हैं कि धोखा देने का मतलब यह है कि पार्टनर को संबंध बनाने के लिए प्रेरित करना या नौकरी, प्रमोशन या शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाना। कानूनी रूप से लोचा यहीं पर है। अनिल सिंह कहते हैं कि सेक्शन 69 बेहद व्यापक है। इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। जिस तरह से रेप के झूठे मामले बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए अलग से इस पर कानून बनाया जाना जरूरी था। मगर, इसके बावजूद यह पुरुषों के लिए ज्यादा टेंशन देने वाला है। क्योंकि ज्यादातर रिलेशनशिप में ब्रेकअप होते रहते हैं। ऐसे में महिला पार्टनर के एफआईआर दर्ज कराने की आशंका बनी रहती है।

69 में ऐसा क्या है, जो पुरुषों के लिए टेंशन की बात

एडवोकेट अनिल सिंह श्रीनेत के अनुसार, आप किसी भी रिलेशनशिप को यह साबित नहीं कर सकते कि वह ठीक से चल रहा है या नही। आप सभी मैसेज या फोन कॉल्स रिकॉर्ड नहीं कर सकते। सबसे बड़ी बात यह है कि आप यह कैसे साबित करोगे कि किसी ने धोखा या छल किया है या नहीं।

ईगो की लड़ाई में पुरुष पार्टनर को हो रही जेल

दिल्ली के साकेत कोर्ट में एडवोकेट शिवाजी शुक्ला बताते हैं कि सेक्शन 69 के तहत यह पहले ही मान लिया जाता है कि पुरुष ही आरोपी है। यह उस आरोपी का दायित्व हो जाता है कि वह खुद साबित करे कि वह निर्दोष है। बहुत सी महिलाएं ऐसी आती हैं, जब उनकी रिलेशनशिप खराब हो जाती है तो वह पुरुष पार्टनर को परेशान करने के लिए या अपने ईगो को शांत करने के लिए उस पर रेप का आरोप लगा देती हैं।

नौकरी या प्रमोशन के झूठे वादे को शामिल करना ठीक नहीं

एडवोकेट शिवाजी शुक्ला कहते हैं कि धारा 69 में नौकरी या प्रमोशन के झूठे वादे को शामिल करना ठीक नहीं है, क्योंकि शादी के वादे को प्रमोशन के वादे के साथ नहीं जोड़ा जा सकता। शादी का वादा प्यार और भरोसे पर टिका होता है। वहीं नौकरी या प्रमोशन एक तरह का फायदा लेना है।

पहले क्या था नियम, अब क्यों हटाया गया

अनिल सिंह श्रीनेत के अनुसार, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 के तहत 'धोखे से यौन संबंध' के अपराध को परिभाषित नहीं किया गया था। हालांकि, उसकी धारा 90 कहती है कि यौन संबंध की वो सहमति अवैध मानी जाएगी जो तथ्य की गलतफहमी में दी गई है। यदि सहमति किसी व्यक्ति ने डर या दबाव में आकर दी है, तो वो भी मान्य नहीं होगी। ऐसे मामलों में आरोपियों पर धारा 375 (रेप) के तहत मुकदमा दर्ज होता था। उस वक्त शादी का झांसा देकर बनाए गए संबंधों को रेप की कैटेगरी में डाल दिया जाता था, जिसमें कठोर सजा होती है। आज लिवइन रिलेशनशिप या लड़के-लड़की के साथ रहने का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसे में आपसी सहमति से जब यौन संबंध बनाए जाते हैं तो उसे रेप की कैटेगरी में रखना ठीक नहीं था। कई मौकों पर अदालत कह चुकी है कि शादी का वादा करने का मतलब यह नहीं है कि कोई लड़की अपने पार्टनर के साथ संबंध बना ही ले। उसे तब भी इससे बचना चाहिए।

पोर्श कांड: पुणे के रईसजादे ने लिख दिया जमानत वाला निबंध, हाईकोर्ट पहले ही दे चुका है राहत

पुणे, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पुणे के कल्याणी नगर में हुए पोर्श कांड में पुलिस अब सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। इसी बीच खबर है कि नाबालिग आरोपी ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड यानी जेजेबी में निबंध जमा करा दिया है। खास बात है कि हादसे के कुछ घंटों बाद ही आरोपी नाबालिग को निबंध लिखने पुलिस के साथ मिलकर काम करने जैसी शर्तों पर जमानत दे दी थी। हादसे में मध्य प्रदेश के रहने वाले दो इंजीनयर युवक और युवती की मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेजेबी एक अधिकारी ने बुधवार को जानकारी दी है कि नाबालिग ने निबंध जमा कर दिया है। खास बात यह कि जमानत दिए जाने के बाद जेजेबी के अधिकारी भी सवालों के घेरे में गए थे। उनके खिलाफ जांच के लिए एक समिति भी गठित की गई थी। हालांकि, मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंच गया था। जहां अदालत ने नाबालिग आरोपी को निगरानी केंद्र से रिहा करने के निर्देश दिए थे। सोशल मीडिया पर फैसले की जमकर हुई आलोचना के बाद उसे निगरानी केंद्र भेजने का निर्देश दिया गया था। बाद में पुलिस जांच में कई ब्लड सैंपल बदले जाने जैसी बातों का भी खुलासा हुआ था। इस मामले में पुलिस ने ससून अस्पताल के दो डॉक्टर और एक कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया था।

हिरासत में पूरा परिवार

हादसे के बाद नाबालिग आरोपी को मेडिकल के लिए ससून अस्पताल लाया गया था, जहां उसका ब्लड सैंपल बदल दिया गया था। बाद में सामने आया कि नाबालिग की मां को ही बेटे का सैंपल बताकर आगे बढ़ा दिया गया था। पुलिस ने कहा था कि जांच कर रहे डॉक्टरों ने नाबालिग के सैंपल को डस्टबिन में फेंक दिया था। इस मामले में पुलिस आरोपी की मां को भी हिरासत में ले चुकी है। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग आरोपी के पिता विशाल अग्रवाल और दादा को भी हिरासत में ले लिया है। खास बात है कि विशाल अग्रवाल पुणे के जाने-माने बिल्डर हैं। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान अश्विनी कोष्टा और अनीस अवधिया के तौर पर हुई थी।

अवैध शराब त्रासदी के पीड़ित स्वतंत्रता सेनानी नहीं,10 लाख के मुआवजे के खिलाफ हाईकोर्ट में दलील

कल्लाकुरिची, 5 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में पिछले महीने जहरीली शराब पीने से करीब 56 लोगों की मौत हो गई थी। पूरे राज्य में इस त्रासदी को लेकर हाहाकार मच गया था। जहां भाजपा ने हंगामा करना शुरू कर दिया था। वहीं, बिगड़ते हालात को देखते हुए सीएम एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50 हजार का मुआवजा देने का एलान किया था। हालांकि, अब इस मुआवजे के आदेश को रद्द कराने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है। कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी की मुआवजा राशि पर चिंता जताते हुए मोहम्मद गौस ने जनहित याचिका दायर की। इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने कहा कि मुआवजे की राशि अधिक है। इस मामले पर आगे की सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

अवैध शराब पीना गलत

गौस ने याचिका में कहा कि पीड़ित स्वतंत्रता सेनानी या सामाजिक कार्यकर्ता नहीं थे, जिन्होंने आम जनता या समाज के लिए अपनी जान गंवाई हो और जिन्होंने जहरीली शराब पीकर एक तरीके से गलत काम ही किया है। अवैध शराब पीना गलत ही था। राज्य को उन लोगों पर दया करने की जरूरत नहीं है, जिन्होंने अवैध शराब पी और अपनी जान गंवा दी। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब के शिकार लोगों को सिर्फ सांत्वना देनी जानी चाहिए। जिन्होंने अपनी खुशी के लिए गैरकानूनी काम किया है, उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया जाना चाहिए।

इन लोगों को कम मुआवजा क्यों?

याचिकाकर्ता ने कहा कि यह स्पष्ट है कि अवैश शराब पीना गलत था। राज्य सरकार किस आधार पर आग या किसी अन्य दुर्घटना के पीड़ितों को कम मुआवजा दे रही है। जबकि जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ितों को भारीभरकम राशि दे रही है।

2008 में जहरीली शराब से 180 लोगों की मौत हुई थी

तमिलनाडु में जहरीली शराब से पहले भी कई बार मौत की घटनाएं हुई हैं। तमिलनाडु के कृष्णागिरि और कर्नाटक के कोलार के सीमावर्ती गांवों में मई 2008 में जहरीली शराब से लगभग 180 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से 60 कृष्णागिरी जिले और बाकी कोलार और बेंगलुरु के थे। कई लोगों की आंखों की रोशनी भी चली गई थी। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरपी) के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में जहरीली शराब से साल 2020 में 20 और 2021 में छह मौतें हुईं। 2023 में राज्य के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में लगभग 22 लोगों की जहरीली शराब से मौत हो गई थी।

कांग्रेस नेता सुधाकरन की बढ़ीं मुश्किलें

घर से काले जादू से जुड़ी वस्तुएं मिलने का वीडियो वायरल

तिरुवनंतपुरम, 5 जुलाई (एजेंसियां)। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी)के अध्यक्ष और कन्नूर से सांसद के। सुधाकरन के आवास पर काले जादू से जुड़ीं वस्तुएं मिलने का एक कथित वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में कुछ लोग कन्नूर स्थित सुधाकरन के आवास पर कथित रूप से काले जादू से संबंधित दफन वस्तुओं को निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो पर केपीसीसी अध्यक्ष की सफाई भी आई है। उन्होंने कहा कि यह पुराना वीडियो है और वह इस तरह की धमकियों से नहीं डरते हैं।

मुझपर कोई असर नहीं

केपीसीसी के अध्यक्ष सुधाकरन से जब यह पूछा गया कि दफन वस्तुओं को निकालते वक्त क्या वह मौके पर मौजूद थे तो उन्होंने कहा, 'आप उन्नीथन से पूरी जानकारी ले सकते हैं। ऐसी धमकियों से मुझपर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।' वहीं, जब पत्रकारों ने पार्टी मुख्यालय में इस तरह की सामग्री के कथित तौर पर मिलने के बारे में पूछा तो सुधाकरन ने कहा कि उन्होंने भी इस बारे में सुना है। हालांकि, उन्नीथन ने वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वीडियो में एक तीसरा शख्स भी दिख रहा है। कयास लगाए जा रहे कि वो शख्स ज्योतिषी है। शख्स को वीडियो में थेय्यम की कुछ मूर्तियां, राख और अन्य रंगीन पाउडर निकालते हुए देखा गया था, जो कथित तौर पर काले जादू की रस्म के लिए इस्तेमाल किए गए थे। वीडियो में एक आदमी की आवाज सुनी गई, जो यह कहता सुनाई दिया की यह सब सामग्री काले जादू के लिए है। इससे सिर घूम जाएगा। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही तरह-तरह के सवाल उठने लगे।

जादू-टोना करने वाले अपराधी

कांग्रेस के विचारक चेरियन फिलिप ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि इस आधुनिक वैज्ञानिक युग में जो लोग अंधविश्वास और काला जादू में विश्वास करते हैं और उसका पालन करते हैं, वे कायर हैं। उन्होंने कहा कि केरल समाज के लोगों ने अंधविश्वासों और कुरीतियों को नकार दिया है। जो लोग अभी भी जादू-टोना और अन्य गलत कामों में लिप्त हैं, वे केवल अपराधी हैं।

जिस दिन पहली बार मिले उसी दिन पत्नी की मौत

रोड क्रॉस कर रही महिला को शराबी बाइक सवारों ने टक्कर मारी

इंदौर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर राऊ रोड पर एक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। महिला अपने पति और सहेली के साथ एक ढाबा पर खाना खाने गई थी। यहां से पैदल रोड क्रॉस कर रही थी। तभी बाइक चला रहे दो शराबियों ने उसे टक्कर मारकर घायल कर दिया। दोनों बाइक सवार भी वहीं गिर गए। हादसा देखकर कुछ लोग वहां पहुंचे और दोनों बाइक सवारों की पिटाई कर दी। किशनगंज पुलिस के मुताबिक घटना एबी रोड की है। यहां संगीता पत्नी सन्नी भाटिया निवासी पाताल पानी को बाइक सवारों ने टक्कर मार दी। संगीता कई फीट दूर जाकर गिरी। उसे तुंरत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे।

लेकिन यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, एक बाइक सवार को पकड़कर लोगों ने पुलिस के सुपुर्द कर दिया। वह शराब के नशे में था। उसका दूसरा साथी मौके से भाग गया। पति के मुताबिक वह सड़क पार कर रही थी। इस दौरान उसकी सहेली भी साथ में थी। संगीता मोबाइल पर बात कर रही थी। इसलिये बाइक की तरफ उसका ध्यान नहीं गया। इतना ही नहीं बाइक सवार भी शराब के नशे में थे, इसलिव वे गाड़ी कंट्रोल नहीं कर पाए। सन्नी ने बातचीत में बताया कि एक साल पहले 4 जुलाई को दोनों एक दूसरे से मिले थे। सुबह संगीता ने यह बात ध्यान दिलाई तो सन्नी पत्नी संगीता और उसकी एक सहेली के साथ ढाबे पर सेलिब्रेशन करने पहुंचे थे। दोनों ने छह माह पहले लव मैरिज की थी।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के पूर्व छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, पुलिस तलाश रही इसके पीछे की वजह

उज्जैन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रहने वाले पॉलिटेक्निक कॉलेज के पूर्व छात्र अमन पिता राधिकाप्रसाद (24) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोपहर को वह उज्जैन आकर अपने जूनियर छात्र पप्पू के महानंदानगर स्थित कमरे पर रुका था। यहीं खाना खाने के बाद रात के समय उसने बेडशीट का फंदा बनाकर फांसी लगाई और आत्महत्या कर ली। घटना की रात एक अन्य दोस्त भी कमरे पर था। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया रात करीब 3 बजे घटना की सूचना मिली। घटना स्थल पर पहुंचे और अमन को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अमन के दोस्त पप्पू ने बताया कि गुरुवार को उसका पेपर था, इस कारण वह पढ़ने के लिए अपना कमरा अमन और साहिल को सौंपकर दूसरे दोस्त के घर चला गया था।

दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश के मकान में लगी भीषण आग, फायरकर्मियों ने ऐसे बचाई युवती की जान

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पॉश इलाकों में शुमार ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में शुक्रवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल हो गया, जब वहां एक बिल्डिंग में अचानक आग लग गई। मकान में आग काफी तेजी से फैली और देखते ही देखते बिल्डिंग के कई फ्लोर को चपेट में ले लिया। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित बिल्डिंग में लगी आग की इस घटना में एक युवती ऊपरी मंजिल में फंस गई, जिसे समय रहते फायरकर्मियों ने बचा लिया। इस घटना की सूचना मिलते ही फायर टेंडरों की टीम कुछ ही समय में मौके पर पहुंच गई। दिल्ली फायर सेवा के कर्मचारियों ने सबसे पहले बिल्डिंग में फंसी युवती को सकुशल बाहर निकाल लिया। उसके बाद फायरकर्मी आग बुझाने में जुट गए। दिल्ली फायर सर्विस के डायरेक्टर अतुल गर्ग ने

बताया कि फायर कंट्रोल रूम को सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली थी। बताया गया था कि ईस्ट आफ कैलाश के एफ-46 मकान में आग लगी है। जिस पर तुरंत ही अलग-अलग फायर स्टेशनों से आग बुझाने वाली आठ गाड़ियां मौके पर भेजी गई। असिस्टेंट डिविजनल अफसर यशवंत सिंह मीणा सहित 40 फायरकर्मियों की टीम घंटो मशक्कत के बाद नौ बजकर 50 मिनट पर आग के नियंत्रित करने में सफल हुई। इस घटना के बाद काफी देर तक वहां कूलिंग का काम चलता रहा।

'फायरकर्मियों ने बचाई युवती की जान'

दिल्ली फायर सेवा के डायरेक्टर अतुल गर्ग के मुताबिक आग अपर ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी जो थर्ड फ्लोर पर रखे हुए सामान तक पहुंच गई और आग की तेज लपटों के साथ काफी धुआं भी निकलने लगा था। इस दौरान ऊपरी मंजिल पर रहने वाले लोग पहले ही निकल चुके थे, लेकिन एक युवती ऊपरी मंजिल पर फंस गई। वह लगातार रो रही थी, जिसे ट्रंक ट्रैवल लेडर गाड़ी की मदद से रेस्क्यू किया गया। डीजी अतुल गर्ग के अनुसार फिलहाल आग लगने के सटीक कारण पता नहीं चल पाया है, लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण बिल्डिंग में आग लगी, जो बाद में ऊपरी मंजिल तक फैल गई।

चिंगारी भड़की, धुंआ उठा और धू-धू कर जलने लगी स्कूल वैन; हंसते-खेलते बच्चों में मची चीख पुकार

फरीदाबाद, 5 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में आज एक बड़ा हादसा होने से बच गया। ड्राइवर और राहगीरों ने हिम्मत दिखाते हुए बच्चों को वैन से बाहर निकाल लिया, वरना बड़ा हादसा होता। दरअसल, आज सुबह बच्चों से भरी एक स्कूल वैन में भीषण आग लग गई। अचानक शॉर्ट सर्किट होने की आवाज आई और धुंआ उठने लगा। यह देखते ही ड्राइवर ने बच्चों ने वैन से उतरने को कहा। इस बीच वैन ने आग पकड़ ली। राहगीरों ने बच्चों को वैन से दूर किया और आस-पास से पानी की बाल्टियां भरकर वैन पर फेंकी, लेकिन तब तक वैन का अगला हिस्सा जलकर राख हो गया। हादसा फरीदाबाद शहर के आईएमटी चौक पर हुआ। ड्राइवर की सूझबूझ के लिए लोगों ने उसकी पीठ थपथपाई। पुलिस भी जांच करने मौके पर पहुंची।

भीषण हादसे में महिला दरोगा समेत दो की मौत; केस की गवाही देने जा रही थीं, सीमेंट लदा ट्रक कार पर पलटा

गोपालगंज, 5 जुलाई (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के फुटानीगंज के पास एनएच-27 पर भीषण सड़क हादसे में महिला दरोगा की मौत हो गई। वह अपने कार से केस की गवाही देने जा रही थीं, एनएच 27 पर सीमेंट लदा ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी गाड़ी पर ही पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि महिला दारोगा और ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। मत दरोगा की पहचान सतीभा कुमारी के रूप में की गई है, जो सिधवलिया थाने में तैनात थीं और बेगूसराय जिला की रहने वाली थीं। वहीं, ड्राइवर की पहचान नहीं हो सकी है। हादसे के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात, एसडीपीओ अभय रंजन, एसडीपीओ प्रांजल मौके पर पहुंचे। कई थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। बताया जाता है कि महिला सब इंस्पेक्टर सतीभा कुमारी सिविल कोर्ट में एक केस की गवाही देने के लिए निकली थीं। रास्ते में सीमेंट से लदा ट्रक उनकी कार पर अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक ड्राइवर को हादसे के दौरान पता नहीं चल सका कि सीमेंट की बोरियों से एक कार दबी हुई है। शाम में जब गिरे हुए सीमेंट को दूसरे वाहन में लोड किया जा रहा था, तब क्षतिग्रस्त कार दिखी और उसके अंदर महिला सब इंस्पेक्टर और ड्राइवर मिले, जिनकी मौत हो चुकी थी। सिधवलिया थाने की पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह हादसा पुलिस परिवार के लिए बेहद दुखद है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

सरकारी अस्पतालों में क्यों बंद पड़े हैं 62 ऑपरेशन थियेटर? देवेंद्र यादव का दिल्ली सरकार से सवाल

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार बीते 10 वर्षों में अपनी जिन उपलब्धियों का बखान दिल्ली की जनता के सामने ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों में करती रहती है, उनमें शिक्षा के अलावा उनका स्वास्थ्य मॉडल भी शामिल है। जिसके बेहतरीन होने का दावा आम आदमी पार्टी के नेता और मंत्री करते रहते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस

कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में दिल्ली सरकार की विफलता के कारण दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के 38 अस्पतालों में कुल 235 ऑपरेशन थियेटरों है, जिनमें से 62 आपरेशन थियेटर पूरी तरह बंद पड़े हैं। जिसका कारण ओटी विशेषज्ञ समेत एनेस्थैटिक्स स्टाफ आदि की भारी कमी है। देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार से सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों, नर्सों सहित पैरामेडिकल स्टॉफ की भर्ती की मांग की है। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि दिल्ली में प्रति 100 बेड पर महज 1.71 ऑपरेशन थियेटर हैं। इनमें से भी 26 प्रतिशत नॉन फंक्शनल हैं। उन्होंने ये भी कहा कि कोविड के दौरान अपनी जान का जोखिम उठा कर अस्पतालों में सेवा देने वाली 170 नर्सों की सेवा केजरीवाल सरकार द्वारा समाप्त करना अमानवीयता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल के 13 ऑपरेशन थियेटर में से छह बंद हो गए हैं, जिसका मुख्य कारण दिल्ली सरकार द्वारा 51 पेरामेडिकल स्टॉफ को हटाना है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एलएनजेपी अस्पताल के दिल्ली के मध्य में होने के कारण दिल्ली की बड़ी आबादी यहां इलाज कराने के लिए पहुंचती है, जिन्हें विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और ओटी के बंद पडे. होने के कारण इलाज के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभाग में 10 वर्षों में स्थाई भर्ती करने की जगह अस्थाई कर्मचारियों की भी आधी से भी कम संख्या में भर्ती की है, जिनको समय-समय पर निकाल दिया गया और आज दिल्ली की जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

सत्र के पांचवें दिन की शुरुआत भी हंगामे से, नाराज विपक्ष ने किया वॉक आउट

भोपाल, 5 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का शुक्रवार को पांचवां दिन है। इसकी शुरुआत ही हंगामे से हुई है। प्रश्नोत्तर काल में जल जीवन मिशन के काम में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा और हंगामा शुरू हो गया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के जवाब से नाखुश होकर विपक्ष ने वॉक आउट कर दिया। विधानसभा के पांचवें दिन प्रश्नोत्तर काल के दौरान विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि सभी विधायकों से बात कर लें तो जल जीवन मिशन की सच्चाई सामने आ जाएगी। डॉ। प्रभु राम चौधरी बोले कि कई जगह ऐसी भी हैं, जहां नल लगे हुए हैं लेकिन पानी नहीं आता है। सांची विधानसभा क्षेत्र के 49 गांवों में इस तरह की दिक्कत है। जो काम पूरे बताए जा रहे हैं, उनकी जांच के लिए कमेटी बनाई जाए। दोषी अफसरों पर कार्रवाई की जाए। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसका जवाब देते हुए कहा कि इसे लेकर आज ही निर्देश जारी किए जाएंगे। मामले में कलेक्टर बैठक करें और नल जल से पानी मिलने की व्यवस्था कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सांची विधानसभा क्षेत्र में प्रमुख इंजीनियर को भेजकर जांच कराई जाएगी। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा पूरे प्रदेश में जल जीवन मिशन में घोटाला हो रहा है। विधानसभा अध्यक्ष इस पर व्यवस्था तय करें। विजयवर्गीय बोले कि प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष द्वारा इस तरह की बात करना उचित नहीं है। इसे विलोपित किया जाना चाहिए। इस पर शोर-शराबे की स्थिति बनी तो विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर बोले कि प्रश्नकाल के दौरान ऐसी स्थिति नहीं बनने देनी चाहिए। अनुमति लेकर अपनी बात कहनी चाहिए।' इस बात से नाराज विपक्ष ने वॉक आउट कर दिया। विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने बताया कि मैहर जिला तो बन गया है, पर वहां के अस्पताल में वाहन सुविधा नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 6 जुलाई- 2024

बिहार में टूटते पुल !

बिहार में पुल-पुलियों और डायवर्सन के गिरने-ढहने का सिलसिला शुरू हुआ तो रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। पखवाड़े भर से राज्य के पुलों को ध्वस्त होते देख कर तो यही लगता है कि भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े इन पुलों ने आत्मग्लानि में ही जल समाधि ले ली है। अभी तक एक दर्जन पुल नदियों की कोख में समा चुके हैं। पुलों के ध्वस्त होने के पहले इनके बनने की कहानी जानना जरूरी है। सभी जानते हैं कि लालू यादव और राबड़ी देवी के राज में बिहार राज्य पुल निर्माण निगम कैसे नाकारा हो गया था। पुल निगम के दफ्तरों में भूतहा सन्नाटा पसरा रहता था। वर्ष 2005 में नीतीश कुमार के सत्ता संभालते ही बिहार में पुल-महापुल निर्माण ने रफ्तार पकड़ी तो लोग नीतीश को सुशासन बाबू तक कहने लगे। मगर, किसे पता था कि लोगों के मन में नीतीश के सुशासन में भ्रष्टाचार बरगद की तरह न सिर्फ जड़ें जमा रहा है, बल्कि ऊपर भी उनका फैलाव उसी गति से हो रहा है। सरकारी अफसरों की देखरेख में ही ठेकेदार पुलों का निर्माण कराते रहे हैं। निर्माण सामग्री घटिया है या उम्दा, इसके बारे में जनप्रतिनिधियों तक को बोलने की मनाही थी तो आम आदमी क्या बिसात? लोग तो इसी में खुश थे कि पुल बन रहे हैं तो अब उन्हें आवाजाही में सहूलियत होगी। मगर, उनके विश्वास पर भ्रष्टाचार के पायों पर खड़े इन पुलों ने ध्वस्त होकर पानी फेर दिया है। अभी तो लगभग एक दर्जन ही छोटे-बड़े पुल टूटे हैं। बारिश का यह पहला असर है, अभी पूरी बरसात बाकी है। आगे और कितने पुल नदी की भेंट चढ़ेंगे, कहना मुश्किल है। जो पुल अभी बचे हैं, उन पर आवाजाही चालू है। लेकिन, किसी भी पुल से गुजरने से पहले लोग हनुमान चालीसा का पाठ कर लेते हैं। हमेशा ये भय बना रहता है कि उफनती नदी पर बना पुल कहीं ध्वस्त न हो जाए। पिछले दिन की बरसात तो सारण प्रमंडल के पुलों पर कहर बन कर बरसी। एक दिन में सारण और सिवान जिले में पांच पुल ध्वस्त हो गए। गुरुवार को भी ये सिलसिला जारी रहा। नीतीश कुमार बिहार का विकास चाहते हैं और विकास के काम करते भी हैं, इसमें भी कोई संदेह नहीं। मगर, उनके अफसर भ्रष्ट और बेईमान हैं, ये तो अब हर आदमी कहने लगा है। ऐसे अफसरों के खिलाफ सरकार की कोई ऐसी सख्त कार्रवाई भी नहीं दिखती, जिससे लोगों के मन में ये भरोसा जगे कि नीतीश कुमार की ईमानदारी पर सवाल खड़ा न किया जा सके। ये तो शुक्र मनाइए कि पुलों के ध्वस्त होने की जितनी घटनाएं हुई हैं, उनमें किसी की जान नहीं गई है। जिस तरह आदमी की आबादी बढ़ रही है, वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, उसमें कोई बड़ी घटना हो जाए तो आश्चर्य की बात नहीं। लगता है नीतीश ने अफसरों को खुली छूट दे दी है कि वे कुछ भी करें, उन्हें कोई टोकने वाला नहीं है। जनप्रतिनिधियों ने भी अब बोलना-टोकना छोड़ दिया है। सिर्फ विपक्षी यदा-कदा शोर मचाते हैं। मगर, जब नीतीश अपने लोगों की सुनने को तैयार नहीं तो विपक्ष के शोरगुल का उन पर क्या असर पड़ने वाला है? बिहार में बने पुल सिर्फ ध्वस्त ही नहीं हो रहे, बल्कि इनकी चोरी भी होती रही है। पुराने पुलों के लोहे के लालच में चोर कभी पुल निर्माण निगम के अधिकारी बन कर आते हैं तो कभी नए निर्माण की बात कह कर पुल काट कर आराम से ट्रकों पर लाद कर रफूचक्कर हो जाते हैं। बिहार में किसी की मजाल है कि इन पुल चुराने वालों को पकड़ पाए। पुलों की चोरी भी किसी एक इलाके में नहीं होती है। पुल चोरी को देख कर लगता है कि इनका कोई संगठित गिरोह सक्रिय है, जिसे पकड़ पाना अफसरों के बूते के बाहर की चीज है।

गरीब वर्ग बाबाओं के चक्कर में क्यों फंस रहा है

राजेश कुमार पासी

सूरजपाल नाम का एक सामान्य आदमी पुलिस विभाग में भर्ती हो जाता है और 18 साल नौकरी करने के बाद वीआरएस लेकर नौकरी से रिटायर हो जाता है । इसके बाद वो सत्संग करना शुरू कर देता है और एक ट्रस्ट बना लेता है । वह खुद को हरि का शिष्य बताता है और इसलिए अपना नाम सूरजपाल से बदलकर नारायण साकार हरि कर लेता है और खुद को पूरे ब्रह्मांड का मालिक बोलने लगता है । लोगों ने उसे नौकरी छोड़ने के बाद हमेशा सफेद सूट और नीली टाई में देखा है और ये आदमी दलित समाज से आता है । उसकी मामी सत्संग में साथ आकर बैठती है तो उसे माताश्री का नाम दिया जाता है । यूपी में बहादुर नगर में आश्रम खोलने के बाद ये आदमी धीरे-धीरे गरीब और वंचित समाज में लोकप्रिय होता जाता है । कहा जाता है कि इसके अनुयायियों की संख्या लाखों में है । इस आदमी ने सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में वॉलिंटियर्स रखे हुए हैं, जो सत्संग के दौरान सुरक्षा सहित अन्य इंतजाम देखते हैं । कहा जाता है कि ये प्रशासन की अनुमति के बिना ही लाखों की भीड़ जुटाया करता था और इसके लोग वहां का इंतजाम देखा करते थे । इसे भोले बाबा के नाम से जाना जाता है । हाथरस में मंगलवार को मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम नाम से नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग का आयोजन हुआ था । इसने इस सत्संग में बिना अनुमति के लाखों की भीड़ इकट्ठी कर ली और सत्संग खत्म होने के बाद उसने ऐलान किया कि उसके जाने के बाद भक्त लोग उसकी चरण धूलि लेकर घर जाएं । उनका कहना है कि इसकी चरण धूलि से सभी बीमारियां ठीक हो जाती है । इसके अलावा उसने अपने आश्रम में हेडपंप भी लगवा रखे हैं, जिनके बारे में प्रचार किया गया है कि उनका पानी पीने से लोगों की बीमारियां ठीक हो जाती हैं । जब इसकी गाड़ी चली गई तो लोगों में चरण धूलि लेने के लिए होड़ लग गई । इसके कारण लोगों में भगदड़ मच गई और अभी तक की जानकारी के अनुसार 128 लोग मारे गये हैं और 150 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हैं । भक्तों की भीड़ ने भक्तों को ही कुचल दिया और लोग मारे गए । घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि शुरुआत में धक्का लगा और कुछ लोग गिर गये और इसके बाद जो भी गिरा वो दोबारा उठ नहीं पाया । भीड़ ने इन लोगों को ही कुचलना शुरू कर दिया और एक बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया । अस्पतालों में लाशों के ढेर लग गए और घायलों की भीड़ लग गई । कितने ही लोग इलाज न मिलने से मारे गये । हैरानी की बात है कि खुद को पूरे ब्रह्मांड का मालिक बताने वाला बाबा भाग गया और अभी तक फरार है । जो अपनी चरण धूलि से लोगों की सारी बीमारियां दूर करने का दावा कर रहा था वो किसी को भी ठीक करने के लिए सामने नहीं आया है । बड़ा सवाल यह है कि क्यों एक सामान्य सा आदमी नौकरी छोड़ने के बाद सिर्फ सत्संग करने के नाम पर लाखों लोगों का भगवान बन जाता है । देखा जाये तो यह अकेला नहीं है बल्कि हमारे देश में सैकड़ों ऐसे बाबा हैं जिनके करोड़ो भक्त हैं । इनके भक्तों के लिए ये बाबा या गुरु भगवान के समान होते हैं । लोग अपने घरों में उनकी तस्वीरें लगाकर इनकी पूजा करते हैं और कोई इसके बारे में कुछ कह दें तो मरने मारने पर उतारू हो जाते हैं । ये बाबा-गुरू बेहद ऐश्वर्य पूर्ण जिन्दगी जीते हैं । इनके कार नामे ऐसे-ऐसे हैं कि कुछ कहना बड़ा मुश्किल है । कितने ही बाबा अपनी महिला भक्तों का यौन शोषण करने हुए पाए गए हैं । इसका कारण यह है कि इनकी महिला भक्त इन्हें भगवान का दर्जा दे देती है और भगवान को सब कुछ समर्पण के नाम पर सच में सब कुछ समर्पित कर देती है । कई बार कुछ घटनाएं सामने आ जाती है लेकिन सच्चाई कहीं ज्यादा घिनौनी है लेकिन इसमें समाज और सरकार कुछ नहीं कर सकते । इनके भक्त अपने अंधविश्वास को आस्था का नाम दे देते हैं और हमारे देश में किसी की आस्था पर चोट करना बहुत बुरा माना जाता है । वैसे भी हमारा संविधान किसी को भी अपनी आस्था के अनुसार धार्मिक आचरण करने की आजादी देता है । दूसरी बात यह भी है कि इन बाबाओं और गुरुओं के भक्तों की संख्या लाखों से लेकर करोड़ो में हो सकती है इसलिए राजनीतिक दल भी इनकी शरण में पहुंच जाते हैं । थोक में लाखों वोट मिलने की उम्मीद में नेताओं की भीड़ इनके दरबार में हाजिरी लगाने लगती है और नेताओं के आने से उनकी लोकप्रियता और बढ़ती जाती है । जब बड़े-बड़े नेता इनके दरबार में हाजिरी लगाने लगते हैं तो पुलिस और प्रशासन की हिम्मत कहां की इनके काम में टांग अड़ा सके । इन बाबाओं और गुरुओं की भी अलग-अलग श्रेणी है । कुछ के भक्तों में गरीबों की संख्या ज्यादा होती है तो कुछ के भक्त बहुत अमीर होते हैं । कुछ बाबाओं के भंडारे में साधारण भोजन परोसा जाता है तो कुछ के भंडारे में लजीज व्यंजनों की भरमार होती है । इनके पास पैसों की कोई कमी नहीं होती, इनके एक ऐलान पर इनके भक्त इनके सामने पैसों का ढेर लगा देते हैं । जमीन-जायदाद के लिए अपनों का खून तक बहा देने वाला समाज इन बाबाओं के नाम पर अपनी मर्जी से जमीन लिख देता है । इनके पैरों की धूल भी भक्तों के लिए अमृत समान हो जाती है । एक बाबा के बारे में कहा जाता है कि उसके नहाने के बाद बहने वाले पानी से बनी खीर भक्तों में बांटी जाती थी । देखा जाते तो ऐसे बाबा करोड़ों लोगों के लिए चलते फिरते भगवान बन जाते हैं ।वास्तव में हमारे देश की जनता में अंधविश्वास बहुत ज्यादा है और लोगों की मानसिकता कर्म में कम चमत्कारों में ज्यादा है । भोले बाबा कहने को गरीब और वंचित समाज का बाबा था लेकिन इसके पास भी पैसे की कमी नहीं थी । गरीबों ने इसे भगवान मानकर अपने खून पसीने की कमाई दी हुई थी । देश में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो हर बीमारी और समस्या को खत्म करने के लिए चमत्कार की आशा में ऐसे लोगों की शरण में पहुंच जाते हैं । ये बाबा तो फिर भी कम हैं लेकिन हर गली मोहल्ले में मिलने वाले मौलवी और ओझा की संख्या तो लाखों में है । मैंने अक्सर अपने समाज में देखा है कि कोई भी समस्या या बीमारी के आने पर लोग किसी को दिखा लेने की बात करते हैं । किसी से पूछने की बात करते हैं । वास्तव में वो किसी औझा या मौलवी के पास जाने की सलाह देते हैं, जो भूत, प्रेत, चुड़ैल और जिन्न आदि को भगाने का काम करता हो । मैंने अपने जीवन में देखा है कि दलित समाज में लौंग किसी बम से कम नहीं होती । किसी के घर में अगर कोई लौंग गिरी हुई मिल जाये तो पूरा घर दहशत में आ जाता है, जैसे कोई बुरा होने वाला है । इसके अलावा चावल के दाने, उड़द की दाल या किसी जानवर के खून का छींटा आदि कहीं दिख जाये तो पूरा परिवार औझे और मौलवी के दरबार में पहुंच जाता है । किसी का काम न चल रहा हो, दुकान पर बिक्री न हो रही हो, नौकरी न मिल रही हो और ऐसी ही कितनी समस्याओं के लिए एक बड़ा वर्ग कुछ विशेष बाबाओं के पास जाता है । जब ऐसे लोगों को किसी चमत्कारी बाबा के होने की खबर मिलती है तो वो बिना सोचे समझे उसकी शरण में पहुंच जाते हैं । इसलिए कोई हैरानी नहीं है कि इस बाबा ने अपने लोगों से कुछ चमत्कारों की बात फैला कर अपने लिए भक्तों की भीड़ का इंतजाम कर लिया हो । चालाक और धूर्त लोग गरीब, अनपढ़ और पढ़े लिखे अंधविश्वासी लोगों को कुछ ऐसे अपने जाल में फंसा लेते हैं कि उनको अहसास भी नहीं होता तो वो किसी के फैलाए गए मकड़जाल में फंस चुके हैं। इन बाबाओं के चक्कर में लोग न केवल अपना पैसा और समय बर्बाद करते हैं बल्कि अपनी पारिवारिक जिंदगी भी तबाह कर लेते हैं। ये बहुत गंभीर और व्यापक बीमारी है जिसने हमारे समाज को जकड़ा हुआ है।

सोशल मीडिया और अन्य मीडिया प्लेटफार्म के अलावा दलित और वंचित समाज के जागरण का काम करने वाले लोग सिर्फ हिंदू धर्म पर हमलावर रहते हैं और इस समाज की वास्तविक समस्याओं की समझ उनमें नहीं है।

विनम्रता से जीता, अहंकार से लंका ढही

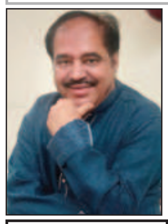

संजीव ठाकुर

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी।

ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

डरावने अध्ययन, कब चेतेंगे हम ?

अमरपाल सिंह वर्मा

भारत में वायु प्रदूषण की समस्या लगातार विकराल रूप ले रही है। वायु गुणवत्ता मानकों को सख्त करने और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयास बढ़ाने की जरूरत है, यह बात हमें अच्छी तरह समझनी होगी। वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना ही होगा, अन्यथा इसके बहुत दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। निरंतर बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बना हुआ है। वायु प्रदूषण हमारे पर्यावरण, स्वास्थ्य और समाज को बहुत प्रभावित कर रहा है। वातावरण में विभिन्न विषाणु, धूल, धुएं, और अन्य वायु मंडलीय ठोस, द्रवीय एवं गैसीय पदार्थों के माध्यम से प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है।

बढ़ते शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की रेलमपेल और ऊर्जा उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले फोसिल ईंधन जैसे विभिन्न कारणों को वायु प्रदूषण के मुख्य कारकों में गिना जाता है। यह प्रदूषण न केवल हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है बल्कि इस कारण प्राकृतिक वातावरण पर भी अनेक दुष्प्रभाव हो रहे हैं। हवाओं में मौत का जहर घुल गया है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता यह है कि अब कहां जा कर सांस ली जाए?

भारत में वायु प्रदूषण की समस्या लगातार विकराल रूप ले रही है। यह प्रदूषण कितना जानलेवा और खतरनाक साबित हो रहा है, इसका अनुमान एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट से सहज ही लग जाता है। 'द लांसेट प्लेनेटरी हेल्थ' पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि देश के 10 शहरों अहमदाबाद, बंगलूरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में होने वाली हर 100 मौतों में से 7 मौतों के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 10 शहरों में हर साल लगभग 33 हजार मौतें वायु प्रदूषण के कारण हो रही हैं।

रिपोर्ट से पता चलता है किमुंबई, बंगलूरू, कोलकाता और चेन्नई में कई मौतें हुई हैं, लेकिन दिल्ली में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। रिपोर्ट में दिए आंकड़ों से दिल दहल जाता है क्योंकि इसके अनुसार दिल्ली में वायु प्रदूषण से हर साल 12 हजार लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं, जो देश में कुल मौतों का 11.5 प्रतिशत है।

मौतों के मामले में दिल्ली के बाद वाराणसी का नंबर आता है, जहां दिल्ली के बाद वायु प्रदूषण के कारण हर साल 830 लोगों को जान गंवानी पड़ी है, जो कुल मौतों का 10.2 प्रतिशत है। अन्य शहरों में, बंगलूरू में 2100, चेन्नई में 2900, कोलकाता में 4700 और मुंबई में करीब 5100 लोग हर साल वायु प्रदूषण के कारण अपनी जान गंवाते हैं।

बढ़ता प्रदूषण पहाड़ी राज्यों को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में सबसे कम वायु प्रदूषण पाया गया है, लेकिन वहां भी वायु प्रदूषण का स्तर एक जोखिम बना हुआ है। शिमला में हर साल 59 मौतें होती हैं, जो कुल मौतों का 3.7 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में पीएम 2.5 को मौतों की वजह बताया गया है, यह एक प्रकार का वायु प्रदूषक है जिसमें 2.5 माइक्रोमीटर या उससे छोटे कण होते हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि सांस के साथ गहराई तक फेफड़ों में पहुंच जाते हैं और वायु प्रदूषण तथा इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों के प्रमुख कारण माने जाते हैं।

ऐसे प्रदूषण के स्रोतों में वाहनों से निकलने वाला धुआं और औद्योगिक उत्सर्जन शामिल हैं। यह चिंता का विषय है कि भारतीय शहरों में रोज पीएम2.5 प्रदूषण के संपर्क में आने से मौत का खतरा बढ़ जाता है और स्थानीय प्रदूषण इसका कारण हो सकता है। अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि दो दिनों (अल्पकालिक जोखिम) में मापे गए औसत पीएम 2.5 प्रदूषण में 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि से दैनिक मृत्यु दर में 1.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है।

हमारे आसपास विशाल कारखानों, छोटी-बड़ी फैक्ट्रियों, वाहनों, ईन्ट भट्टों आदि के कारण वायु प्रदूषण निरंतर बढ़ता जा रहा है। कोई गांव और शहर इससे अछूता नहीं रहा है। ज्यादातर लोग तो वायु प्रदूषण के खतरों से अनजान हैं लेकिन जो इस बारे में जानते हैं और इसके दुष्परिणामों को महसूस करते हैं, वे भी आम तौर पर इन्हें अनदेखा कर देते हैं।

वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को हम महसूस करते हैं लेकिन इससे निपटने की दिशा में कोई प्रयास नहीं करते। ऐसे में प्रदूषण से बीमार हुए लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो पहले लंबे समय तक बीमारी झेलते हैं और फिर दुनिया को अलविदा कह जाते हैं।

यह कोई पहली रिपोर्ट नहीं है, जो बढ़ते प्रदूषण के प्रति चिंता जताती है। समय-समय पर ऐसी रिपोर्ट आती हैं, जिनमें बढ़ते प्रदूषण, उसके कारणों और नियंत्रण के लिए जरूरी उपायों पर प्रकाश डाला जाता है लेकिन उन्हें पढक़र भुला दिया जाता है। यह लापरवाही हमें बहुत भारी पडऩे वाली है। भारत में वायु गुणवत्ता मानकों को सख्त करने और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयास बढ़ाने की जरूरत है, यह बात हमें अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए। सरकारों, राजनेताओं, औद्योगिक इकाइयों, पर्यावरण के हित में काम कर रहे संगठनों और जन समुदाय को मिलकर काम करना होगा, तभी हम प्रदूषण को नियंत्रित कर पाएंगे।

ज़माने की सच्चाईः हार्ड वर्क से स्मार्ट वर्क की ओर

सुरेश मिश्रा

शहर के एक छोटे से मोहल्ले में रमेश नाम का एक व्यक्ति रहता था, जिसने बचपन से ही सिखा था कि सीधे रास्ते पर चलना चाहिए। उसकी मेहनत और ईमानदारी की मिसाल दी जाती थी, लेकिन वह हर बार जीवन की दौड़ में पिछड़ जाता था। एक दिन उसके दोस्त रवि ने उसे समझाया, रमेश भाई, ये ज़माना हार्ड वर्क का नहीं, स्मार्ट वर्क का है। रमेश बोला, मेरे तो टी-20 से पुराना नाता है। बचपन में मैं 20-20 रुपये में टी बेचता था। रवि हँसते हुए बोला, अब टी बेचने का ज़माना नहीं रहा, अब स्मार्टनेस दिखाने का है।

रमेश को अचानक याद आया कि वह हमेशा सादगी और मेहनत को ही अपनी सफलता की कुंजी मानता था। एक दिन उसने देखा कि पुल और सड़कें गायब हो गई हैं। पूछने पर पता चला कि भ्रष्टाचारी नेताओं की भूख इतनी गज़ब की थी कि पुल और सड़क भी खा गए। रमेश ने सोचा, एक दुनिया भूख से लड़ती है और दूसरी भूखों से।

रमेश ने अपनी बेटी को पढ़ाना शुरू किया। उसने 'अ' से अनार लिखा तो सबने तारीफ की, 'आ' से आम लिखा तो उसके गुण बताने लगे, लेकिन जब उसने 'अ' से अधिकार लिखा तो सब भड़क गए। वह कभी चेहरे की रँगत नहीं बदलता और हमेशा 'गाइड' की तरह जीने का हौसला बनाए रखता। जिन्दगी भले ही जख्मों से भर गई हो, लेकिन वक्त ने उसे मरहम दिया और जिन्दगी सम्भली। एक दिन उसकी पत्नी ने शिकायत की, अब तुम मुझे प्यार नहीं करते। रमेश ने पूछा, ऐसा क्यों कहती हो? पत्नी बोली, नई शादी के समय तुम मामा की दुकान से चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक, क्रीम बिस्किट, आइसक्रीम और बहुत कुछ लाते थे। अब कुछ नहीं लाते। रमेश ने हँसते हुए जवाब दिया, अब मेरे मामा ने दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगवा लिए हैं।

रमेश को इस बात का घमंड था कि सैटिंग न होने के बावजूद वह हमेशा ऑनलाइन रहता है।

एक दिन, रमेश ने अपनी पत्नी से कहा, बतर्न मंज गए, झाड़ू लग गई, पोंछा भी, आलू भी छिल गए। पत्नी, टीवी देखते हुए बोली, ₹वाह जानू! आय लव यू! थक गए होंगे, दो चाय बना लो, एक अपने लिए और एक मेरे लिए। इंतज़ार करते-करते मैं भी थक गई।

रमेश के दोस्त ने पहली बार उसके घर आकर कहा, तेरा बेटा बिल्कुल तेरे जैसा दिखता है। रमेश बोला, कमीने, धीरे बोल, बाजूवाली का बेटा है, खेलने के लिए आया है।

रमेश ने सोचा, कितने भी अच्छे कर्म कर लो, मरने के बाद लोग उसी को याद रखते हैं, जो उधार लेकर मरा हो।

एक दिन, रमेश का बेटा अपने भाई के बारे में बात कर रहा था। उसने कहा, हमारा दूर का रिश्ता है। अंकल ने पूछा, तुम दोनों का क्या रिश्ता है? तो बेटा बोला, सगा भाई है। अंकल ने हैरान होकर कहा, तुम इसे दूर का रिश्ता बता रहे हो? बेटा बोला, क्योंकि हमारे बीच में 6 भाई और हैं।

रमेश ने संघर्ष पिता से और संस्कार माँ से सीखे। बाकी कपड़े और बर्तन धोना, रोटी बनाना उसकी पत्नी ने सिखा दिया।

कुछ लोगों के शौक इतने ऊँचे होते हैं कि वे बड़े-बड़े स्टेटस डालते हैं, लेकिन बीड़ी भी माँग कर पीते हैं। रमेश को गुस्सा करना भी नहीं आता था। तीन बार पूछने पर भी वह कन्फर्म करता था, नाराज़ हो क्या?

नई किस्म की राजनीति के मायने

वीरेंद्र सिंह परिहार

वर्ष 2011 में अन्ना आंदोलन के दौरान अरविंद केजरीवाल ने देश में नई किस्म की राजनीति करने की प्रतिबद्धता जताई थी। इसी के चलते अन्ना हजारे के विरोध के बावजूद अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी जिसे संक्षेप में आप कहते हैं, वह बनाई और चुनावी राजनीति में कूद गए। उन्हें अपनी लोकप्रियता का इतना गुमान था कि वह वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में बनारस में जाकर मोदी से भिड़ गए। उन्हें लगा कि जैसे उन्होंने दिल्ली विधानसभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हरा दिया था, उसी तरह से वह मोदी को भी हरा देंगे और पूरे देश में महानायक बन जाएंगे पर वह बनारस में औंधे मुंह गिरे। इतना ही नहीं, उनकी पार्टी का पूरे देश में एक तरह से सफाया हो गया। फिर भी उन्हें कांग्रेस पार्टी की तरह ऐसा लगता था कि यदि मोदी की छवि धूमिल की जा सके तो सत्ता सुंदरी दूर नहीं है लेकिन इस चक्कर में वह सदैव विवादित होते रहे। पार्टी में अपना एकाधिकार कायम करने के लिए उन्होंने कुमार विश्वास, योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण जैसे सहयोगियों को बहुत पहले पार्टी से दूध की मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया। अब पार्टी में उनका कोई सहयोगी नहीं बल्कि एक तरह से अनुयाई हैं । उनकी नई किस्म की राजनीति के तहत लोक लुभावन योजनाएं देखने को मिली। फ्री बिजली, फ्री पानी, महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा यही उनकी राजनीति के आधार रहे। लोगों को यह पता होना चाहिए कि ऐसी राजनीति के चलते आधारभूत योजनाओं के लिए पैसा नहीं उपलब्ध हो पाता । इसी का नतीजा है कि आज दिल्ली पानी के लिए त्राहि -त्राहि कर रही है। वजह साफ है उन ट्रीटमेंट प्लांट्स को जो गाद से भर गए , पैसों की कमी के चलते साफ नहीं करवा सके, क्योंकि लोक लुभावन योजनाओं के चलते पैसे का अभाव है। इसी तरह से रेलवे सेवा RRTS के मामले में अंशदान उपलब्ध ना कराने के चलते सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा था। सत्ता में आने के पूर्व वह बराबर जन-लोकपाल और राज्यों में उसी तर्ज पर लोकपाल बनाने की बातें करते थे पर हकीकत यही है कि दिल्ली में कोई लोकपाल तक नहीं है जिससे उनकी पार्टी दिल्ली की सत्ता में रहकर मनचाहा भ्रष्टाचार कर सके।

अब जब केजरीवाल की ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को उच्च न्यायालय स्थगन दे देता है यहां तक कि पूरी तरह रोक देता है तो इसके लिए केजरीवाल की पार्टी भाजपा और मोदी को भला बुरा कहती हैं जबकि इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में लगाई गई याचिका को केजरीवाल खुद ही वापस ले लेते हैं। इसका मतलब स्पष्ट है कि केजरीवाल को खुद भी अपनी याचिका के सफल होने पर भरोसा नहीं है। केजरीवाल कहते हैं कि उनके सभी सहयोगी जो सालों से जेल में अस्थाई अड्डा बनाए हुए हैं। सत्येंद्र अग्रवाल हो या मनीष सिसोदिया , कट्टर ईमानदार हैं पर न्यायालय हैं कि उन्हें जमानत देने तक की जरूरत नहीं समझते। कई बार यह भी कह चुके हैं कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामले बन रहे हैं। आखिर में केजरीवाल के खिलाफ भी मामला मजबूत होगा, तभी तो उच्च न्यायालय ने जमानत देने पर रोक लगा दी। अब जो लोग यह कहते थे कि आरोप लगने पर से इस्तीफा दे देना चाहिए, वहीं केजरीवाल कई महीनो तक जेल में रहने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ रहे हैं, दिल्ली में भले पानी के लिए त्राहि त्राहि मची हो, अराजकता की स्थिति निर्मित हो गई हो। केजरीवाल के जेल में रहते हुए कई मामलों पर जिस तरह से उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल सामने आई, उस लोगों में ऐसा एहसास हुआ कि केजरीवाल की असली उत्तराधिकारी वही है। जहां तक लोकतांत्रिक मूल्यों का सवाल है तो केजरीवाल थोड़ी भी असहमति झेलने को जो लोकतंत्र की मूल आत्मा है, के लिए तैयार नहीं है, थोड़ी भी आलोचना सहने में इतने उग्र कि कुमार विश्वास के खिलाफ पंजाब से पुलिस भेज दिया। लोगों का कहना है क्या यही नई किस्म की राजनीति है जो भ्रष्टाचार को ईमानदारी बताती है, पब्लिक के पैसों का शीश महल बनाने में दुरुपयोग करती है, इतना ही नहीं, परिवारवाद का भी विकृत स्वरूप प्रकट करती है।

बरसात में किस चीज का दान करने से शनि महाराज होते हैं अतिप्रसन्न

मॉनसून की शुरुआत हो चुकी है और बारिश की बूंदों से चारों ओर हरियाली ही हरियाली नजर आ रही है। बरसात के मौसम में ही हिंदू माह का पवित्र सावन का महीना भी पड़ता है, जिसकी शुरुआत 22 जुलाई 2024 से हो रही है।

वैसे तो सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। लेकिन इस समय शनि महाराज की पूजा करने का भी महत्व है। बरसात के मौसम में आप छोटे-छोटे उपायों से शनि देव प्रसन्न कर सकते हैं। इन उपायों से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रभाव भी कम होता है। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए आप बरसात में इन चीजों का दान कर सकते हैं।

बरसात में किन चीजों का करें दान

काली वस्तुओं का दानः शनि देव का संबंध काले रंग से होता है। यह रंग उन्हें अत्यंत प्रिय है। ऐसे में इस समय शनि देव को प्रसन्न करने के लिए आप गरीब और जरूरतमंदों में काले रंग की चीजों का दान कर सकते हैं।

छाते का दानः बरसात के मौसम में खूब बारिश होती है। खासकर मजदूर और गरीब वर्ग के लोगों को ऐसे में घर से बाहर निकलने में परेशानी होती है। इसलिए इस समय आप काले रंग के छाते का दान कर सकते हैं। इससे भी शनि महाराज प्रसन्न होंगे।

जूते-चप्पलों का दानः बरसात के समय गरीबों में काले रंग के जूते-चप्पलों का दान करने से भी शनि की कृपा प्राप्त होती है।

कुत्ते की सेवा करेंः बरसात में कुत्तों को खाने-पीने में समस्या आती है। ऐसे में आप उनकी मदद करें और उन्हें खाना खिलाएं। मान्यता है कि काले कुत्तों की सेवा से भी शनि देव बहुत खुश होते हैं।

पक्षियों को खिलाएं सतनाजाः बरसात का समय पक्षियों के लिए भी कष्टकारी हो जाता है। ऐसे में इस समय आप पक्षियों को सतनाजा या सप्तधान खिलाएं। इससे साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रभाव कम होता है।

काली उड़द के दानः शनिवार के दिन काली उड़द का दान करें। इससे शनि की महादशा का कष्ट आपको नहीं झेलना पड़ेगा।

घर खरीदने या मकान बनाने का कर रहे हैं प्लान, मुख्य द्वार का रखें विशेष ध्यान

घर बनाने से पहले उसका स्ट्रक्चर और डिजाइन सहित कई सारी तैयारियां की जाती हैं। लेकिन एक खुशहाल घर के लिए वास्तु शास्त्र के अनुरूप चीजें होनी आवश्यक मानी जाती हैं। ऐसा माना जाता है कि घर का मुख्य द्वार अगर वास्तु के अनुरूप होता है तो घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। वहीं घर बनाते समय दिशा का भी काफी ख्याल रखा जाना चाहिए क्योंकि यदि आपके घर का मुख्य द्वार शुभ दिशा में होता है तो देवी लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। यदि आप नया घर खरीदने जा रहे हैं या बनाने जा रहे हैं इन दोनों ही स्थिति में आपको वास्तु की कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। कौन सी हैं ये जरूरी बातें?

पूर्व दिशा

वास्तु के अनुसार, वह दिशा जहां से आप अंदर आते हैं और बाहर निकलते समय मुख करते हैं, वह प्रवेश द्वारा कहलाता है। आपके घर, ऑफिस, दुकान, फैक्ट्री का प्रवेश द्वार आपके जीवन में खासी भूमिका निभाता है। वास्तु के अनुसार, घर या व्यवसाय के लिए प्रवेश द्वार के लिए सबसे अच्छी पूर्व दिशा मानी गई है। यदि आपके घर का प्रवेश द्वार इस दिशा में है तो यह समृद्धि लाता है। साथ ही आपको हर कार्य में सफलता भी मिलती है और खुशहाली बनी रहती है।

पश्चिम दिशा

ऐसा नहीं है कि सिर्फ पूर्व दिशा मुख वाले घर ही श्रेष्ठ होते हैं। पश्चिम दिशा की ओर मुख वाले घर भी ठीक माने जाते हैं। ऐसे घरों में भी खुशहाली होती है और समृद्धि भी आती है। हालांकि आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होता है। खास तौर पर घर का मुख्य द्वारा बीचों-बीच हो।

उत्तर दिशा

ऐसे घर जो उत्तर-पूर्व के बीच में बने होते हैं, उनमें धन की कमी नहीं होती। ऐसे में घरों में हमेशा सकारात्मकता रहती है। खास बात यह कि इन घरों में वास्तु के निर्देशों की आवश्यकता भी नहीं होती।

दक्षिण दिशा

वास्तु के अनुसार, इस दिशा में बने घरों के प्रवेश द्वार को शुभ नहीं माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिशा में बने घरों में लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। साथ ही आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती। हालांकि, कुछ वास्तु के उपाय आजमाकर आप वास्तु दोषों को खत्म कर सकते हैं।

कर्क में होगा शुक्र गोचर, इन 3 राशिवालों के धन, सुख-सुविधाओं में होगी कमी!

शुक्र ग्रह का गोचर कर्क राशि में 7 जुलाई को 04:39 ए एम पर होने जा रहा है। शुक्र कर्क राशि में 31 जुलाई तक रहेगा। शुक्र के इस राशि परिवर्तन का अशुभ प्रभाव 3 राशि के जातकों पर देखने का मिल सकता है। शुक्र जब अशुभ प्रभाव देता है तो व्यक्ति के सुख, सुविधाओं, धन आदि की कमी होने लगती है। दांपत्य जीवन में भी कई तरह की समस्याएं पैदा हो जाती हैं, वहीं लव लाइफ में भी खटपट हो सकती है। कर्क में शुक्र के गोचर करने से किन 3 राशिवालों पर क्या अशुभ प्रभाव हो सकते हैं?

कर्कः आपकी राशि में ही शुक्र का गोचर होने वाला है। शुक्र के राशि परिवर्तन के कारण आपको धन की कमी हो सकती है। अचानक से आपका खर्च बढ़ सकता है, जिस पर नियंत्रण न होने के कारण आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। बैंक बैलेंस बिगड़ सकता है। आपका बचत भी प्रभावित हो सकता है।

आपको धन लाभ होने की संभावना नहीं दिख रही है, लेकिन आप धार्मिक और सामाजिक कार्यों पर रुपए खर्च कर सकते हैं। शुक्र ग्रह के अशुभ प्रभाव के कारण आपकी लव लाइफ या दांपत्य जीवन में मुश्किलें आ सकती हैं। पार्टनर के साथ वाद विवाद की स्थिति बन सकती है। आपको अपने पार्टनर की बातों को भी मनाना चाहिए।

सिंहः शुक्र के राशि परिवर्तन की वजह से आपकी राशि के लोगों को भी धन संकट का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि आप अपने सुख और सुविधाओं पर रुपए खर्च करेंगे। इससे आपका बजट बिगड़ सकता है और आपके लिए कर्ज लेने की भी स्थिति बन सकती है। आपको 7 जुलाई से 31 जुलाई के बीच फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखना चाहिए। धन के मामले में शुक्र का गोचर आपके लिए बहुत अच्छा साबित होता नहीं दिख रहा है।

कुंभः आपकी राशि के लोगों को शुक्र के कर्क राशि में रहने के दौरान अपनी भावनाओ पर काबू रखना होगा। आप कोई भी ऐसा कार्य या अभिव्यक्ति न करें, जिससे आपके लिए परेशानी खड़ी हो। काम-वासना से स्वयं को दूर रखें, नहीं तो आपकी लाइफ में टेंशन बढ़ सकती है और आपके लिए कई समस्याएं पैदा हो सकती है। इस दौरान आपको अपने दायरे में रहना चाहिए।

शनि देव की बहन कौन हैं, क्या ये इनसे भी अधिक खतरनाक हैं

ग्रहों में शनि को सबसे क्रूर ग्रह माना गया है। शनि देव का गुस्सा सबसे खतरनाक माना जाता है। लोग इन्हें शांत रखने के लिए तरह-तरह के जतन करते हैं। शनि का नाम आते हैं लोगों के मन में डर पैदा हो जाता है उसी तरह भद्रा का नाम सुन कर भी लोग घबरा जाते हैं। मान्यता है कि भद्रा काल में शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। आखिर ये भद्रा कौन है, आइए जानते हैं

कौन है भद्रा ?

भद्रा सूर्य और छाया की पुत्री, शनि देव की बहन है। शनि महाराज की बहन भद्रा भी उनकी की तरह क्रोधी स्वभाव की है जिस प्रकार शनि राजा को रंक बनाने की शक्ति रखते है ठीक उसी तरह उनकी बहन भी व्यक्ति के जीवन को नर्क बना सकती है। धार्मिक मान्यता अनुसार भद्रा का स्वरुप बड़ा भयंकर है, इनका रंग काला, केश लंबे और दांत विकराल है।

भद्रा क्यों है खतरनाक ?

पौराणिक कथा के अनुसार भद्रा जन्म लेते ये संसार को खाने के लिए दौड़ पड़ी। यज्ञों को नष्ट कर दिया, मंगल कार्यों में उपद्रव करने लगी, सारे जगत को पीड़ा पहुंचाती। ऐसे में उसके दुष्ट स्वभाव और विकराल रूप को देकर सूर्य देव को ये चिंता सताने लगी कि आखिर इस कुरूप कन्या का विवाह कैसे होगा। विवाह योग्य होने पर जब सभी देवताओं ने भद्रा के विवाह का प्रस्ताव ठुकरा दिया। तब सूर्य देव ब्रह्माजी की शरण में पहुंचे।

शुभ कार्य से पहले भद्रा काल क्यों देखते हैं ब्रम्हा जी ने भद्रा को आशीर्वाद दे दिया की जहां मांगलिक और शुभ कार्य होते हैं वहां तुम्हारा निवास स्थान होगा। हे भद्रा तुम बव, बालव, कौलव, तैतिल आदि करणों के अंत में सातवें करण के रुप में स्थित रहो। इस तरह ब्रम्हा जी ने भ्रदा को समय का एक भाग दे दिया।

भद्रा ने ब्रह्मा जी की यह बात मान ली और समय के एक अंश में विराजमान हो गई। इसलिए किसी भी शुभ काम का आरंभ भद्रा काल में नहीं किया जाता है, भद्रा काल में किए गए मांगलिक कार्य कभी सफल नहीं होते।

जुलाई में जन्म लेने वाले लोगों की खूबियां

जुलाई के महीने में जन्म लेने वाले लोगों की खूबियों के बारे में आज हम आपको जानकारी देंगे। इस महीने में ज्यादातर बरसात होती है और गर्मी से राहत मिलने लगती है, कई इलाकों में इस दौरान खुशनुमा मौसम होता है। ऐसे में जो लोग इस महीने में जन्म लेते हैं वो भी खुशमिजाज प्रकृति के होते हैं।

इस महीने जन्म लेने वाले लोगों का आचरण काफी अच्छा होता है। ये सबके साथ समान व्यवहार करने में यकीन रखते हैं। किसी के भी प्रति ये मन में बैर नहीं पालते, अगर किसी से इनको कोई परेशानी हो भी रही हो तो उसे छुपाने की बजाय ये बताना ज्यादा पसंद करते हैं। पीठ पीछे किसी की बुराई करना इनकी आदत नहीं होती।

खुद को परिस्थिति के हिसाब से कैसे ढालना है जुलाई में जन्म लेने वाले लोगों को भलीभांति आता है। इसीलिए बुरी से बुरी परिस्थिति से भी ये पार पा सकते हैं। इनके व्यवहार का लचीलापन लोगों को इनकी ओर आकर्षित भी करता है।

इनका आशावादी रवैया भी इन्हें हमेशा सकारात्मक बनाए रखता है। जिन भी लोगों के बीच ये रहते हैं उनको भी सकारात्मकता से ये भर सकते हैं।

करियर के क्षेत्र में ये सफल माने जाते हैं, क्योंकि काम के प्रति निष्ठा की भावना इनके अंदर देखी जाती है। साथ ही ये कार्यक्षेत्र में अपने हंसमुख अंदाज से सबके चहेते भी बन जाते हैं।

इस महीने जन्म लेने वाले लोग अच्छे लव पार्टनर होते हैं और साथ ही पारिवारिक जीवन में भी इनको अच्छा माना जाता है। ये घर में संतुलन बिठाने के लिए कई बार अपनी इच्छाओं का बलिदान भी दे सकते हैं।

जुलाई में जन्म लेने वाले लोगों का आर्थिक पक्ष अच्छा होता है। लेकिन भौतिक सुखों पर ये दिल खोलकर खर्च करने वाले माने जाते हैं। अगर ये सही बजट प्लान करके जीवन में आगे बढ़ते हैं तो कई परेशानियों से इन्हें छुटकारा मिल सकता है।

जुलाई में जन्म लेने वाले लोगों में दिखती हैं ये खामियां

जुलाई में जन्म लेने वाले लोग फिजूलखर्ची के कारण परेशानियों में पड़ सकते हैं। इनको दिखावा करना अच्छा लगता है और इसके लिए धन खर्च करने से भी ये नहीं चूकते।

इस राशि वाले ताव में आकर कई बार गलत बयानबाजी भी कर सकते हैं, जिसकी वजह से सामने वाले को बुरा लग सकता है। इसलिए शब्दों का चयन इनको सोच-समझकर करना चाहिए।

इनकी जिद्द घर के लोगों को परेशानी में कई बार डाल सकती है। सेहत को लेकर इनका लापरवाही भरा रवैया जीवन में दिक्कतें पैदा कर सकता है। इसलिए अपने सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क इन्हें होना चाहिए।

गुप्त नवरात्रि में इन 10 महाविद्याओं की होती है पूजा

गुप्त नवरात्रि के दौरान महाविद्याओं की पूजा करने का विधान है। साल में दो बार माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है। आषाढ़ माह में आने वाली गुप्त नवरात्रि साल 2024 में 6 जुलाई से शुरू होगी और 15 जुलाई को इसका समापन होगा। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि, गुप्त नवरात्रि के दौरान किन महाविद्याओं की पूजा होती है और किस महाविद्या की पूजा से हमें क्या शुभ फल प्राप्त होते हैं।

काली- पहली महाविद्या

महाविद्याओं में प्रथम हैं मां काली। माना जाता है कि इनकी साधना करने से व्यक्ति की वाणी सिद्ध हो जाती है। यानि माता काली की साधना करने वाला जो कुछ भी बोलता है वो सत्य हो जाता है। इसके साथ ही देवी काली की साधना से सच्चा ज्ञान साधनों को प्राप्त होता है। देवी काली को शनिदेव की अधिष्ठात्री देवी भी माना जाता है।

तारा- दूसरी महाविद्या

दूसरी महाविद्या के रूप में देवी तारा की पूजा की जाती है। इनके नाम से ही जाहिर हैं कि ये भक्तों को तारने वाली मां हैं। यानि इनकी साधना से व्यक्ति की सभी दुख परेशानियां दूर हो जाती हैं।

त्रिपुर सुंदरी- तीसरी महाविद्या

देवी त्रिपुर सुंदरी तीसरी महाविद्या हैं और इनकी साधना करने से भक्तों को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि इनकी साधना करने वाले भक्त को परलोक में भी अच्छा स्थान प्राप्त होता है।

भुवनेश्वरी- चौथी महाविद्या

महाविद्या भुवनेश्वरी देवी को भक्तों पर कृपा बरसाने वाली माना जाता है। इनकी साधना से योग्य संतान की प्राप्ति होती है, साथ ही भक्तों को ये तेज और ऊर्जा प्रदान करने वाली भी मानी जाती है।

छिन्नमस्ता- पांचवीं महाविद्या

देवी छिन्नमस्ता पांचवीं महाविद्या हैं। इनकी साधना करने से भक्त अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर पाता है। साथ ही भक्त को दिव्य शक्ति भी छिन्नमस्ता देवी की आराधना से प्राप्ति होती है।

भैरवी- छठी महाविद्या

देवी भैरवी की साधना से व्यक्ति आत्मज्ञान प्राप्त कर सकता है। इनकी साधना करने से हर प्रकार के बंधन से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही आर्थिक उन्नति भी इनकी साधना से प्राप्त होती है।

धूमावती- सातवीं महाविद्या

देवी धूमावती के साधना करने से व्यक्ति के सभी शत्रुओं का नाश हो जाता है। साथ ही भय से भी मुक्ति मिलती है। जीवन के अभावों को भी देवी धूमावती दूर करने वाली मानी जाती हैं।

बगलामुखी- आठवीं महाविद्या

सभी महाविद्याओं में बगलामुखी के साधक बहुत अधिक हैं। इनकी साधना करने से भय मुक्त तो साधक होता ही है, साथी ही वाणी भी सिद्ध हो जाती है। इनकी साधना करने से विद्या, कीर्ति और संपत्ति प्राप्त होती है।

मातंगी- नवीं महाविद्या

मातंगी देवी की साधना करने से व्यक्ति को गृहस्थ सुख मिलता है। इसके साथ ही भोग-विलास और सुख-संपदा की इच्छा रखने वाला भी मातंगी देवी की साधना से लाभ पा सकता है। कुण्डलिनी जागरण और सिद्धियों की प्राप्ति के लिए भी इनकी पूजा की जाती है।

कमला- दशवीं महाविद्या

देवी कमला की साधना करने से धन-धान्य और हर प्रकार के सुख की प्राप्ति होती है। रोग मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति के लिए भी भक्त माता कमला की साधना करते हैं।

पौलोमी दास का भड़का गुस्सा, बिग बॉस ओटीटी 3 से बाहर आते ही दिखाया तेवर

पौलोमी दास बिग बॉस ओटीटी 3 शो से बाहर हो गई हैं. शो में 'बाहरवाला' की तरफ से उनका नाम चुने जाने के बाद उन्हें बेघर होना पड़ा. बिग बॉस के घर से बाहर निकलते ही वह एक के बाद इंटरव्यू कर रही हैं. घर से बाहर आने के बादपौलोमी कहा मानना है कि उनका एलिमिनेशन दर्शकों की वजह से नहीं हुआ है और न ही बिग बॉस की तरफ से हुआ है. यह किसी बाहरवाला की तरफ से किया गया है. उन्होंने कहा कि अगर ऐसा न होता तो वह जरूर फिनाले तक जातीं.

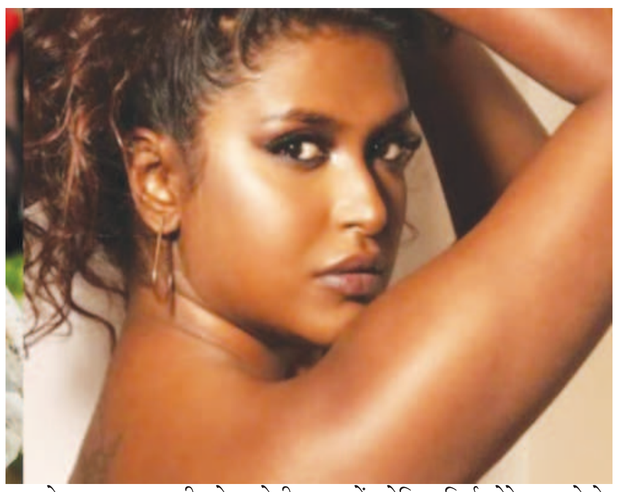

बातचीत में पौमोली बिग बॉस के खेल को शतरंज के खेल कहा. इसके साथ ही, उन्होंने वाइल्ड कार्ड के जरिए दोबारा शो में वापसी की उम्मीद भी जताई.

बातचीत में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने शिवानी के द्वारा उनके कपड़े पर उठाए गए सवालों पर बात की. पौमेली ने कहा, 'एक प्रभावशाली व्यक्ति होने के नाते, भले ही आप एक छोटे से गांव से आते हो, लेकिन आपके पास एक बड़ी सोच होनी चाहिए. ऐसी चीजें हैं जो आप अपने गांव में नहीं कर सकते हैं, लेकिन आपके गांव के बाहर एक दुनिया है.

पौमोली का कहना है कि आप अपने फोन के जरिए से भी उससे जुड़े हुए हैं. फिरभी अगर मैं अपने कपड़ों के बारे में बात करूं तो , मैं इसमें सहज हूं. यह मेरा खुद को रिप्रजेंट करने का तरीका है. यदि आप सहज नहीं हैं तो इसे न पहनें, लेकिन सिर्फ मेरे पहनावे के कारण मेरे कैरेक्टर पर सवाल न उठाएं यह अनैतिक है.

पौमोली ने यहीं चुप नहीं रहती हैं. वह आगे कहती हैं, मेरा रंग मेरा व्यक्तित्व है और यह मेरी पहचान है. आप इसे मुझसे सिर्फ इसलिए नहीं छीन सकते क्योंकि आप इसके साथ सहज नहीं हैं. यह कुछ ऐसा है जिसके साथ मैं पैदा हुई हूं. आज मैं जहां भी हूं अपने रंग और अपने व्यक्तित्व की वजह से हूं.

आगे जब पोलोमी से पूछा कि क्या उन्हें लगता है कि शिवानी सिर्फ अपने बैकग्राउंड की वजह से विवादित बयान देने से बच रही हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'कहीं न कहीं हां! कई बार लोग सोचते हैं कि चूंकि वह एक छोटे से गांव से आती हैं, इसलिए बहुत सारी चीजें माफ होती हैं. '

पौमोली ने आगे कहा- 'आप जानते हैं कि छोटे गांवों से आने वाले लोग बड़ों का सम्मान करना जानते हैं. जिस तरह से वह रणवीर से बात करती हैं. उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है. कम से कम आपको अपने बड़ों का सम्मान करना आना चाहिए. क्या आप अपने घर में ऐसा नहीं करती हैं?

जब तक वह आपके बारे में कुछ बुरा नहीं कहते हैं या आपको असहज महसूस नहीं कराते हैं. तब भी आप अपनी उसके लिए फालतू बात कहती हैं. '

धर्मेंद्र-हेमा मालिनी जैसा नहीं मिला फेम, भरत तख्तानी से तलाक के बाद बोलीं ईशा देओल- कोई पछतावा नहीं

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की लाडली ईशा देओल की गिनती कभी सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस की लिस्ट में की जाती थी. उन्होंने साल 2002 में फिल्म 'कोई मेरे दिल से पूछे' से काम शुरू किया. कुछ हिट फिल्मों का हिस्सा होने बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया से अचानक से दूरी बना ली. इन दिनों को किसी फिल्म के लिए तो नहीं लेकिन अपने सौतेले भाईयों सनी देओल और बॉबी देओल संग सुधरे रिश्ते और पति भरत तख्तानी संग हुए तलाक को लेकर वह सुर्खियों में रहीं. हिंदी सिनेमा के दिग्गज सितारे धर्मेंद्र और हेमा मालिनी जैसा फेम ईशा को नसीब नहीं हुआ. हाल ही में उन्होंने दो शॉर्ट फिल्में साइन की है, उन्हें उम्मीद है कि अब उनकी जिंदगी सब ठीक होगा और काम मिलेगा.

ईशा देओल की साल 2000 के दशक में फिल्मी जर्नी शानदार रही. उस दौर में अपनी सुंदरता और ट्रेंडसेटिंग फैशन पिक्स के साथ धूम मचाने वालीं ईशा ने हाल ही में अपने करियर के पुराने दिनों को याद किया. भरत तख्तानी संग तलाक के बाद उन्होंने पहली बार चुप्पी तोड़ी और कहा- उन्हें कोई मलाल नहीं है.

टाइम्स नाऊ से बात करते हुए उन्होंने अपने करियर के पुराने दिनों को याद किया. उन्होंने कहा, 'वे मेरे अद्भुत साल थे जो उत्साह, मासूमियत और उन सभी चीज़ों से भरे हुए थे, जो एक 20 साल की एक लड़की अनुभव कर सकती है. कोई पछतावा नहीं, मैंने उस समय जो कुछ भी किया उससे मैं संतुष्ट हूं. ईशा ने 2012 में अपने बचपन के दोस्त भरत तख्तानी से शादी की थी. इस शादी के बाद दो बेटियां हुईं राध्या और मिराया. लेकिन इस साल फरवरी में दोनों ने अलग होने की घोषणा कर दी. जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि शादी और मदरहुड जर्नी उनकी लाइफ में बहुत तेजी से आई?

इसके जवाब में उन्होंने कहा 'नहीं. मैं हमेशा अपने काम के प्रति जुनूनी रही. मैंने काम के हिसाब से जो भी किया उसमें अपना सौ प्रतिशत दिया और फिर प्यार हो गया. आज उसे लेकर मुझे कोई मलाल नहीं कि मैंने ऐसा क्यों किया.' ईशा देओल को अपने माता-पिता यानी धर्मेंद्र और हेमा मालिनी के साथ लगातार तुलना किए जाने पर भी अपनी बात रखी. उन्होंने कहा, 'हर चीज इस पेशे में होने का हिस्सा है. ये कई लोगों के लिए एख टारगेट प्वाइंट है. लेकिन इसपर मेरा फोकस बिलकुल भी नहीं है. मेरा विजन क्लीयर है. मैं सबसे प्रशंसित और प्यारे माता-पिता के घर पैदा हुई हूं और ये मेरे लिए सौभाग्यपूर्ण है.

उन्होंने बताया कि मुझे अब काफी दिलचस्प काम मिल रहे हैं और मैं उसे करने के लिए काफी एक्साइटेड भी हूं. मैं क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी को ऊपर रखती हूं. आपको बता दें कि ईशा लिप सर्जरी को लेकर भी सुर्खियों में रहीं. हालांकि, उन्होंने साफ कर दिया था कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है.

टीवी कलाकार भारी मेकअप के साथ क्यों सोते हैं? सवाल पर श्वेता ने कहा-ट्विस्ट से भरे होते हैं शोज

छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री श्वेता तिवारी की तस्वीरें आए दिन सोशल मीडिया पर तहलका मचाती हैं। श्वेता तिवारी 43 साल की हैं, लेकिन उनकी अदाओं और खूबसूरती से कोई उनकी उम्र का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। श्वेता को 'कसौटी जिंदगी की' शो से लोकप्रियता हासिल हुई थी। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने शो में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है।

डेली सोप में ट्विस्ट और टर्न के बारे में बात करते हुए, श्वेता तिवारी ने अपनी लोकप्रिय शो 'कसौटी जिंदगी की' का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, "हमारे पास पूरे एक हफ्ते के एपिसोड तैयार रहते थे। अचानक, एक दिन हम सेट पर पहुंचे और हमें बताया गया कि हम कल के टेलीकास्ट की शूटिंग कर रहे हैं। मैं सोच रही थी 'हम कल के टेलीकास्ट की शूटिंग क्यों कर रहे हैं? क्या हमारे पास पहले से ही पूरे एक हफ्ते के लिए सब कुछ तैयार नहीं है?' मुझे बताया गया कि सब कुछ खत्म कर दिया गया है।

श्वेता ने आगे कहा, एकता ने अचानक कहा था कि अनुराग (कसौटी के मुख्य लीड) मर रहा है। मुझे मेरी स्क्रिप्ट दी गई और मुझे पता चला कि यह सब करवा चौथ के बारे में था और फिर अचानक अपर्णा ने अनुराग को मार दिया। 'मैंने पूछा क्या अपर्णा अच्छी महिला नहीं हैं?' लेकिन इस तरह के ट्विस्ट और टर्न हमारे सामने आते थे।

उन्होंने आगे कहा, फिर एक बार हमारे पास एक सीन था, जहां अपर्णा ने प्रेरणा का अपहरण कर लिया है और वह मर गई है और फिर माया नाम की एक महिला है, जो प्रेरणा की हमशक्ल है और वह बार डांसर को नकली प्रेरणा के रूप में लाती है। मैं सोच रही थी, 'क्या? मेरा डबल रोल है? मैं बार डांसर बनने जा रही हूं?' इसलिए मैं माया के रूप में शूटिंग कर रही थी और मैंने इस तथ्य के साथ शांति बना ली कि दो अलग-अलग महिलाएं हैं।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने इस बात को स्वीकार कर लिया कि शो में कभी भी कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा, फिर अंत में, उन्होंने खुलासा किया, वे दोनों एक ही व्यक्ति थीं। मैं सोच रही थी, 'क्या?' यह कैसे संभव है कि एक ही महिला अस्पताल में है और फिर बार में भी डांस कर रही है? ये उस तरह के ट्विस्ट और टर्न हैं जो अंत में पेश किए गए थे।

तेजस्वी प्रकाश से ब्रेकअप की अफवाहों पर करण कुंद्रा ने लगाया फुल स्टॉप

ब्रेकअप अटकलों के बीच तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी पसंद की जा रही हैं. कपल ने अपनी नई तस्वीरों के जरिए उन खबरों पर विराम लगा दिया है, जिसमें कहा गया था कि कपल का ब्रेकअप हो गया है.

गुरुवार को करण ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तेजस्वी प्रकाश संग अपनी कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं. उनकी ये तस्वीरें उनके हालिया लंदन छुट्टी की हैं. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए करण ने कैप्शन में बस इतना लिखा- 'लंदन डंप' और आगे लिखा, 'मेरी सभी तस्वीरें मेरी लाडी ने क्लिक किया है. करण ने ये भी लिखा, 'और इस प्रक्रिया में किसी राजीव को चोट नहीं लगी'.

बता दें कि करण ने 7-8 तस्वीरें शेयर की है. पोस्ट की पहली तस्वीर में करण लंदन ब्रिज के सामने तेजस्वी को निहारते हुए नज़र आ रहे हैं. दूसरी तस्वीर में दोनों बकिंघम पैलेस के सामने पोज दे रहे हैं.

एक तस्वीर में करण तेजस्वी को अपने बाहों में लिए उनके माथे पर किस करते दिख रहे हैं. कपल की सभी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं. फैंस करण के पोस्ट पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं.

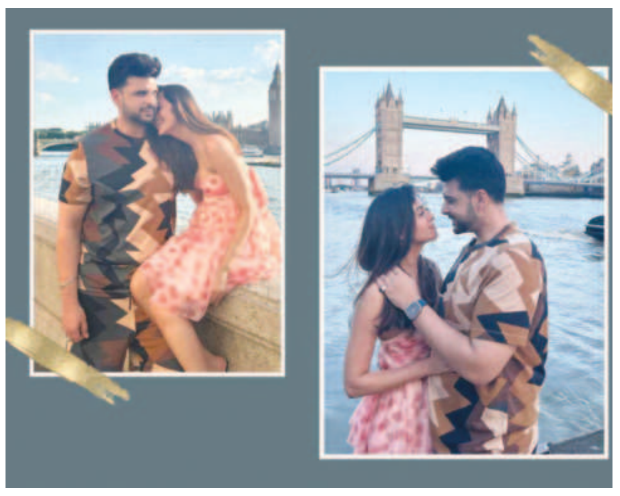

आपको बता दें कि करण-तेजस्वी बीते 3 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. दोनों की मुलाकात बिग बॉस 15 के घर में हुई थी. शो में ही दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे

शो में इन जोड़ी को दर्शकों ने जमकर प्यार दिया था. शो के बाहर भी लोगों ने इनकी जोड़ी को बेशुमार प्यार दिया. हालांकि हाल में जब इनके ब्रेकअप की अटकलें लगाई गई, तो फैंस का दिल टूट गया था.

लुक्स और रंग की वजह से खुश नहीं थे मिथुन : शबाना आजमी

बोलीं- 'गोरे न होने की वजह से परेशान रहते थे, मेरी मां ने उन्हें समझाया तो माने'

80 के दशक के टॉप स्टार्स में से एक मिथुन चक्रवर्ती कभी अपने लुक्स और रंग की वजह से खुश नहीं थे। ये बात एक्ट्रेस शबाना आजमी ने एक इंटरव्यू में बताई है। दरअसल मिथुन FTII में शबाना के जूनियर थे। जब मिथुन ने अपनी इनसिक्योरिटीज के बारे में शबाना की मां से जिक्र किया था तो उन्होंने एक बहुत अच्छी सलाह दी थी जिससे एक्टर का हौसला काफी बढ़ गया था।

रंग गोरा न होने की वजह से परेशान रहते थे

अरबाज खान के चैट शो 'द इन्विंसिबल सीरीज' में पहुंचीं शबाना ने कहा, 'मिथुन चक्रवर्ती फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में मेरे जूनियर थे। मुझे याद है कि वो हमारे घर आया करते थे। वो इस बात से बेहद परेशान रहते थे कि वह गोरे नहीं हैं और उनके दांत टेढ़े-मेढ़े थे। एक दिन जब वो घर आए आर उन्होंने ये बात कही तो मेरी मां (शौकत कैफी) ने उन्हें गले लगा लिया और कहा, ये सब बातें सोचकर परेशान मत हो, तुम बहुत अच्छा डांस करते हो।'

मिथुन ने खूबियों पर काम किया और बन गई बात

मिथुन ने भी एक पुराने इंटरव्यू में अपनी इनसिक्योरिटीज के बारे में बात की थी और कहा था, 'मुझे अपने कॉम्प्लेक्शन (रंग) को लेकर कॉम्प्लेक्स था। मैं सोचता था कि अपनी स्किन टोन तो नहीं बदल सकता लेकिन फिल्मों में विलेन तो बन सकता हूं। मैं फिल्म इंस्टिट्यूट गया और ट्रेनिंग लेकर वापस आया। मैं अच्छा डांस करता था, अच्छे फाइट सीक्वेंस भी करता था। मैं चाहता था कि कुछ ऐसा करूं जिससे लोगों का ध्यान मेरे रंग पर न जाए। मैंने वही किया और फिर मैंने अपनी डांसिंग स्टाइल क्रिएट की।'

350 से ज्यादा फिल्में कर चुके हैं मिथुन

16 जून, 1950 को कोलकाता में जन्मे मिथुन का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट से एक्टिंग कोर्स किया था। 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके मिथुन को पहली ही फिल्म 'मृगया' (1976) के लिए नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया था।

वर्कफ्रंट पर मिथुन आखिरी बार बंगाली फिल्म 'काबुलीवाला' में दिखाई दिए थे। यह दिसंबर 2023 में थिएटर्स में रिलीज हुई थी और यह 50 दिन से ज्यादा वक्त तक थिएटर्स में लगी रही। वहीं मिथुन की आखिरी हिंदी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' थी।

जब भाई ने सोनाक्षी की लव लाइफ पर किया कमेंट : लव सिन्हा ने कहा था- 'वो मेरी सुनती नहीं है, लोग वैसे नहीं होते जैसे दिखते हैं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून को एक्टर जहीर इकबाल से शादी की थी। इस शादी में उनके भाई लव सिन्हा ने शिरकत नहीं की। लव ने पिछले दिनों खुद सोशल मीडिया पर जहीर के पिता के साथ कुछ मतभेद होने का जिक्र किया था हालांकि बाद में उन्होंने वो पोस्ट डिलीट कर दी थी।

सोनाक्षी मेरी सुनती नहीं है: लव सिन्हा

अब लव का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने बहन सोनाक्षी की लव लाइफ के बारे में बात की थी। लव ने 2023 में सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में सोनाक्षी के बारे में बात करते हुए कहा था, 'एक भाई होने के नाते मैं परिवार के अन्य सदस्यों को लेकर चिंतित रहता हूं क्योंकि लोग ऊपर से तो अच्छे बनते हैं लेकिन अंदर से कई बार ऐसा नहीं होता है। भाई के तौर पर मेरा फर्ज है कि मैं सब चीजों का ध्यान रखूं और मैं ऐसा ही करता हूं।'

जब लव से पूछा गया था कि क्या वो सोनाक्षी को लेकर पजेसिव हैं तो उन्होंने कहा था, 'मैं पजेसिव नहीं हूं। मैं वो कहता हूं जो मैं सोचता हूं। ये अलग बात है कि वो (सोनाक्षी) सुनती नहीं है। वो ऐसी ही है लेकिन मैं केवल एक बड़े भाई की तरह सोचता हूं।

किसी को कुएं में कूदना है तो कूदे: लव सिन्हा

लव ने आगे कहा कि वो अपनी बहन या किसी और को सलाह देते हैं लेकिन तब भी अगर वो इसे नहीं मानें तो ये उनके ऊपर है। सिर्फ सोनाक्षी ही नहीं, मैं किसी को सलाह क्यों दूंगा? मैं सिर्फ चिंता के कारण ऐसा करता हूं, लेकिन इसके बावजूद किसी को कुएं में कूदना है तो आप उसे नहीं रोक सकते। मैं केवल सोनाक्षी के लिए ऐसा नहीं कह रहा, मैं सबके लिए ये बात कह रहा हूं।'

लव सिन्हा ने बताई थी शादी न अटेंड करने की वजह

लव सिन्हा ने एक पोस्ट शेयर कर हिंट दिया था कि वो सोनाक्षी के ससुर इकबाल रत्नासी के विवादित बैकग्राउंड से नाखुश हैं। उन्होंने लिखा था कि वो कुछ लोगों से कभी रिश्ता नहीं रखेंगे, चाहे जो हो जाए। हालांकि बाद में लव ने वो पोस्ट डिलीट कर दी। उन्होंने सफाई में कहा था कि उनके बयान को गलत तरह से पेश किया गया है।पुरानी पोस्ट डिलीट करने के बाद लव सिन्हा ने X प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर लिखा, 'जिस बयान को मेरे हवाले से गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, वो मेरा नहीं बल्कि एक सीनियर जर्नलिस्ट के द्वारा लिखा गया था। अब ये मैटर बंद हो चुका है और मैं इस बारे में अब कभी आगे कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।'

23 जून को हुई थी सोनाक्षी-जहीर की शादी

सोनाक्षी और जहीर ने 23 जून को हिंदू और मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी न करते हुए रजिस्टर्ड मैरिज की थी। इसके बाद उन्होंने 23 जून की रात को मुंबई के बैस्टियन रेस्टोरेंट में वेडिंग रिसेप्शन दिया था जिसमें सलमान खान, रेखा, काजोल समेत फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों ने शिरकत की थी।

जहीर से शादी की खबरें सामने आने के बाद ये कयास लग रहे थे कि सोनाक्षी अपना धर्म बदल लेंगी और मुस्लिम हो जाएंगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जहीर इकबाल के पिता इकबाल रत्नासी ने एक इंटरव्यू में ये बात साफ कर दी थी कि सोनाक्षी अपना धर्म नहीं बदलेंगी।

हार्दिक से तलाक की अफवाहों के बीच नताशा की पोस्ट

मुश्किल घड़ी में भगवान पर भरोसा करने की बात कही, बोलीं-'गॉड आपको कभी अकेला नहीं छोड़ते'

एक्ट्रेस और मॉडल नताशा स्टेंकोविच इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ के चलते सुर्खियों में हैं। क्रिकेटर हार्दिक पंड्या के साथ उनकी शादीशुदा लाइफ को लेकर लगातार अफवाहों का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि दोनों का रिश्ता तलाक की ओर बढ़ चुका है हालांकि अब तक हार्दिक और नताशा दोनों ने इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। लेकिन नताशा इन दिनों सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट जरुर शेयर कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक क्लिप शेयर की है जिसमें वो मुश्किल घड़ी में भगवान पर भरोसा करने की बात कर रही हैं।

नताशा इस क्लिप में कहती हैं, 'मैं आप सबसे कुछ शेयर करना चाहती हूं। आज मैं कार में बाइबिल लेकर आई हूं क्योंकि मैं इसे आप सबके साथ पढ़ना चाहती थी। इसमें लिखा है-भगवान हमेशा आपके साथ आगे-आगे चलते हैं, वो आपको कभी अकेला नहीं छोड़ते। जब भी हम कोई बुरी परिस्थिति से गुजरते हैं तो हताश या निराश हो जाते हैं, खोया हुआ फील करते हैं लेकिन भगवान आपके साथ होते हैं। भगवान कभी इस बात से सरप्राइज नहीं होते कि आप पर क्या बीत रही है क्योंकि उनके पास आपके लिए पहले से ही प्लान होता है।'

इस वजह से अफवाहों को फिर मिला बल

हाल ही में नताशा और हार्दिक के बीच अलगाव की खबरों को और बल इसलिए मिला है क्योंकि इंडिया के T20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद नताशा ने हार्दिक के लिए कोई पोस्ट शेयर नहीं की। लोग उम्मीद कर रहे थे कि इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले हार्दिक के लिए पत्नी नताशा कोई पोस्ट शेयर करके उन्हें जरुर बधाई देंगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इससे पहले भी तलाक की अफवाहों को और हवा तब मिली थी जब नताशा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से हार्दिक के साथ शादी की तस्वीरें हटा दी थीं। फिर कुछ दिन बाद नताशा ने इन तस्वीरों को रीस्टोर करके तलाक की अफवाहों पर विराम लगा दिया था।

2020 में हुई थी हार्दिक और नताशा की शादी

हार्दिक ने 1 जनवरी 2020 को नताशा से सगाई की थी। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। दोनों 31 मई, 2020 को शादी के बंधन में बंधे थे। उसी साल 30 जुलाई 2020 को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ।

डीजे वाला बाबू से फेमस हुई थीं नताशा

नताशा का जन्म 4 मार्च 1992 को सर्बिया में हुआ था। उनकी बॉलीवुड में पहली फिल्म 'सत्याग्रह' थी। इसके अलावा वो 'बिग बॉस-8' और 'नच बलिए-9' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं। बादशाह के गाने 'डीजे वाले बाबू से उन्हें ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली थी। हार्दिक और नताशा की मुलाकात एक नाइट क्लब में हुई थी। यहीं से दोनों के बीच लव स्टोरी शुरू हुई थी। हार्दिक पंड्या की बात की जाए तो उन्होंने 2016 में टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया था। हार्दिक टीम के स्टार ऑलराउंडर हैं।

विराट कोहली ने सम्मान समारोह के दौरान रोहित व बुमराह को सराहा, बताया राष्ट्रीय धरोहर

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ियों के लिए वानखेड़े में सम्मान समारोह आयोजित किया था। इससे पहले, भारतीय टीम के खिलाड़ी मरीन ड्राइव से ट्रॉफी के साथ खुली बस में चढ़े और विजय जुलूस में हिस्सा लिया। फाइनल मैच के बाद एक तस्वीर काफी वायरल हुई थी जिसमे रोहित शर्मा और कोहली एक साथ हाथ में तिरंगा लेकर खड़े हैं। इसे लेकर जब कोहली से पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं इंटरनेट ब्रेक करने के बारे में नहीं जानता, लेकिन 15 साल के करियर में मैंने रोहित को इतना भावुक होते हुए नहीं देखा। मैं ड्रेसिंग रूम में जा रहा था और रोहित बाहर निकल रहे थे। दोनों भावुक थे और हमने एक दूसरे को गले लगाया। वह पल मेरे लिए खास रहेगा।

स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित हुए सम्मान समारोह के दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना की। कोहली ने बुमराह को राष्ट्रीय धरोहर बताया और कहा कि अगर यह तेज गेंदबाज तैयार है तो वह उन्हें राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की याचिका पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ियों के लिए वानखेड़े में सम्मान समारोह आयोजित किया था। इससे पहले, भारतीय टीम के खिलाड़ी मरीन ड्राइव से ट्रॉफी के साथ खुली बस में चढ़े और विजय जुलूस में हिस्सा लिया।

बुमराह ने टूर्नामेंट में किया दमदार प्रदर्शन

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन किया था। बुमराह ने कुल 15 विकेट झटके थे और इस दौरान उनकी इकॉनोमी रेट 4.17 की रही थी। वह 20 ओवर के इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों में शामिल थे और उनकी इकॉनोमी रेट अन्य किसी गेंदबाजी की तुलना में सर्वश्रेष्ठ थी।

कोहली ने बुमराह की जमकर सराहना की

सम्मान समारोह के दौरान एंकर गौरव कपूर ने कोहली से पूछा, मैं जसप्रीत बुमराह को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के लिए एक याचिका पर हस्ताक्षर करने की सोच रहा हूं। क्या आप इस पर हस्ताक्षर करेंगे? कोहली ने बिना किसी हिचक के तुरंत कहा, 'मैं यह अभी करने के लिए तैयार हूं।' कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम पर मौजूद दर्शकों से बुमराह के लिए ताली बजाने की भी अपील की।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर कोहली ने कहा, मैं चाहूंगा कि सभी एक ऐसे खिलाड़ी के लिए ताली बजाएं, जिसने हर मैच में हमारी वापसी कराई वो हैं जसप्रीत बुमराह। फाइनल में आखिरी पांच ओवर में से दो ओवर गेंदबाजी की और गजब की वापसी कराई। बुमराह सदियों में से मिलने वाले एक गेंदबाज हैं। उनके लिए यह विश्व कप शानदार रहा है।

कोहली ने कहा, मैं फैंस को धन्यवाद कहना चाहूंगा। ये ऐसी चीज है जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। पिछले चार दिन शानदार रहे हैं। हम बारबाडोस से जल्द से जल्द वापस आना चाहते थे, लेकिन बेरिल तूफान ने रोक लिया। हमारे लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल भी विशेष था। हर फैन की तरह हमें भी लगा था कि मैच फिसल रहा है, लेकिन आखिरी पांच ओवर में हमने बाजी पलट दी।

'ट्रॉफी जीतने के लिए बेताब थे'

फाइनल के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा करने वाले कोहली ने कहा, जब 2007 या 2011 में हमने विश्व कप जीता था तो सीनियर खिलाड़ी खूब रोए थे, लेकिन मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाया था और सोच रहा था कि क्यों इमोशनल हो रहे हैं। लेकिन अब जब हम सीनियर हो चुके हैं तो हम उसे महसूस कर सकते हैं। चाहे मैं हूं या रोहित दोनों पिछले काफी समय से ट्रॉफी जीतने में लगे थे। पहले मेरी कप्तानी में और फिर रोहित की कप्तानी में। हम दोनों इस ट्रॉफी को जीतने के लिए बेताब थे, लेकिन किसी न किसी वजह से हम जीत नहीं पा रहे थे। अब जब हम जीते हैं तो हमारे लिए यह खास है। जीत कर वापस से वानखेड़े आना हमारे लिए खास है।

कप्तान रोहित को लेकर क्या बोले कोहली?

फाइनल मैच के बाद एक तस्वीर काफी वायरल हुई थी जिसमे रोहित शर्मा और कोहली एक साथ हाथ में तिरंगा लेकर खड़े हैं। इसे लेकर जब कोहली से पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं इंटरनेट ब्रेक करने के बारे में नहीं जानता, लेकिन 15 साल के करियर में मैंने रोहित को इतना भावुक होते हुए नहीं देखा। मैं ड्रेसिंग रूम में जा रहा था और रोहित बाहर निकल रहे थे। दोनों भावुक थे और हमने एक दूसरे को गले लगाया। वह पल मेरे लिए खास रहेगा।

पीएम मोदी ने रोहित से पूछा- मिट्टी का स्वाद कैसा था? विराट-सूर्यकुमार से भी इस खास पल के बारे में जाना

टी20 विश्व कप विजेता टीम ने बारबाडोस से लौटने के बाद गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। भारतीय टीम चार्टर विमान से भारत लौटी और इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस मौके पर भारतीय खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री के साथ नाश्ता किया और उनसे बातचीत की। पीएम ने चैंपियन खिलाड़ी और पूर्व कोच राहुल द्रविड़ के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। इसका वीडियो भी सामने आया है।

'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, मीट-एंड-ग्रीट सेशन के दौरान कुछ क्लिप चलाई गईं और मोदी ने कई खिलाड़ियों से रोमांचक फाइनल के विभिन्न पहलुओं के बारे में पूछा। एक घंटे से ज्यादा समय तक चली बैठक में मोदी ने भारत की जीत पर खुशी जाहिर की और साथ ही मुश्किल परिस्थितियों से उबरने पर खुशी जाहिर की। दरअसल, टीम इंडिया ने पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगभग गंवा चुके मैच को विपक्षी टीम के जबड़े से छीना था और जीत हासिल की थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कप्तान रोहित शर्मा से पूछा कि जीत के बाद जब आपने पिच का टुकड़ा, वहां की मिट्टी को अपने मुंह में डाला तो उसका स्वाद कैसा था। इस पर रोहित ने प्रधानमंत्री के सामने अपना पक्ष रखा। वहीं, फाइनल से पहले तक खराब फॉर्म से जूझने वाले विराट कोहली ने फाइनल में 76 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया था। प्रधानमंत्री जानना चाहते थे कि विराट फाइनल जैसे बड़े मैच से पहले क्या सोच रहे थे? प्रधानमंत्री ने फाइनल में 47 रन बनाने वाले अक्षर पटेल से पूछा कि फाइनल में मुश्किल परिस्थिति में बल्लेबाजी के लिए ऊपर भेजे जाने पर उन्हें कैसा महसूस हुआ था? वहीं, हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर के मैदान पर रहते दक्षिण अफ्रीका जीत की कगार पर था। तब दक्षिण अफ्रीका की टीम को 30 गेंदों में 30 रन की जरूरत थी। इसके बाद जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी की थी। हार्दिक पांड्या से लेकर अर्शदीप सिंह ने अपनी गेंदबाजी से फैंस का दिल जीत लिया था और दक्षिण अफ्रीका रन नहीं बनाने दिए थे। पीएम मोदी ने बुमराह से पूछा कि उस निर्णायक क्षण पर उनके दिमाग में क्या चल रहा था? प्रधानमंत्री मोदी ने हार्दिक पांड्या से पूछा कि उन्होंने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16 रन बचाने के लिए क्या योजना बनाई थी?

वहीं, सूर्यकुमार यादव के 20वें ओवर की पहली गेंद पर डेविड मिलर के कैच ने मैच पलट दिया था। प्रधानमंत्री इससे भी बेहद खुश दिखे। उन्होंने सूर्या से इसी को लेकर सवाल पूछा। प्रधानमंत्री ने सूर्या से उन जादुई सात सेकंड को फिर से जीने के लिए कहा। सूर्या के कैच के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम बैकफुट पर चली गई थी, क्योंकि तब सिर्फ गेंदबाज बैटिंग करने के लिए रह गए थे।

शनिवार को ब्रिजटाउन में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराने वाली टीम को कैरेबियाई सरजमीं पर तूफान के कारण घर वापसी में देरी हुई। एयर इंडिया के चार्टर विमान को वेस्ट इंडियन द्वीप की ओर डायवर्ट किए जाने के बाद ही शर्मा एंड कंपनी ट्रॉफी के साथ घर पहुंच सकी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया था। टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीती है।

आईपीएल के दौरान हुई थी हार्दिक की हूटिंग, अब वानखेड़े स्टेडियम में लगे हार्दिक-हार्दिक के नारे

टी20 विश्व कप से ठीक पहले आईपीएल 2024 का आयोजन हुआ था जिसमे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस टीम की कमान संभाली थी। हार्दिक को रोहित शर्मा की जगह टीम की कमान सौंपी गई थी जिससे मुंबई और रोहित के प्रशंसक काफी नाराज थे। उन्होंने मुंबई के घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम पर हार्दिक की जमकर हूटिंग की थी, लेकिन टी20 विश्व कप फाइनल में हार्दिक के शानदार प्रदर्शन के बाद प्रशंसकों का व्यवहार उनके प्रति बदल गया।

भारतीय टीम विश्व विजेता बनने के गुरुवार को मुंबई पहुंची जहां उसे विजय जुलूस में हिस्सा लेना है। वानखेड़े स्टेडियम पर खिलाड़ियों का सम्मान होना है और उसके लिए दोपहर से ही भारी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ स्टेडियम में पहुंच चुकी है। भारतीय टीम के खिलाड़ी खुली बस में मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक विजय जुलूस में शामिल होंगे।

वानखेड़े स्टेडियम पर सम्मान समारोह के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) टीम के खिलाड़ियों को इनामी राशि भी देगा। मालूम हो कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने विश्व विजेता टीम के लिए 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि घोषित की थी। इस कार्यक्रम से पहले भारतीय टीम के सदस्य गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे जहां टीम का भव्य स्वागत हुआ और इसके बाद खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम से मिलने के बाद भारतीय टीम के सदस्य मुंबई के लिए रवाना हो गए।

वानखेड़े पर लगे 'हार्दिक-हार्दिक' के नारे

जिस वानखेड़े स्टेडियम पर कुछ महीने पहले ही प्रशंसकों ने हार्दिक की हूटिंग की थी, उसी स्थान पर फैंस हार्दिक-हार्दिक का नारे लगाते दिखे। दरअसल, वानखेड़े स्टेडियम पर भारी संख्या में प्रशंसक खिलाड़ियों का इंतजार कर रहे थे और इस दौरान मुंबई में बारिश भी हो रही थी। लंबे इंतजार के बावजूद प्रशंसकों का जोश ऊंचा रहा और इस मैदान पर फैंस हार्दिक-हार्दिक का नारा लगाने लगे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज में खेलने से किया मना, वजह ऐसा कि आप भी कहेंगे 'एकदम सही फैसला'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान में महिला क्रिकेटरों के अधिकार के संबंध में तालिबान सरकार के रुख की वजह से इस देश के साथ द्विपक्षीय सीरीज में खेलने से मना कर दिया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने साफ कर दिया कि आगे भी ऑस्ट्रेलिया का इस मामले पर ऐसा ही रुख रहेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक निक हॉकले ने कहा कि हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ अपने संबंधों को धनिष्ठ बनाए रखना चाहते हैं साथ ही साथ नियमित संवाद भी बनाए रखना चाहते हैं साथ ही साथ हम ये भी चाहते हैं कि महिला और पुरुष क्रिकेट पूरी दुनिया में फले-फूले। उन्होंने आगे कहा कि हमें प्रगति की उम्मीद है और हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ बातचीत और संपर्क बनाए रखना जारी रखेंगे और किसी एक प्वाइंट पर हमारा लक्ष्य भविष्य में अफगानिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय क्रिकेट को शुरू करने का है।

ऑस्ट्रेलिया का कदम सराहनीय

साल 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन हो गया था और उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान की पुरुष टीम के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज में खेलने से इनकार कर दिया। ऑस्ट्रेलिया का ये विरोध इस वजह से है क्योंकि तालिबान के शासन के बाद अफगानिस्तान में महिलाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेलने के अधिकार से भी वंचित होना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया आईसीसी इवेंट में इस टीम के खिलाफ खेलना जारी रखेगा। हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अफगानिस्तान ने कंगारू टीम को सुपर 8 राउंड में 21 रन से हरा दिया था और सेमीफाइनल में क्वालिफाई किया था।

निक हॉकले ने अफगानिस्तान टीम की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और बहुत ही जोश और उत्साह के साथ खेला। उन्होंने आगे बताया कि हमने ऑस्ट्रेलियाई सरकार से अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज को लेकर बात की, लेकिन मानवाधिकारों के आधार पर हमने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ अपनी पिछली कुछ सीरीज को स्थगित करने का फैसला किया।

इस मामले पर अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान का कहना है कि कुछ ऐसा जो हमारे नियंत्रण में नहीं है, हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते।

हम चाहते हैं कि हम कुछ कर सकें। अगर इसका कोई समाधान होता तो हम खुश होते, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसका समाधान क्या है। मैं राजनीतिक चीजों के बारे में ज्यादा नहीं जानता और मुझे यह पसंद भी नहीं है। अगर हम विश्व कप में खेलते हैं तो द्विपक्षीय सीरीज में क्यों नहीं खेलते।

विराट कोहली ने टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ लिया था विकेट, 125 मैचों में 4 विकेट उनके नाम

विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया के चैंपियन बनने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को अलविदा कह दिया था। कोहली ने कहा था कि अब युवाओ को मौका मिलना चाहिए और मैं अब क्रिकेट के इस प्रारूप से अपने रिटायरमेंट की घोषणा करता हूं।

विराट कोहली ने टी20आई क्रिकेट करियर का आखिरी मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था जो टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मैच था और उन्होंने भारत के लिए 76 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी जीता। कोहली का टी20आई रिकॉर्ड काफी शानदार रहा, लेकिन क्या आपको पता है कि उन्होंने इस प्रारूप में कुछ मौकों पर गेंदबाजी भी की थी और 125 मैचों में 4 विकेट भी लिए थे जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ लिया गया एक विकेट भी शामिल है।

विराट कोहली ने टी20आई में लिए 4 विकेट

कोहली ने अपने टी20आई क्रिकेट करियर में 125 मैच खेले थे और इस दौरान उन्होंने 152 गेंदें फेंकी और इस पर उन्होंने 204 रन दिए। इस दौरान उन्होंने 4 विकेट लिए थे और उनका बेस्ट प्रदर्शन 13 रन देकर एक विकेट रहा था। कोहली ने टी20आई में अपना पहला विकेट 31 अगस्त 2011 को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में किया था और 3 ओवर में 22 रन देकर एक विकेट भी लिया था। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ ही 29 अक्टूबर 2011 को मुंबई के वानखेड़े में गेंदबाजी की थी और 2.4 ओवर में 13 रन देकर एक विकेट लिया था।

कोहली ने इसके बाद 30 सितंबर 2012 को पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी की थी और 3 ओवर में 21 रन देते हुए एक विकेट लिया था। टी20आई में कोहली ने आखिरी विकेट 31 मार्च 2016 को वानखेड़े में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिया था। उन्होंने इंडीज के खिलाफ 1.4 ओवर में 15 रन देकर एक विकेट लिया था। उन्होंने टी20आई में आखिरी बार गेंदबाजी 31 अगस्त 2022 को दुबई में हांगकांग के खिलाफ की थी और एक ओवर में 6 रन दिए थे जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था।

कौन हैं जसप्रीत बुमराह की करोड़पति पत्नी संजना गणेशन? नेट वर्थ कर देगी हैरान

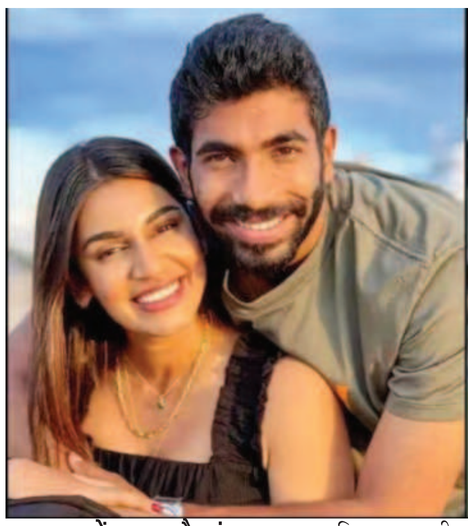

29 जून 2024 को भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए आईसीसी टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया के फास्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह का इस जीत में बेहद अहम योगदान रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गया फाइनल मैच भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए यादगार रहा। बुमराह पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहें। अपने क्रिकेट करियर के साथ-साथ बुमराह ने पर्सनल और फाइनेंशियल भी कामयाबी पाई है। जसप्रीत बुमराह की गिनती दुनिया के सबसे महंगे क्रिकेटरों में होती है।

बीसीसीआई के ग्रेड A+ कैटिगिरी में जसप्रीत बुमराह ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा जैसे सितारों के साथ अपनी जगह बनाई है। और उन्हें 7 करोड़ रुपये सालाना सैलरी मिलती है। इसके अलावा, अंबानी के मालिकाना हक वाली आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस से भी मोटी कमाई करते हैं। बुमराह ने इस संजना गणेशन को अपना जीवनसाथी बनाया है।

2021 में बुमराह और संजना गणेशन हुए एक

क्रिकेट उपलब्धियों से इतर बात करें जसप्रीत बुमराह की पर्सनल लाइफ की तो उन्होंने संजना गणेशन से शादी की है। संजना एक जानी-मानी स्पोर्ट्स प्रेजेंटर और एंकर हैं। दोनों ने 15 मार्च, 2021 को गोवा में एक निजी समारोह में शादी रचाई थी। शादी में दोनों के करीबी दोस्त और परिवार वाले शामिल हुए थे। बता दें कि संजना गणेशन, स्पोर्ट्स की दुनिया में एक बड़ा नाम हैं और उनका करियर भी पति बुमराह की तरह काफी सफल रहा है।

स्पोर्ट्स जर्नलिज्म में संजना की एंट्री

साल 2014 में संजना गणेशन ने एमटीवी के रियलिटी शो में हिस्सा लिया लेकिन चोट लगने के चलते वह शुरुआत में ही बाहर हो गईं। लेकिन इससे उबरने के बाद संजना ने स्पोर्ट्स जर्नलिज्म को करियर के तौर पर चुना। और उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स ज्वॉइन कर दिया। उन्होंने 2019 आईसीसी वर्ल्ड कप और आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप समेत कई बड़े इंटरनेशनल स्पोर्ट्स को होस्ट किया। इसके अलावा इंडियन प्रीमियर लीग, इंडियन सुपर लीग, बैडमिंटन प्रीमियर लीग समेत कई बड़े इवेंट्स में भी संजना ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजना गणेशन की अनुमानित नेट वर्थ करीब 8 करोड़ रुपये है। टीवी पर कई कार्यक्रमों में अपनी मौजूदगी और कई दूसरे कॉन्ट्रैक्ट के लिए संजना 20 लाख से 40 लाख रुपये तक पैसे लेती हैं।

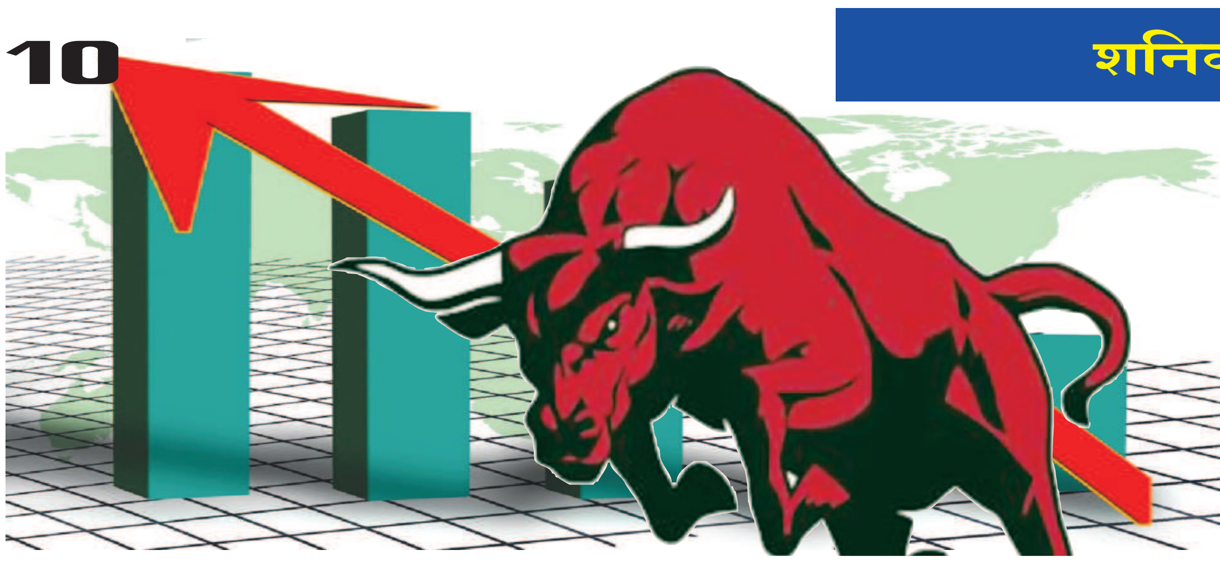

शेयर मार्केट का रेकॉर्ड हाई देख क्या निवेश से डर लग रहा है?

नई दिल्ली,5 जुलाई (एजेंसियां। सेंसेक्स ने नया रेकॉर्ड बनाया है। बीएसई का सेंसेक्स कल ही पहली बार 80,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। ऐसे में रिटेल इनवेस्टर्स परेशान हैं। वे मार्केट में नया निवेश करने से डर रहे हैं। आप भी इसी तरह की बातें सोच रहे हैं? क्या आपको करेक्शन का इंतजार करना चाहिए? हम इन्हीं बातों के बारे में आज बात करेंगे।

अगर आप पिछले रेकॉर्ड देखें, तो 50,000 और 75,000 के लेवल पर सेंसेक्स पहुंचा था तो ये खरीदने के मौके थे। आपको डबल डिजिट में मुनाफा होता, अगर आप पहले के 'रिकॉर्ड हाई' लेवल पर खरीदते। एक्सपर्ट का कहना है कि 70,000 से 80,000 का 10,000 अंकों का उछाल 14.4% की ग्रोथ को दिखाता है। 80,000 से 90,000 तक पहुंचने के लिए महज 12.5% की बढ़ोतरी चाहिए। नए हाई के बावजूद लगातार निवेश करना एक समझदार नीति है। पिछले 8 वर्षों में हर कैलेंडर ईयर में मार्केट ने एक नया ऑल-टाइम हाई बनाया है। इस साल 2024 में ही सेंसेक्स 25 बार नए लाइफ-टाइम हाई पर बंद हुआ है। हालांकि जब मार्केट नए हाई पर ट्रेड कर रहा हो, तो निवेश करना डरावना लग सकता है। लेकिन अगर आप सही मौके का इंतजार करते रहे तो आप बाहर ही रह जाते हैं।

अहम सवाल ये है कि आप कहां निवेश करें? बैंक ऑफ बड़ौदा के हेड (वेल्थ मैनेजमेंट और कैपिटल मार्केट्स) वीरेंद्र सोमवंशी का कहना है कि लार्ज कैप के लिए वैल्यूएशन ज्यादा अच्छी हैं, क्योंकि मिड और स्मॉल कैप की कीमतें उनके लंबे समय के औसत से अधिक हैं। अभी के बाजार में हम लार्ज-कैप पर ज्यादा ध्यान देने वाली फ्लेक्सी-कैप स्ट्रैटजी में निवेश करना पसंद करेंगे। साथ ही मिड और स्मॉल कैप में भी रणनीतिक रूप से निवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए और थोड़ा-थोड़ा करके निवेश करना चाहिए।

कीमतें क्यों बढ़ रही हैं?

अपूर्व सेठ का कहना है कि शेयरों की कीमतों को आइसोलेशन में नहीं देखना चाहिए। उनकी वैल्यूशन या भविष्य की कमाई के लिए आप कितना पे करते हैं, वो एक अहम फैक्टर है। वेल मैनेज्ड कंपनियां सेंसेक्स की तुलना में ज्यादा बढ़ती हैं। अगर इकॉनमी में डिमांड बढ़ रही है, तो अच्छी तरह से चलाई जाने वाली कंपनियों का मुनाफा बढ़ने की संभावना होती है। और अगर मुनाफा बढ़ता है तो शेयरों की कीमतें भी बढ़ेंगी।

सेंसेक्स 53 अंक की गिरावट के साथ 79,996 पर बंद

निफ्टी में 21 अंक की तेजी रही

एचडीएफसी बैंक का शेयर 4.50% गिरा

मुंबई,5 जुलाई (एजेंसियां। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 5 जुलाई को शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 53 अंक की गिरावट के साथ 79,996 के स्तर पर बंद हुआ।वहीं, निफ्टी में 21 अंक की तेजी रही, ये 24,323 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयर में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट देखने को मिली। HDFC बैंक निफ्टी का टॉप लूजर रहा, जिसके शेयर में 4.50% की गिरावट रही।

एशियाई बाजार में आज मिला-जुला असर देखने को मिला। जापान के निक्केई में 0.0031% की गिरावट रही। साउथ कोरिया के कोस्पी में 1.32% और ताइवान वेटेड में 0.14% की तेजी रही। वहीं, हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स में 1.27% की गिरावट देखने को मिली।

NSE पर उपलब्ध प्रोविजनल डेटा के अनुसार, फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FIIs) ने शुक्रवार (5 जुलाई) को 2,575.85 करोड़ के शेयर खरीदे। वहीं, इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DII) ने 2,375.18 करोड़ के शेयर बेचें।अमेरिकी बाजार कल यानी 4 जुलाई को अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के मौके पर बंद रहे थे।

जून में वेज थाली की कीमत 10% बढ़ी

टमाटर-आलू और प्याज के भाव ने दाम बढ़ाए, नॉन-वेज थाली 4% सस्ती हुई

नई दिल्ली,5 जुलाई (एजेंसियां। भारत में एक वेजिटेरियन थाली की कीमत जून में (सालाना आधार पर) 10% बढ़कर 29.40 रुपए हो गई है। पिछले साल जून 2023 में वेज थाली की कीमत 26.7 रुपए थी। क्रिसिल ने शुक्रवार (5 जुलाई) को जारी किए अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी।

क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत में पिछले महीने मई की तुलना में जून में 5.75% की बढ़ोतरी देखने को मिली। मई में वेज थाली की कीमत 27.80 रुपए थी। वहीं मई 2023 में वेज थाली की कीमत 25.50 रुपए रही थी।

नॉन-वेज थाली की कीमत जून में 4% गिरकर 58.30 रुपए हुई वहीं नॉन-वेज थाली की कीमत जून में सालाना आधार पर 4% गिरकर 58.30 रुपए हो गई है। पिछले साल जून 2023 में नॉन वेज थाली की कीमत 60.50 रुपए थी। हालांकि, मई की तुलना में जून में नॉन-वेज थाली की कीमत 4.29% बढ़ी है। मई में नॉन-वेज थाली की कीमत 55.90 रुपए थी। वहीं मई 2023 में वेज थाली की कीमत 59.90 रुपए रही थी।

टमाटर, आलू और प्याज के कारण वेज थाली की कीमत बढ़ी

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना आधार पर टमाटर (30%), आलू (59%) और प्याज (46%) की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वेज थाली की कॉस्ट में ये ग्रोथ देखने को मिली है। वहीं मंथली बेसिस पर टमाटर (29%), आलू (9%) और प्याज (15%) की कीमतों में भी बढ़ोतरी रही है। क्रिसिल ने बताया कि सालाना आधार पर चावल (13%) और दालों (22%) की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है।

चिकन के प्राइस में गिरावट के कारण नॉन वेज थाली की कीमत घटी

वहीं नॉन वेज थाली की कीमत में ये गिरावट ब्रॉयलर्स यानी चिकन के प्राइस में सालाना आधार पर 14% की कमी के चलते आई है। हालांकि, मंथली बेसिस पर चिकन की कीमत में 1% की बढ़ोतरी रही है। नॉन-वेज थाली की लागत में ब्रॉयलर की 50% हिस्सेदारी होती है।

ऐसे कैलकुलेट होती है थाली की एवरेज कॉस्ट

क्रिसिल ने नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट इंडिया में मौजूदा फूड कीमतों के आधार पर घर में थाली तैयार करने की एवरेज कॉस्ट कैलकुलेट की है। मंथली चेंज से आम आदमी के खर्च पर असर पड़ता है।

क्रिसिल के डेटा से अनाज, दालें, ब्रॉयलर्स (चिकन), सब्जियां, मसाले, एडिबल ऑयल और कुकिंग गैस सहित उन सामग्रियों का भी पता चलता है, जो थाली की कीमत में बदलाव लाते हैं। वेज थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होता है। वहीं नॉन-वेज थाली के लिए दाल की जगह चिकन को शामिल किया गया है।

भारत को 15,000 किमी दूर मिला 'भंडार'

पेट्रोल-डीजल की कीमत में अब आएगी गिरावट!

नई दिल्ली,5 जुलाई (एजेंसियां। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में मार्च से कोई बदलाव नहीं हुआ है। आम चुनावों से पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर आम लोगों को राहत दी है। तब पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में प्रति लीटर दो रुपये की कटौती की गई थी। इस कटौती के बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये रह गई थी।

लेकिन जल्दी ही पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट आ सकती है। मिंट की एक खबर के मुताबिक सरकारी तेल कंपनियां ब्राजील से कच्चे तेल की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए एक लॉन्ग टर्म समझौता करने के वास्ते बातचीत कर रही हैं। भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है और पिछले कुछ समय से अपनी सप्लाई को डाइवर्सिफाई करने में लगा है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ब्राजील की दिग्गज तेल कंपनी पेट्रोब्रास के साथ बातचीत कर रही हैं। ब्राजील दुनिया में कच्चे तेल का सातवां बड़ा उत्पादक और एक्सपोर्टर है। भारतीय कंपनियों के अधिकारियों ने अप्रैल में ब्राजील का दौरा किया था। बीपीसीएल अभी अपनी रिफाइनरीज में ब्राजील के कच्चे तेल की टेस्टिंग कर रही है। जल्दी ही कॉन्ट्रैक्ट पर साइन होने की उम्मीद है। हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है कि ब्राजील से कितना कच्चा तेल मंगाया जाएगा।

क्यों बढ़ रही है कीमत

सूत्रों का कहना है कि भारतीय कंपनियां ब्राजील की कंपनी के साथ अलग-अलग बातचीत कर रही हैं लेकिन इसकी शर्तें एक ही तरह की हो सकती हैं। भारत परंपरागत रूप से पश्चिम एशिया से कच्चा तेल मंगाता रहा है क्योंकि यह सस्ता पड़ता है।

जर्मनी ने सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर

चीन को दिया जोर का झटका, धरी रह गई ड्रैगन की उम्मीदें

नई दिल्ली,5 जुलाई (एजेंसियां। अमेरिका के बाद अब यूरोप के साथ भी चीन का पंगा बढ़ने लगा है। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी ने अपने सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर चीन को एक और जोर का झटका दिया है। चीन ने दिग्गज ऑटो कंपनी फॉक्सवैगन की एक सहयोगी कंपनी को खरीदने के लिए एक डील की थी। लेकिन जर्मन सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए इस डील को रोक दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जबकि यूरोपीय यूनियन ने हाल में चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ बढ़ा दिया था। चीन ने भी बदले की कार्रवाई करते हुए यूरोप से होने वाले सुअर के मांस की कीमतों पर जांच शुरू कर दी। इस तरह दोनों पक्षों के बीच विवाद की शुरुआत हो चुकी है।

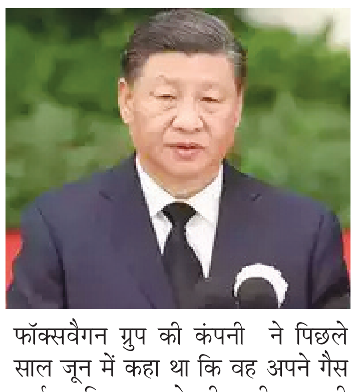

फॉक्सवैगन ग्रुप की कंपनी ने पिछले साल जून में कहा था कि वह अपने गैस टर्बाइन बिजनस को चीन की सरकारी कंपनी को बेच रही है। जर्मन सरकार ने पिछले साल सितंबर में इसकी समीक्षा शुरू की थी। इसमें आशंका जताई गई है कि चीन गैस टर्बाइन का इस्तेमाल वॉरशिप में कर सकता है। जर्मनी के इकॉनमी मिनिस्टर रॉबर्ट हैबेक ने कहा कि उनका देश विदेशी निवेश का स्वागत करता है लेकिन पब्लिक सिक्योरिटी से जुड़ी टेक्नोलॉजी ऐसे देशों के हाथ नहीं पड़नी चाहिए जिनके आपके साथ हमेशा अच्छे संबंध नहीं रहते हैं। देश की इंटीरियर मिनिस्टर नैंसी फेजर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है।

जर्मनी का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर चीन है। पिछले साल दोनों देशों के बीच $275.3 अरब का ट्रेड हुआ। लेकिन हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आई है। जर्मनी स्थानीय मैन्युफैक्चरर्स को बढ़ावा दे रहा है और चीन पर निर्भरता कम कर रहा है। नवंबर, 2022 में जर्मनी ने अपनी एक सेमीकंडक्टर फैक्ट्री की चीन की टेक कंपनी को बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसमें भी सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया था।

गांवों पर टिकी साबुन, तेल और बिस्कुट कंपनियों की उम्मीद

नई दिल्ली,5 जुलाई (एजेंसियां। साबुन, बिस्कुट और तेल जैसी चीजें बनाने वाली फास्ट मूविंग कंस्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों की कमाई इस फाइनैंशल ईयर में बढ़ सकती है। हालांकि काफी कुछ इस बात पर निर्भर है कि शहरों में डिमांड न घटे और गांवों में इन चीजों की कमजोर बिक्री का हाल सुधर जाए। अगर ऐसा हो गया तो इस वित्त वर्ष में इन कंपनियों की कमाई 7 से 9 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जो वित्त वर्ष 2024 में बमुश्किल 7 प्रतिशत तक बढ़ सकी। यह बात रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कही है।

कंपनियों की कुल कमाई में करीब 40 प्रतिशत योगदान ग्रामीण इलाकों का है। क्रिसिल रेटिंग्स के डायरेक्टर आदित्य झावर ने कहा, 'फाइनैंशल ईयर 2025 में रूरल कंस्यूमर्स से वॉल्यूम ग्रोथ 6-7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। बेहतर मॉनसून की संभावना को देखते हुए उपज अच्छी होने की उम्मीद है। मिनिमम सपोर्ट प्राइसेज बढ़ाए जाने से खेती-बाड़ी से इनकम को सहारा मिलेगा। साथ ही, सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण पर जोर दे रही है। रूरल इंफ्रा पर सरकारी खर्च बढ़ने से ग्रामीण इलाकों में सेविंग्स बढ़ाने में मदद मिलेगी और लोग ज्यादा खर्च कर सकेंगे।' मास सेगमेंट में नरम बिक्री के बीच कंपनियां प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर फोकस बढ़ा रही हैं। 77 FMCG कंपनियों की स्टडी पर आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया कि प्रीमियमाइजेशन बढ़ने से ऑपरेटिंग मार्जिन 50 से 70 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 20-21% हो जाएगा। इसके मुताबिक, मार्जिन इससे अधिक भी होता, लेकिन बाजार में होड़ बढ़ने से बिक्री और मार्केटिंग से जुड़े खर्च बढ़ने का असर पड़ रहा है। पिछले वित्त वर्ष में एफएमसीजी सेक्टर की आमदनी 5.6 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इस वित्त वर्ष में शहरी इलाकों में वॉल्यूम ग्रोथ 7-8 प्रतिशत के करीब रह सकती है। लोगों के पास खर्च करने लायक रकम बढ़ने और कंपनियों की ओर से प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर फोकस रहने से यह ग्रोथ हासिल हो सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स के असोसिएट डायरेक्टर रबींद्र वर्मा ने कहा, 'अलग-अलग प्रोडक्ट सेगमेंटस की रेवेन्यू ग्रोथ अलग होगी। फूड एंड बेवरेजेज सेगमेंट इस वित्त वर्ष में 8-9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

चार महीने दूर है दिवाली-छठ का त्योहार

ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रहा

नई दिल्ली,5 जुलाई (एजेंसियां। इस साल दिवाली 1 नवंबर को है। छठ पूजा भी 7-8 नवंबर को है। दोनों पर्व में अभी लगभग चार महीने बाकी है, लेकिन दिल्ली से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश जाने वाली लोकप्रिय ट्रेनों में रिजर्वेशन फुल हो गए हैं। स्थिति यह है कि दो नंवबर को पटना राजधानी से लेकर विक्रमशिला एक्सप्रेस और वैशाली एक्सप्रेस तक में वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रहा है। इन ट्रेनों में एसी2, एसी3 क्लास में रिगरेट आ रहा है। यही हाल देश के अन्य भागों से बिहार के लिए चलने वाली ट्रेनों का भी है।

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में दिवाली के बाद छठ के त्योहार की बड़ी महिमा है। इस त्योहार के लिए लोग चार महीने पहले से ट्रेन में टिकट कटाते हैं। चार महीने पहले, इसलिए कि रेलवे में एडवांस रिजर्वेशन का पीरियड चार महीने पहले का ही है। आज यानी शुक्रवार को दिल्ली से पटना के लिए दो नवंबर 2024 के टिकटों की बुकिंग सुबह आठ बजे खुली। सुबह आठ बज कर पांच मिनट पर चेक किया गया तो पटना राजधानी के एसी 2 और एसटी 3 में रिगरेट दिखा रहा था। रिगरेट का मतलब है कि इस ट्रेन में वेटिंग टिकट भी जारी नहीं किया जा रहा है।

फ्लाइट की टिकट महंगी

दिवाली और उसके बाद ट्रेन में जहां सीटें हैं ही नहीं, वहीं दूसरी ओर फ्लाइट की टिकट भी महंगी हो गई हैं। जैसे-जैसे त्योहार करीब आएंगे, टिकटें और महंगी होती जाएंगी। हवाई जहाज में देखें तो 27 अक्टूबर से सात नवंबर 2024 तक हवाई जहाज का न्यूनमत किराया 7093 रुपये दिखाया जा रहा है। उस दिन यदि दोपहर की इंडिगो फ्लाइट में टिकट लेना चाहेंगे तो आपको 8000 रुपये से ज्यादा का किराया चुकाना होगा।

पूर्वांचली के लिए छठ बेहद महत्वपूर्ण

पूर्वांचल के लोगों के लिए दिवाली और छठ पूजा काफी महत्वपूर्ण होती है। दिल्ली में रहने वाले ज्यादातर पूर्वांचल के लोग अपने पैतृक गांव जाकर छठ पूजा मनाना पसंद करते हैं।

लेकिन उनके लिए घर तक पहुंचना इतना आसान नहीं होता है।

अडाणी समूह पर हिंडनबर्ग के हमले के पीछे चीनी कनेक्शन

नई दिल्ली,5 जुलाई (एजेंसियां। वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने आरोप लगाया है कि चीनी लिंक वाले एक व्यापारी ने शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट तैयार करवाई थी, जिसके कारण अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों को झटका लगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा था कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट एलएलसी और उसकी संस्थाओं ने अप्रत्यक्ष रूप से अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों को शॉर्ट करने में हिंडनबर्ग की सहायता की थी। बाजार नियामक की एक जांच से यह भी पता चला है कि कोटक महिंद्रा और हिंडनबर्ग ने अदाणी के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन लेने के लिए एक साथ साजिश रची।

एक्स पर एक लंबी पोस्ट में जेठमलानी ने कहा कि किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट की आड़ में अमेरिकी व्यवसायी मार्क किंगडन ने अदाणी समूह पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग को काम पर रखा था। किंगडन ने अदाणी के शेयरों में कारोबार के लिए ऑफशोर फंड के साथ-साथ ऑफशोर अकाउंट स्थापित करने के लिए कोटक की अंतरराष्ट्रीय निवेश शाखा कोटक महिंद्रा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (केएमआईएल) से भी संपर्क किया। इसके बाद कोटक इंडिया अपॉर्चुनिटी फंड का निर्माण हुआ। इस फंड ने कथित तौर पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट सार्वजनिक होने से पहले मॉरीशस के रास्ते से अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन ली थी और इसके लिए लगभग 40 मिलियन डॉलर किंगडन मास्टर फंड की ओर से दिए गए थे।

आज क्या है सोने-चांदी का भाव?

मुंबई,5 जुलाई (एजेंसियां। आज 5 जुलाई 2024 को बाजार खुलने पर सोने की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं आया है किन्तु चांदी की कीमतों में 200 रुपए का उछाल आया है। नए दामों के बाद सोने की कीमत 73000 एवं चांदी की कीमत 93000 के पार पहुंच गई है। आज शुक्रवार को सराफा बाजार द्वारा जारी सोने चांदी के जारी नए दामों के अनुसार, आज 3 जुलाई 2024 को 22 कैरेट सोने की कीमत 67,150, 24 कैरेट की कीमत 73,240 और 18 ग्राम 54940 रुपए पर ट्रेंड कर रही है।

वही 1 किलो चांदी की कीमत 93, 200 रुपए चल रही है।भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने का भाव 73, 140 रुपये , दिल्ली जयपुर लखनऊ एवं चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने का भाव 73, 240/- रुपये, हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 73 090/- रुपये एवं चेन्नई सराफा बाजार में भाव 73, 750/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 05-50
सूर्यास्त. - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 04-26 तक उपरान्त द्वितीया
मास - आषाढ़ शुक्ल , शनिवार 06 July
नक्षत्र - पुनर्वसु 04-47 तक उपरान्त पुष्य
योग - व्याघात 02-46 तक उप हर्षण
करण- किस्तुघ्न 16-22 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गुप्त नवरात्रि प्रा:

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	04-22 बजे
चंद्र-	मिथुन में	कर्क...	06-35 बजे
मंगल	मेष में	सिंह...	08-46 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या..	10-53 बजे
गुरु-	वृष में	तुला.....	13-00 बजे
शुक्र-	मिथुन में	वृश्चिक..	15-10 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	17-22 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	19-28 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	21-20 बजे
		मीन...	22-57 बजे
		मेष....	00-33 बजे
		वृष....	02-18 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:05 से 10:43 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:50 - 07:26	अशुभ	लाभ	18:50 - 20:15	शुभ
शुभ	07:26 - 09:05	शुभ	उत्पात	20:15 - 21:37	अशुभ
रोग	09:05 - 10:43	अशुभ	शुभ.	21:37 - 22:59	शुभ
उत्पात	10:43 - 12:21	अशुभ	अमृत	22:59 - 00:21	शुभ
चंचल	12:21 - 13:59	शुभ	चंचल.	00:21 - 01:43	शुभ
लाभ	13:59 - 15:37	शुभ	रोग	01:43 - 03:05	अशुभ
अमृत	15:37 - 17:15	शुभ	काल	03:05 - 04:27	अशुभ
काल	17:15 - 18:50	अशुभ	लाभ	04:27 - 05:50	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) लालच आज आपके रास्ते में दिखाई देगा, लेकिन आवश्यक है की आप सही मार्ग पर चले । गलत और छोटे रास्ते अंत में आपके करियर के लिए हानिकारक हो सकते है । सही रास्ता चुनना इतना आसान नहीं होगा और ये तभी हो सकता है जब लालच आप पर हावी न हो । अगर आप अपने से यह नहीं कर सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इस तरह के एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उतना अच्छा नहीं है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,) आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पति-पत्नी और सत्ता

झारखंड में अनोखा 'प्रयोग' या सियासी 'संयोग'

रांची, 5 जुलाई (एजेंसियां)। हेमंत सोरेन ने पांच महीने बाद झारखंड में एक बार फिर सत्ता की ड्राइविंग सीट संभाल ली है और इस बार उनके साथ को-ड्राइवर की सीट पर कोई और नहीं, बल्कि उनकी पत्नी कल्पना सोरेन हैं। 28 जून को हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद से ही कल्पना हर पल साए की तरह उनके साथ-साथ चल रही हैं।

पिछले आठ दिनों के दौरान सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों की जो केमिस्ट्री दिखी है, उसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। गुरुवार को सीएम पद की शपथ लेने के एक घंटे बाद ही हेमंत सोरेन झारखंड मंत्रालय स्थित कार्यालय में कल्पना सोरेन के साथ पहुंचे और पदभार संभाला। वहां से वापस आवास लौटते हुए हेमंत सोरेन ने अपनी कार खुद ड्राइव की। ड्राइविंग सीट पर बैठने के पहले उन्होंने पत्रकारों से मजाकिया लहजे में कहा-यार, सामने से हट जाओ, पांच महीने बाद ड्राइव कर रहा हूं, बहुत सारी ताकतें लगी थी, हमें रोकने में, पता नहीं किसे चोट लग जाए, मैं ड्राइवर हूं और कल्पना का-ड्राइवर।' हेमंत सोरेन ने यह बात भले ही हल्के-फुल्के अंदाज में कही, लेकिन सच यही है कि अब हर सियासी निर्णय में कल्पना सोरेन उनकी सबसे खास सलाहकार और सहयोगी हैं। 31 जनवरी को जेल जाने के पहले हेमंत सोरेन पहले कल्पना सोरेन को ही सीएम की कुर्सी सौंपना चाहते थे, लेकिन तब कुछ विधायकों और घर में ही भाभी की ओर से विरोध की वजह से उनका प्लान धरातल पर नहीं उतर पाया। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन ने सत्ता न सही, लेकिन सियासी मोर्चे पर उनकी खाली जगह बखूबी संभाली और बेहद कम समय में एक मंझे हुए लीडर के तौर पर उनका उभार हुआ। हेमंत सोरेन जब तक जेल में रहे, उनका सोशल मीडिया हैंडल कल्पना ने ही संभाला और लोगों से भावनात्मक स्तर पर कनेक्ट होने में काफी हद तक सफल रहीं। गुरुवार शाम कार ड्राइव कर ऑफिस से आवास लौटते हुए हेमंत सोरेन ने राज्य की जनता के नाम एक वीडियो संदेश बनाया, जिसे को-ड्राइवर सीट पर बैठी कल्पना ने ही अपने मोबाइल से रिकॉर्ड किया। कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को यह वीडियो संदेश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। बाद में हेमंत सोरेन ने इसे रिपोस्ट किया। हेमंत सोरेन ने इस वीडियो में अपनी जेल यात्रा और राज्य की राजनीतिक स्थितियों से लेकर पलायन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं का जिक्र किया और राज्य के विकास को गति देने के संकल्पों को दोहराया।

इसके पहले बीते आठ दिनों में अपने आवास पर कार्यकर्ताओं-समर्थकों के बीच संबोधन, संथाल हूल दिवस पर साहेबगंज के भोगनाडीह में आयोजित कार्यक्रम, सरकार बनाने की दावेदारी के लिए राज्यपाल से मुलाकात, शुक्रवार को चीफ जस्टिस के शपथ ग्रहण समारोह और उसके बाद रांची के बगलामुखी मंदिर में पूजा के कार्यक्रम में हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन साथ-साथ दिखे। हेमंत सोरेन की सरकार ने विधानसभा में विश्वास मत परीक्षण के लिए 8 जुलाई को एक दिन का विशेष सत्र आहूत किया है।

महादेव सट्टा ऐप केस, पैनल ऑपरेटर की हैदराबाद में मौत

तीसरी मंजिल से लगाई थी छलांग, दुर्ग पुलिस ने किराए के मकान में की थी छापेमारी

दुर्ग, 5 जुलाई (एजेंसियां)। हैदराबाद में तीसरी मंजिल से छलांग लगाने वाले महादेव सट्टा ऐप के पैनल ऑपरेटर सुजीत साव की इलाज के दौरान मौत हो गई। सुजीत ने दुर्ग पुलिस से बचकर भागने के लिए छलांग लगाई थी, लेकिन न पुलिस से बच सका और न ही मौत से। ऑपरेशन के बाद से उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी। गुरुवार दोपहर उसने दम तोड़ दिया। 6 दिन पहले यानी (29 जून को) महादेव सट्टा ऐप के पैनल को पकड़ने के लिए दुर्ग पुलिस हैदराबाद गई थी। इस दौरान दुर्ग पुलिस ने हैदराबाद के सोई अमु रेजिडेंसी गोली डोडी में एक फ्लैट में छापेमारी की। इसी बीच सुजीत पुलिस को देखकर घबरा गया और उसने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। हैदराबाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान हैदराबाद पुलिस को बगैर सूचना दिए छापेमारी करने पर दुर्ग के 4 सिपाहियों को थाने में बैठा लिया गया था।

झारखंड के नए मुख्य न्यायाधीश बने विद्युत रंजन सारंगी

रांची, 5 जुलाई (एजेंसियां)। न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी ने शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट के 15वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन में सारंगी को पद की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के अलावा कई न्यायाधीश और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा मौके पर केबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी नियुक्ति पत्र पढ़ा। झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पद 28 दिसंबर, 2023 को न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की सेवानिवृत्ति के बाद खाली पड़ा था। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय ने तीन जुलाई को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति सारंगी की नियुक्ति के संबंध में एक अधिसूचना जारी की। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'अब हमारे पास एक नया मुख्य न्यायाधीश है। हम न्याय स्थापित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।' वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से कहा, 'आखिरकार हमें नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया। मुख्य न्यायाधीश का पद बहुत महत्वपूर्ण होता है। सुप्रीम कोर्ट ने लगभग सात-आठ महीने पहले झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति की घोषणा की थी, लेकिन मुझे नहीं पता कि केंद्र सरकार ने उन्हें यहां भेजने में इतना समय क्यों लगाया। मुझे लगता है कि यह पहले भी हो सकता था।'

कौन हैं विद्युत रंजन सारंगी?

गौरतलब है कि झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी का जन्म 20 जुलाई 1962 को ओडिशा के नयागढ़ जिला स्थित ओडागांव के पेटीखारिसन गांव में हुआ था। सारंगी ने उत्कल विश्वविद्यालय के तहत एमएस लॉ कॉलेज, कटक से एलएलबी और एलएलएम की डिग्री हासिल की और उन्हें संबलपुर विश्वविद्यालय से कानून में पीएचडी से सम्मानित किया गया। वह दिसंबर, 1985 में विधिज्ञ परिषद में शामिल हुए। उन्होंने तकरीबन 27 वर्षों तक ओडिशा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस की। उन्होंने विशेष रूप से सिविल, आपराधिक, संवैधानिक, राजस्व, कर, श्रम, सेवा, खनन, शिक्षा, बिजली, बीमा, बैंकिंग, टेलीफोन, चुनाव और अन्य में मामले संभाले। उड़ीसा हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पीके बालसुब्रमण्यम ने उन्हें 2002 में स्वर्ण पदक के साथ हरिचरण मुखर्जी मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया था। बीआर सारंगी 20 जून 2013 को ओडिशा हाईकोर्ट में न्यायाधीश बने थे। बीआर सारंगी के परिवार की बात करें, तो उन्होंने निरुपमा सारंगी से शादी की।

झारखंड के 12 जिलों में हेवी रेन का यलो अलर्ट

साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण 10 जुलाई तक बारिश के आसार, अभी भी 50% कम बारिश

रांची, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पूरे झारखंड में आज बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में 10 जुलाई तक बारिश के आसार हैं। राज्य के 12 जिलों में बारिश की अधिक संभावना है।

पश्चिमी इलाके में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर है। मौसम विभाग ने इसकी वजह से राज्य के 12 जिलों में बारिश की संभावना जाहिर की है। मौसम विभाग ने राज्य के उत्तर पूर्वी और मध्य भाग में भी भारी बारिश की संभावना जताई है। राज्य में पिछले 24 घंटे के मौसम के मिजाज पर नजर डाले तो राज्य में सभी जगह हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। राज्य में सबसे अधिक तापमान जमशेदपुर में 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि राज्य में सबसे कम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने राज्य के उत्तर पूर्वी और मध्य भाग में भी भारी बारिश की संभावना जताई है। इनमें रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद, गिरिडीह, कोडरमा, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जिले में भारी बारिश के आसार है। राज्य में अगले 5 दिनों में झारखंड के अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। आज राज्य में रांची का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से घटकर 29 डिग्री पर आने की संभावना है। झारखंड में पिछले कुछ दिनों से मानसून एक्टिव है। राज्य के कई इलाकों में बारिश हो रही है। राज्य में अब भी सामान्य से 50 फीसदी कम बारिश हुई है। झारखंड में अब तक 112.4 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि 1 जून से 4 जुलाई के बीच प्रदेश में 226.3 मिलीमीटर बारिश हो जानी चाहिए थी।

20 से अधिक लग्जरी वाहनों में तोड़फोड़

रांगाटांड़ के कृष्णा अपार्टमेंट में तोड़फोड़, पुलिस की ढिलाई से लोगों में उबाल

धनबाद, 5 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद के सदर थाना अंतर्गत रांगाटांड़ स्थित कृष्णा अपार्टमेंट परिसर में एक दबंग ने 20 से अधिक कीमती लग्जरी गाड़ियों के शीशे चकनाचूर कर दिया है। घटना कल रात नौ बजे के आसपास की है।घटना से अपार्टमेंट में रहने वाले एलीट क्लास के लोग हतप्रभ हैं। अपार्टमेंट की पार्किंग में लगी कोई चार पहिया अछूता नहीं है जिसके आगे पीछे या साइड के ग्लास न तोड़े गए हों। बेरहमी के साथ रॉड से गाड़ियों में जहां तहां प्रहार कर उन्हें भारी क्षति पहुंचाई गई है। भुक्तभोगियों ने ऑन लाइन एफआईआर भी कर दिया है, थाने को कई बार सूचित किया गया। लेकिन मामले की जांच पड़ताल के लिए अब तक कोई पुलिस नहीं पहुंची है। अपार्टमेंट के लोगों ने बताया कि पास में ही एक युवक से इन लोगों का झगड़ा हुआ।

लिकर स्कैम, नकली होलोग्राम मामले में नया खुलासा

यूपी एसटीएफ से त्रिपाठी बोले-अब भी बेची जा रही अवैध शराब, ढेबर के खेत से मिले अधजले होलोग्राम

रायपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लिकर स्कैम के नकली होलोग्राम मामले में नया खुलासा हुआ है। आबकारी विभाग के विशेष सचिव रहे अरुण पति त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेश में अब भी अवैध शराब बेची जा रही है। इसमें नकली होलोग्राम का इस्तेमाल हो रहा है। त्रिपाठी ने बताया कि नकली होलोग्राम का इस्तेमाल शराब निर्माता कंपनी कर रही हैं। अरुण पति त्रिपाठी फिलहाल यूपी एसटीएफ की गिरफ्त में हैं। टीम उससे लगातार पूछताछ कर रही है। पूछताछ में यह भी बात सामने आई कि विधु गुप्ता की कंपनी के अलावा अन्य कंपनी की ओर से भी नकली होलोग्राम डिस्टलरी तक पहुंच रही है और उसका इस्तेमाल अब भी किया जा रहा है। खास बात यह है कि इस बीच गुरुवार को ईओडब्ल्यू ने आरोपी अनवर ढेबर के रायपुर में धनेली स्थित खेत से नकली होलोग्राम के कई रोल अधजली हालत में जब्त किए हैं। इन्हें जमीन से 6 फीट नीचे दबाया गया था। ईओडब्ल्यू ने जेसीबी की मदद से खुदाई कर इन्हें बरामद किया है। यूपी एसटीएफ की पूछताछ में अरुणपति त्रिपाठी ने बताया कि, नकली होलोग्राम के साथ अवैध शराब बिक्री का सिलसिला अब भी जारी है। प्रदेश की कई दुकानों में नकली होलोग्राम वाली शराब बिक रही है। अब भी डिस्टलरीज के पास बहुत से नकली होलोग्राम स्टोर करके रखे हैं। जिसका वे समय-समय पर इस्तेमाल करते रहते हैं। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, 2019-22 तक सरकारी दुकानों से डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर अवैध शराब बेची गई। आरोप है कि अनवर ढेबर और उसके सिंडीकेट ने इसके जरिए, करोड़ों के राजस्व का नुकसान पहुंचाया। अनवर ढेबर के इस खेत पर ही अरविंद सहित अन्य लोग नोएडा से डुप्लीकेट होलोग्राम मंगाकर स्टोर करते थे। यहीं पर डिस्टलरीज को वितरण, खाली बोतलों की सप्लाई और अवैध शराब की बिक्री से मिले कमीशन को जमा किया जाता था। ईडी के छापे के बाद डुप्लीकेट होलोग्राम नष्ट किए गए। इसकी जानकारी मिलने पर ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई कर उन्हें जब्त किया। वहीं इस मामले में आरोपी अनुराग द्विवेदी, अमित सिंह और दीपक दुआरी को गिरफ्तार किया है। बस्तर-ओडिशा बॉर्डर पर धनपूंजी, नगरनार में 2 अक्टूबर 2023 को 890 पेटी शराब पकड़ी गई थी। इसमें 42 हजार 720 शराब की बोतलों पर चस्पा होलोग्राम का नंबर एक समान ही था। जांच में पाया गया कि उस होलोग्राम का इस्तेमाल पहले ही मार्च 2022 में किया जा चुका है।

नक्सलियों ने ग्रामीण को मार डाला

अगवा कर ले गए, लाठी-डंडे से बेदम पीटा पर्चे में लिखा- मुखबिरी पर दी मौत की सजा

जगदलपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने पुलिस की मुखबिरी करने के शक में एक युवक को लाठी-डंडे से पीट-पीट कर मार डाला। उस पर आरोप लगाया कि इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पुलिस को दी थी। महीने भर पहले फोर्स घुसी और 6 नक्सलियों को मार डाला। मामला जिले के ओरछा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, अबूझमाड़ की धुलधुली पंचायत का रहने वाला चैतूराम मंडावी किसी काम से गांव से बाहर गया हुआ था। गुरुवार देर रात नक्सलियों ने उसे गांव के ही बाहर से अगवा कर लिया। इसके बाद उसे जंगल की तरफ लेकर गए। जहां पहले उसकी बेदम पिटाई की गई, फिर उसे मार डाला।

वारदात को अंजाम देने के बाद चैतूराम के शव को सड़क पर फेंक दिया। जब रात में वह घर नहीं पहुंचा तो सुबह परिजन उसे ढूंढने के लिए निकले। उन्हें चैतूराम का खून से सना शव मिला। मौके से नक्सलियों के पर्चे भी मिले, जिसमें लिखा था कि पुलिस की मुखबिरी करने के शक में मौत की सजा दी है। परिजनों और गांव वालों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस अफसरों का कहना है कि जांच की जा रही है। इलाके में नक्सलियों के खिलाफ लगातार ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। मुठभेड़ में नक्सली ढेर हो रहे हैं। इसलिए संगठन के लोग बौखलाए हुए हैं।

पत्नी की हथेली काटने वाला पति गिरफ्तार

घर से दो बंदूक और 8 जिंदा कारतूस बरामद दूसरे शहर भागने की फिराक में था सुनील

औरंगाबाद, 5 जुलाई (एजेंसियां)। औरंगाबाद के देव थाना क्षेत्र के जंगी मोहल्ला में पत्नी की हथेली काटने वाले पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना 3 जुलाई की देर रात की है। इस मामले में सदर डीएसपी 2 अमित कुमार ने बताया कि सुनील ने गुरुवार को अपनी पत्नी का हथेली काटकर अलग कर दिया था।

पुलिस ने देव थाना मोड़ के समीप से आरोपी को गिरफ्तार किया है। सुनील वहां से दूसरे शहर में भागने की फिराक में था।

इस मामले में देव थाने में कांड संख्या 146/ 24 दर्ज की गई थी। घटना की सूचना के बाद प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई थी। एफएसएल की टीम घटनास्थल का निरीक्षण किया था। वहीं एसपी के निर्देश पर अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के निशानदेही पर उसके घर से दो बंदूक और घटना में प्रयुक्त तलवार सहित 8 जिंदा कारतूस बरामद किया है।

डीएसपी ने बताया कि छापेमारी दल में देव थाना अध्यक्ष विकास कुमार, पीएसआई नीतू कुमारी, पीएसआई राहुल कुमार, पीएसआई सुशील कुमार, पीएसआई नीतीश कुमार, पीटीसी अर्जुन कुमार, सिपाही लालू कुमार, लालमुनी कुमारी, तुलसी दास, उपेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। वहीं सुनील के घर से अवैध हथियार की बरामदगी को लेकर एक और मामला दर्ज किया गया है।

जहरीली गैस के रिसाव से नौ की मौत

कुएं में गिरे 2 लोग, बचाने में गई 7 की जान, जांजगीर-कोरबा में हादसा

जांजगीर-चांपा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा और कोरबा में दो अलग-अलग घटनाओं में शुक्रवार को कुएं में डूबने से 9 लोगों की मौत हो गई। दोनों ही हादसे कुएं में गिरे ग्रामीणों को बचाने की चक्कर में हुए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों ही मामलों में मौत का कारण जहरीली गैस का रिसाव है।

जांजगीर-चांपा में हुए हादसे में पिता-दो पुत्रों सहित 5 की मौत हुई है। जबकि कोरबा में पिता-पुत्री और दो अन्य लोगों की जान गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। एसडीआरएफ की टीम को भी मौके पर पहुंच गई। उनकी मदद से सभी शवों को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

कोरबा में कटघोरा के ग्राम जुराली के डिपरा पारा निवासी जहरू पटेल दोपहर में कुएं में गिर पड़ा। इसका पता उसकी बेटी सपीना को चला तो वह पिता को बचाने के लिए कुएं में कूद गई। हालांकि वह भी अंदर ही फंस गई और दम तोड़ दिया। कुएं में दो शवों को देख स्थानीय मनबोध और शिवचरण भी नीचे उतरे, लेकिन उनकी भी मौत हो गई।

इससे पहले जांजगीर-चांपा में हुए कुएं में जहरीली गैस के रिसाव से 5 लोगों की मौत हो गई है। हादसा सुबह करीब 7.30 बजे एक व्यक्ति को बचाने के चक्कर में हुआ है। बिर्रा एसडीओपी यदुमणि सिदार ने बताया कि किकिरदा गांव निवासी रामचंद्र जायसवाल (60 वर्ष) कुएं में लकड़ी अंदर गिरने पर उसे निकालने घुसा था।

इस दौरान गैस का रिसाव होने लगा और वह बेहोश हो गया। इसके बाद पत्नी के शोर मचाने पर उसके दो बेटे और अन्य लोग भी कुएं में उतरे, लेकिन कोई जिंदा नहीं लौटा। मरने वाले एक युवक की पत्नी का आज बर्थडे है। मुख्यमंत्री साय ने हादसे में मृतकों के परिजन को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने जाने की घोषणा की है।

दरअसल, गांव में एक पुराना कुआं है। जिसे काफी समय से इस्तेमाल में नहीं लाया जा रहा था। गांव के ही लोगों ने पुरानी लकड़ियों का छप्पर बनाकर कुएं को ढक दिया था। बारिश और तेज हवा से छप्पर कुएं में गिर गया था। छप्पर को निकालने रामचंद्र जायसवाल कुएं के अंदर गया था। काफी देर तक वापस नहीं आया तो एक-एक कर 4 लोग और कुएं में उतरे।

रामचंद्र जायसवाल को बचाने सबसे पहले पड़ोसी रमेश पटेल (50 वर्ष) आया और वह कुएं के अंदर गया। उसकी भी सांसें भरने लगीं, फिर उसे बचाने उसके दो बेटे राजेंद्र (20 वर्ष) और जितेंद्र (25 वर्ष) भी कुएं के अंदर चले गए। जब चारों कुछ देर तक नहीं लौटे तो पड़ोस में रहने वाला टिकेश्वर चंद्रा (25 वर्ष) भी इन लोगों को बचाने के लिए कुएं अंदर चला गया। लेकिन जहरीली गैस के रिसाव से पिता और 2 बेटों समेत 5 लोगों की जान चली गई।

आरटीआई एक्टिविस्ट के घर राजस्थान पुलिस की रेड

स्पीकर ओम बिरला के डीप फेक वीडियो केस में नोटिस, कुणाल बोले-डरने वाला नहीं

रायपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने शुक्रवार को रायपुर में आरटीआई एक्टिविस्ट कुणाल शुक्ला के घर दबिश दी। पुलिस ने उन्हें नोटिस देकर 7 दिनों में कोटा के किशोरपुरा थाने में हाजिरी देने के लिए कहा है। कुणाल शुक्ला पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ झूठा प्रचार करने का आरोप है।

दूसरी ओर कुणाल शुक्ला ने कहा है कि, 7 दिन क्यों? मुझे आज ही गिरफ्तार कर लें। मैं डरने वाला नहीं हूं। हालांकि पुलिस नोटिस देकर लौट गई। भूपेश सरकार के कार्यकाल के दौरान आरटीआई एक्टिविस्ट कुणाल शुक्ला को कबीर विकास संचार केंद्र शोधपीठ का अध्यक्ष बनाया गया था। शोधपीठ की स्थापना कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (केटीयू) के अंतर्गत की गई थी। 13 अप्रैल को कोटा शहर का भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन ने वहां के किशोरपुरा थाने में लिखित रिपोर्ट दी है। उन्होंने बताया कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी रहे ओम बिरला के खिलाफ सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो वायरल किया जा रहा है। वीडियो में ओम बिरला की आवाज हूबहू मिल रही है।

राकेश जैन ने बताया कि नौशाद, आशव के फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप में मनगढ़ंत, झूठा और प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाला वीडियो अपलोड किया गया। इसे कुणाल शुक्ला ने भी शेयर किया था।

बीजेपी जिलाध्यक्ष ने कहा कि फर्जी वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करना आपराधिक कृत्य है। ओम बिरला बीजेपी प्रत्याशी के साथ-साथ लोकसभा अध्यक्ष है। अब संवैधानिक पद पर बैठे शख्स के खिलाफ डीप फेक वीडियो बनाकर ओम बिरला की छवि धूमिल की जा रही है। पुलिस ने राजस्थान के आरोपी नौशाद और आशव शर्मा को गिरफ्तार किया है। अब इसी केस में कुणाल शुक्ला पर कार्रवाई की जा रही है। केस आईटी एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत दर्ज किया है।

सीएम बहन बेटी मईं-कुईं योजना

सफेद राशन कार्डवाली महिलाओं को भी मिल सकता है योजना का लाभ

जमशेदपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही झारखंड सरकार ने आधी आबादी यानी 21 से 50 साल की महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री बहन-बेटी मईं-कुईं स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत 21 से 50 साल की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस योजना का लाभ जिले की करीब तीन लाख महिलाओं को मिल सकता है। लाभुकों के चयन के लिए प्रशासन की ओर से अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। शहरी क्षेत्र में वार्ड स्तर पर व ग्रामीण इलाकों में पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर महिलाओं से आवेदन लिया जाएगा। शहरी क्षेत्र में लाभुकों के चयन की जिम्मेदारी नगर निकाय को व ग्रामीण इलाके में बीडीओ-सीओ ऑफिस को सौंपी जा रही है। झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से जारी संकल्प-पत्र उपायुक्त कार्यालय को हासिल हो चुका है।

आवेदिका का मतदाता पहचान पत्र व आधार कार्ड होना चाहिए। आधार कार्ड बैंक खाते से जुड़ा होना चाहिए। जिनका आधार कार्ड बैंक अकाउंट से नहीं जुड़ा है, उन्हें दिसंबर-2024 तक योजना का लाभ मिलेगा।

आवेदिका के परिवार के पास पीला, गुलाबी, हरा या सफेद राशन कार्ड होना चाहिए।

वियतनाम से आई बोधगया के युवक की डेड बॉडी

10 दिन पहले अगलगी में पति-पत्नी की मौत हो गई थी, कब्रिस्तान में किया गया सुपुर्दे खाक

गया, 5 जुलाई (एजेंसियां)। वियतनाम के हिनोई में बोधगया के एक युवक की मौत हो गई थी। अपार्टमेंट में आग लगने से सोहेल और उसकी वियतनामी पत्नी ने दम घुटने की वजह से दम तोड़ दिया था। घटना के 10वें दिन सोहेल की डेड बॉडी को बोधगया लाया गया। विदेश से डेड बॉडी लाने में परिजनों को पुरजोर कोशिश करनी पड़ी। देर रात सोहेल (22 वर्ष) को बोधगया स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। सोहेल वियतनाम में बीते 6 माह से गाइड की नौकरी कर रहा था। सोहेल बीते दिनों बकरीद के मौके पर बोधगया स्थित अपने घर आया था। सोहेल हिनोई में अगलगी से तीन दिन पहले ही बोधगया से वियतनाम गया था। मृतक के परिजनों ने शॉर्ट-सर्किट घटना की वजह बताई है। सभी लोग मृतक सोहेल को एक झलक देखने के लिए परेशान थे। इस घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन डेड बॉडी को बोधगया लाने में जुटे थे। मृतक के परिजन चाहते थे कि सोहेल की बॉडी वियतनाम से बोधगया लाई जाए। ताकि उसके परिजन उसका अंतिम दर्शन कर सकें। परिजन दिन रात एक कर डेड बॉडी वियतनाम से मंगवाने में सफल हुए।

सोहेल के परिजनों ने बोधगया के क्षेत्रीय विधायक, 'हम' पार्टी के नेताओं और जिला प्रशासन से लेकर कोलकाता स्थित वियतनाम एंबेसी तक गुहार लगाई थी।

ब्रिटेन में अबकी बार 400 पार

लेबर पार्टी की आंधी में उड़े कंजरवेटिव, कीर स्टार्मर होंगे नए पीएम, ऋषि सुनक ने मानी हार

लंदन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में इस साल हुए आम चुनाव में बीजेपी की ओर से 400 पार का नारा दिया गया था, जो प्रचार के दौरान खूब चला था। भारत में ये सही साबित नहीं हो सका लेकिन ब्रिटेन में लेबर पार्टी के लिए ये आंकड़ा छूना सच हो गया है। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी ने धमाकेदार जीत दर्ज की है। पार्टी ने अधिकतम सीट हासिल करने के कई पुराने रेकॉर्ड तोड़ते हुए 400 के आंकड़े को पार कर लिया है। ब्रिटेन के 650 सदस्यों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुमत के लिए 326 सीटों की जरूरत होती है। ब्रिटेन में कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने 410 सीटें जीत ली हैं। 2019 के चुनाव के मुकाबले पार्टी ने अपनी सीटें दोगुने से भी ज्यादा बढ़ाई हैं। ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी की सीटें 2019 के मुकाबले 250 सीटें कम हो गई हैं। इस चुनाव में कंजरवेटिव 119 सीटों पर सिमटती दिख रही है। ये पार्टी की सबसे बुरी हार है। इन दोनों मुख्य पार्टियों के अलावा लिबरल डेमोक्रेट ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 71 सीटें जीती हैं। 2019 के चुनाव में 650 सीटों वाली संसद में कंजरवेटिव पार्टी

को 364 सीटों पर जीत मिली थी और बोरिस जॉनसन प्रधानमंत्री बने थे। 2019 के चुनाव में विपक्षी लेबर पार्टी की सीटों की संख्या घटकर 203 रह गई थी।

ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी की जीत के साथ ही बतौर पीएम ऋषि सुनक का सफर खत्म हो गया है। उन्होंने अपनी हार स्वीकार कर ली है। सुनक अक्टूबर 2022 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने थे, वह करीब 18 महीने ब्रिटेन के पीएम रहे। कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने 14 साल बाद सुनक की कंजरवेटिव को सत्ता से बाहर कर दिया है। लेबर पार्टी 2010 के बाद सत्ता में आई है और साल 1997 में टोनी ब्लेयर के बाद लेबर पार्टी की ये सबसे बड़ी जीत है। लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर का ब्रिटेन का नया प्रधानमंत्री बनना तय है। स्टार्मर 2020 में जर्मी कोर्बिन की जगह लेबर पार्टी के नए नेता चुने गए थे। इस चुनाव में उनको बड़ी सफलता मिली है।

स्टार्मर साल 2015 में वो उत्तरी लंदन में हॉबर्न और सेंट पैनक्रास से सांसद बने थे। स्टार्मर के पिता एक टूलमेकर थे और उनकी मां एक नर्स के रूप में काम करती थीं। उन्होंने रीगेट ग्रामर स्कूल में पढ़ाई की है। स्कूल के बाद यूनिवर्सिटी जाने वाले वह अपने परिवार के पहले सदस्य बने थे।

सुनक ने किंग चार्ल्स को इस्तीफा सौंपा

लंदन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी की ऐतिहासिक हार के बाद भारतवंशी ऋषि सुनक ने इस्तीफा दे दिया है। बकिंघम पैलेस में किंग चार्ल्स ने उनका इस्तीफा स्वीकार किया। अब चुनाव में बहुमत हासिल करने वाली लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर प्रधानमंत्री बनेंगे। वे कुछ देर बाद किंग के न्योते पर बकिंघम पैलेस पहुंचेंगे। ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने 14 साल बाद सत्ता में वापसी की है। 5 जुलाई (शुक्रवार) को आए नतीजों में पार्टी ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। उसे 650 में से अब तक 412 सीटें मिली हैं।

ईरान में आज राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव

पिछली वोटिंग में किसी को बहुमत नहीं मिला था सईद जलीली और मसूद पजशकियान में टक्कर

तेहरान, 5 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान में आज राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के लिए वोटिंग चल रही है। इससे पहले देश में 28 मई को राष्ट्रपति चुनाव हुआ था। इसमें किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला था।

ईरान में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए 50% वोट हासिल करना जरूरी होता है। पिछले हफ्ते हुए चुनाव में पजशकियान को 42.5% वोट मिले थे, जबकि सईद जलीली 38.8% वोट मिले।

इन दो उम्मीदवारों में से कोई भी 50% हासिल नहीं कर पाया। इसलिए आज हो रहे चुनाव में सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाले इन्हीं दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है।

हिजाब का विरोध करते हैं मसूद पजशकियान?

तबरीज से सांसद मसूद पजशकियान की पहचान सबसे उदारवादी नेता के रूप में रही है। ईरानी मीडिया ईरान वायर के मुताबिक लोग पेजेशकियन को रिफॉर्मिस्ट के तौर पर देख रहे हैं। उन्हें पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी का करीबी माना जाता है।

पजशकियान पूर्व सर्जन हैं और स्वास्थ्य मंत्री के पद पर हैं। डिबेट

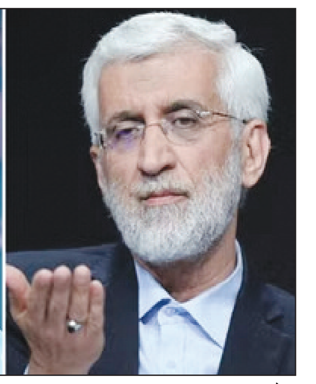

में ये कई बार हिजाब का विरोध कर चुके हैं। उनका कहना है कि किसी को भी मॉरल पुलिसिंग का हक नहीं है।

पजशकियान सबसे पहले 2006 में तबरीज से विधायक बने थे। वे अमेरिका को अपना दुश्मन मानते हैं। 2011 में उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन बाद में अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी।

सईद जलीली राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के पूर्व सचिव रहे चुके हैं। पश्चिमी देशों और ईरान के बीच जो परमाणु हथियारों पर बातचीत हुई थी वो उसके वार्ताकार रहे हैं। परमाणु हथियार को लेकर उनका आक्रामक रुख रहा है। वे कट्टरपंथी खेमे के माने जाते हैं और अयातोल्ला खामेनई के काफी करीबी हैं। राष्ट्रपति पद के लिए इतना दावा बेहद मजबूत है।

उदारवादी मसूद पजशकियान और रूढ़िवादी सईद जलीली की नीतियों में जमीन-आसमान का अंतर है। पजशकियान ईरान में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) को लागू करने और पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के लिए नीतियां अपनाने पर जोर देते हैं।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था है। यह अपने सदस्य देशों को टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों में शामिल होने से रोकता है। ईरान 2019 से एफएटीएफ की ब्लैक लिस्ट में है। इससे ईरान को ये नुकसान है कि आईएमएफ, एडीबी, वर्ल्ड बैंक या कोई भी फाइनेंशियल बॉडी आर्थिक उसकी आर्थिक मदद नहीं कर रहीं। प्रतिबंधों की वजह से ईरान में मल्टी नेशनल कंपनियां कारोबार करने नहीं पहुंचती हैं। इस वजह से ईरान की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है। सईद जलीली अमेरिका के कट्टर विरोधी माने जाते हैं। उनका कहना है कि ईरान को अपनी अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए पश्चिमी देशों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। रुढ़िवादी नेता जलीली का मानना है कि ईरान को आर्थिक रूप से इतना आत्मनिर्भर होना चाहिए कि अमेरिका को भी प्रतिबंध लगाने पर पछतावा हो।

एक मिनट में 700 राउंड दुश्मनों का काल है एके-203

रूस ने भारत को सौंपी 36 हजार असॉल्ट राइफल

मॉस्को, 5 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए अगले सप्ताह मॉस्को जाने वाले हैं। 8-10 जुलाई तक वह दो देशों की यात्रा करेंगे। रूस जाने के बाद वह ऑस्ट्रिया की राजधानी विएना जाएंगे। इस शिखर सम्मेलन से पहले रूसी पक्ष ने घोषणा की है कि इंडो-रूसी राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) ने 35000 से ज्यादा 'मेड इन इंडिया' कलाश्निकोव एके-203 असॉल्ट राइफलों का उत्पादन कर भारतीय सेना को सौंप दिया है। यह ट्रांसफर दोनों पक्षों के बीच चल रहे बड़े रक्षा सहयोग का एक हिस्सा है। इसमें रक्षा क्षेत्र में भारत के मेक इन इंडिया पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कलाश्निकोव एके-203 असॉल्ट राइफल, एके-200 का आधुनिक संस्करण है।

आईआरआरपीएल भारत के आयुध फैक्ट्री बोर्ड और रूसी पक्ष से रोसोबोरोनएक्सपोर्ट जेएससी और कलाश्निकोव समूह का संयुक्त उद्यम है। दोनों रूसी कंपनियां रोस्टेक स्टेट कॉरपोरेशन की सहायक कंपनियां हैं जो रूस की सरकार के आदेश से हथियारों और सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करती है। एके-203 रूस की प्रसिद्ध एके-47 असॉल्ट राइफल का आधुनिक संस्करण है। एके-200 श्रृंखला का हिस्सा है। एके-203 में 7.62x39 मिमी की गोली लगती है। कलाश्निकोव राइफल विश्वसनीयता, स्थायित्व और संचालन में सरलता के लिए जानी जाती हैं। एके-203 में सटीकता बढ़ाने के लिए कई तरह की चीजें जोड़ी गई हैं। उदाहरण के लिए इसमें आवश्यक्ता के हिसाब से जरूरी ऑप्टिक, कोलिमेटर, नाइट और थर्मल इमेजिंग स्कोप लगाए जा सकते हैं। इसका वजन 3.8 किग्रा है। यह बंदूक 500-800 मीटर तक फायर कर सकती है। वहीं एक मिनट में यह 700 राउंड गोली दाग सकती है। एके-47 हथियार में जो खूबी है वही एके-203 में भी आती है। मुश्किल मौसम में भी यह काम कर सकती है, जो इसकी विश्वसनीयता बढ़ा देती है। कई बंदूकें ठंड या बरसात में दिक्कत करती हैं। लेकिन एके 47 दुनिया के सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए गए हथियारों में से एक है। इसे कीचड़, रेत और पानी में ले जाया जा सकता है और इसके बाद भी यह काम करती है।

सत्ता विरोधी लहर

अवैध प्रवासन से लेकर पार्टी में गुटबाजी और वादाखिलाफी तक, इन वजहों से हारे सुनक

लंदन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। आखिरकार इस महान देश के कंधों से एक बोझ हट गया है। परिवर्तन अब शुरू होता है। लंदन में शुक्रवार को सूरज उगते ही यह तीखा बयान कीर स्टार्मर ने विजय रैली में दिया। दरअसल, 4 जुलाई को हुए आम चुनाव में ब्रिटेन की सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी की बड़ी हार हुई है। बड़े विपक्षी दल लेबर ने 2005 के बाद ब्रिटिश चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज की है। लेबर पार्टी को भारी जीत दिलाने के बाद कीर स्टारमर आने वाले घंटों में देश के नए प्रधानमंत्री बन जाएंगे।

निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही सुनक ने अपने इस्तीफे का भी एलान कर दिया है। आइये जानते हैं कि ब्रिटिश चुनाव में ऋषि सुनक को पार्टी क्यों हारी? कंजर्वेटिव सरकार के लिए कौन से मुद्दे भारी पड़ गए?

4 जुलाई 2024 को ब्रिटेन में 650 संसदीय सीटों के लिए मतदान हुआ। ये चुनाव यूनाइटेड किंगडम के सभी हिस्सों इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में हुए। 5 जुलाई को ब्रिटेन चुनाव के नतीजे घोषित किए जा रहे हैं। इन चुनावों में कुल 392 पंजीकृत पार्टियां रहीं लेकिन मुख्य मुकाबला ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव और मुख्य विपक्षी नेता कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी के बीच हुआ। अब तक 650 में से 648 सीटों के नतीजे घोषित हो गए हैं। पार्टीवार नतीजे देखें तो विपक्षी लेबर पार्टी ने 412 सीटें जीत ली हैं। वहीं मौजूदा सत्ताधारी दल कंजर्वेटिव महज 121 सीटें जीती है। वहीं अन्य छोटे दलों की बात करें तो लिबरल डेमोक्रेट्स ने 71, स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) नौ, सिन फेन सात, डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी (डीयूपी) पांच और रिफॉर्म पार्टी ने चार सीटें जीती हैं। हालांकि, एक सीट पर पुनर्मतगणना के कारण चुनाव का अंतिम परिणाम शनिवार की सुबह तक घोषित नहीं किया जाएगा।

सऊदी अरब ने भारतीयों को दी बड़ी खुशखबरी

किया नई वीजा सीरीज का ऐलान घूमने और उमरा करने की दी सुविधा

रियाद, 5 जुलाई (एजेंसियां)। सऊदी भारतीय यात्रियों को पर्यटक वीजा विकल्पों की एक नई सीराज की पेशकश के साथ आकर्षित करने की कोशिश की है। इससे भारतीय आसानी से सऊदी का वीजा पा सकते हैं और घूम सकते हैं। सऊदी सरकार ने स्टॉपओवर वीजा, ईवीजा सर्विस और वीजा ऑन अराइवल की सुविधा दी है। इन वीजे से पर्यटक रियाद और जेद्दा जैसे शहरों के साथ ही लाल सागर और अल-उला जैसे प्राचीन शहर घूम सकेंगे। सऊदी की ओर जारी नई गाइडलाइन और वीजा के विकल्प अलग-अलग तरह की यात्रा जरूरत को पूरा करने के मकसद से तैयार किए गए हैं। साथ ही ये पर्यटकों को सऊदी में घूमने के लिए बुलाने की कोशिश भी है।

भारतीय यात्रियों की बात करें तो इस समय मुंबई, दिल्ली, कोच्चि, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद, बैंगलोर, लखनऊ, कोलकाता और कालीकट में 10 वीजा सुविधा केंद्र हैं। कई दूसरे शहरों में भी ऐसे केंद्र बनाने की योजना है। यह सऊदी विजन 2030 के तहत है। इसका लक्ष्य 2030 तक 75 लाख भारतीय यात्रियों को

सऊदी बुलाना चाहता है। सऊदी इस समय भारत को बड़े पर्यटक बाजार के तौर पर देख रहा है। सऊदा का 2024 के आखिर तक विजिटर्स की संख्या को दोगुना कर 22 लाख करने का लक्ष्य है।

भारतीय यात्री अब सऊदी के स्टॉपओवर वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं, जो 96 घंटे तक के लिए वैध है और इसे प्रशासन और बीमा सेवाओं के लिए मामूली शुल्क पर सऊदी एयरलाइन की वेबसाइट पर 90 दिन पहले प्राप्त किया जा सकता है। अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम या किसी शेंगेन देश से वैध पर्यटक या व्यावसायिक वीजा रखने वाले भारतीय, प्रवेश के स्टांप प्रमाण के साथ ईवीजा के लिए पात्र हैं। आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से प्रस्थान से पहले ईवीजा प्राप्त किया जा सकता है। वीजा ऑन अराइवल का विकल्प भी सऊदी दे रहा है। एंट्री टिकटों के साथ अमेरिका, ब्रिटेन या शेंगेन देशों से वैध पर्यटक या व्यावसायिक वीजा के समान मानदंडों को पूरा करने वाले यात्री सऊदी में एयरपोर्ट पर वीजा पा सकते हैं। इन देशों में स्थायी निवास वाले लोग सऊदी हवाई अड्डों पर स्वयं-सेवा कियोस्क या पासपोर्ट नियंत्रण कार्यालयों में इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। जो लोग उपर्युक्त मानदंडों के तहत पात्र नहीं हैं वे भारत में ताशीर केंद्रों के माध्यम से वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में दस्तावेज तैयार करना, अपॉइंटमेंट बुकिंग, आवेदन जमा करना, बायोमेट्रिक नामांकन और पासपोर्ट संग्रह शामिल है। ये सभी वीजा उमरा करने के लिए भी मान्य हैं।

12 जुलाई को नेपाल में विश्वास मत

डेढ़ साल में पांचवी बार प्रधानमंत्री प्रचंड करेंगे सामना

काठमांडू, 5 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल में पिछले 16 सालों में 13 बार सरकार बनी और गिरी है। जो देश की खराब राजनीतिक प्रणाली की नाजुक पहलू को दर्शाता है। देश के मौजूदा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' से इसी हफ्ते सत्ता दो प्रमुख गठबंधन सहयोगियों से समर्थन खो दिया था। जिसके बाद ये घोषणा की गई कि प्रधानमंत्री प्रचंड आगामी गुरुवार 12 जुलाई को संसद में विश्वास मत हासिल करने के लिए तैयार हैं। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री प्रचंड ने संसद सचिवालय को एक पत्र भेजा है, जिसमें मतदान की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। प्रधानमंत्री दहल ने देश की संविधान के अनुच्छेद 100(2) के तहत विश्वास मत के लिए जाने का विकल्प चुना है, जिसमें कहा गया है कि 'अगर प्रधानमंत्री जिस राजनीतिक दल का

प्रतिनिधित्व करते हैं, वह विभाजित है या गठबंधन सरकार में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री को 30 दिनों के अंदर संसद में विश्वास मत के लिए प्रस्ताव पेश करना चाहिए।

इससे पहले, प्रधानमंत्री प्रचंड ने घोषणा की थी कि वो सबसे बड़ी पार्टी के आठ कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफे के बाद पद नहीं छोड़ेंगे और इसके बजाय संसद में विश्वास मत का सामना करेंगे। उन्होंने ये घोषणा नेपाली कांग्रेस (एनसी) के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन यूएमएल) के अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली के नए एनसी-यूएमएल गठबंधन सरकार बनाने के लिए सत्ता-साझाकरण समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद की गई।

नेपाल की संसद में क्या है सीटों का समीकरण?

नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं, जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीटें हैं। प्रधानमंत्री प्रचंड की पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन एमसी) के पास 32 सीटें हैं। वहीं निचले सदन में 10 सीट वाली सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट (सीपीएन-यूएस) ने कहा है कि वह प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार के पक्ष में मतदान करेगी। इसके बावजूद, प्रधानमंत्री प्रचंड को संसद के केवल 63 सदस्यों का ही समर्थन प्राप्त है। जबकि सरकार को सदन में विश्वास मत जीतने के लिए 138 वोटों की जरूरत है।

जयशंकर बोले- रूसी सेना में जबरन भारतीयों की भर्ती मंजूर नहीं

पीएम की मॉस्को यात्रा पर कही यह बात

अस्ताना, 5 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कजाखस्तान के अस्ताना में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष क्षेत्र में फंसे भारतीयों का मुद्दा उठाया। वहीं, उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा के बारे में भी बताया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने लावरोव के समक्ष फंसे हुए भारतीयों का मुद्दा उठाया, इस पर जयशंकर ने कहा, 'मैंने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान इस मुद्दे को बहुत स्पष्ट और दृढ़ता से उठाया। कई भारतीयों को रूसी सेना में काम में लगाया गया है। जब वे वापस आएंगे तभी हमें पूरी सच्चाई का पता चलेगा। मगर परिस्थितियां जो भी हों, हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमारे लोग किसी किसी दूसरे देश की सेना की ओर से युद्ध क्षेत्र में हैं। मैंने उनसे कहा कि हम उनका

सहयोग चाहते हैं और वे हमारे मित्र और भागीदार हैं। हमें कोई रास्ता निकालना होगा, जिससे हमारे लोग जल्द से जल्द और प्रभावी तरीके से भारत लौट सकें।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि लावरोव ने इस बात की भी सराहना की और भारतीय विदेश मंत्रालय इस संबंध में रूसी रक्षा मंत्रालय से बात कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे आग्रह किया कि हमें और मजबूत फॉलोअप की जरूरत है। मैंने इसे उठाया है और मैं इसे मुद्दे पर तबतक बात जारी रखने का इरादा रखता हूं जब तक कि हमारे सभी लोग वापस नहीं आ जाते।'

जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह दोनों नेताओं के लिए दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों पर एक-दूसरे से सीधे बातचीत करने का एक शानदार अवसर है।

उन्होंने आगे कहा, 'हमारे वार्षिक शिखर सम्मेलन में थोड़ी देरी हुई है। यह एक अच्छी परंपरा है। हम दो देश हैं जिनका एक साथ काम करने का मजबूत इतिहास रहा है। हमने वार्षिक शिखर सम्मेलन की आवश्यकता को महत्व दिया। पिछले साल जब मैं मॉस्को गया था, तो मैं प्रधानमंत्री का संदेश लेकर आया था कि हम वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम इसे जल्द करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'यह किसी भी रिश्ते का जायजा लेने का एक तरीका है। सबसे बड़े बदलावों में से एक यह है कि रूस के साथ हमारे आर्थिक संबंध जबरदस्त रूप से बढ़े हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का एक-दूसरे से सीधे बात करने का एक शानदार अवसर होगा।'

इंसानों के व्यवहार ने घातक बैक्टीरिया को बनाया महामारी

कैमब्रिज विश्वविद्यालय के शोध में बड़ा खुलासा

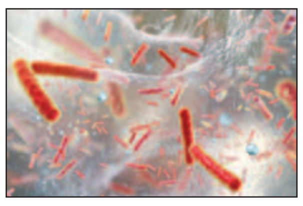

लंदन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के वैज्ञानिकों के एक शोध में कहा गया है कि स्यूडोमोनास एरुगिनोसा नामक पर्यावरणीय बैक्टीरिया फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों में मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस इंफेक्शन पैदा कर सकता है। पिछले 200 वर्षों में यह इंफेक्शन तेजी से विकसित हुआ है और फिर विश्व स्तर पर फैल गया है। ब्रिटेन के कैमब्रिज विश्वविद्यालय की टीम ने कहा कि मानव व्यवहार में परिवर्तन के कारण दुनिया भर में प्रति वर्ष 5,00,000 से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया को महामारी बनने में मदद मिली, जिनमें से 3,00,000 से अधिक मौतें रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस) से जुड़े हैं। क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), धूम्रपान से होने वाली फेफड़ों की क्षति, सिस्टिक फाइब्रोसिस (सीएफ) और नॉन-सीएफ ब्रोंकाइटिस जैसी स्थितियों से पीड़ित लोग विशेष रूप से बैक्टीरिया के प्रति संवेदनशील होते हैं। पाया गया कि यह बैक्टीरिया सिस्टिक फाइब्रोसिस के रोगियों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने की वजह से उन्हें प्रभावित करता है।

एससीओ में पुतिन और जिनपिंग ने दिया बड़ा संकेत

अस्ताना, 5 जुलाई (एजेंसियां)। कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में रूस, तुर्की, चीन, भारत, कतर जैसे कई अहम देशों के नेता शामिल हुए हैं। समिट में नेताओ की आपसी मुलाकातों के बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी प्रेसीडेंट व्लादिमीर पुतिन की मीटिंग ने दुनिया का ध्यान खींचा है। दोनों नेताओं ने गुरुवार को पश्चिमी देशों के गठबंधनों के मुकाबले में विशाल यूरेशियन क्षेत्र के देशों के बीच घनिष्ठ सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक सहयोग पर जोर दिया है। जिनपिंग की इस कोशिश को पश्चिम देशों के नाटों के मुकाबले एक मजबूत सैन्य गठबंधन बनाने की कोशिश की तरह देखा जा रहा है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने पश्चिम की शीत युद्ध मानसिकता का जिक्र करते हुए शी जिनपिंग के हवाले से कहा है कि एससीओ सदस्यों को एकता को मजबूत करना चाहिए। साथ ही हस्तक्षेप और विभाजन वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए मिलकर बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करना चाहिए। वहीं पुतिन ने एससीओ को अपने संबोधन में यूरेशिया में सहयोग और सुरक्षा के लिए रूस के आह्वान को दोहराया, जो पुराने यूरोसेंट्रिक और यूरो-अटलांटिक मॉडल को बदलने के लिए डिजाइन किया गया था।

पुतिन की अमेरिका के खिलाफ मोर्चा बनाने की कोशिश!

व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को एससीओ देशों के बीच व्यापार में डॉलर के बजाय राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग की सराहना की और नई भुगतान प्रणाली बनाने पर जोर दिया। पश्चिमी प्रतिबंधों ने मॉस्को को स्विफ्ट जैसी पारंपरिक भुगतान प्रणालियों से काट दिया है जबकि रूसी विदेशी भंडार में सैकड़ों अरब डॉलर जमा हैं। पुतिन ने कहा कि बहुध्रुवीय दुनिया वास्तविकता बन गई है। अब अधिक से अधिक देश निष्पक्ष विश्व व्यवस्था का समर्थन करते हैं और अपने कानूनी अधिकारों और पारंपरिक मूल्यों की सख्ती से रक्षा करने के लिए तैयार हैं।

पुतिन ने पिछले महीने भी कहा था कि प्रस्तावित नया यूरेशियन सुरक्षा समझौता वर्तमान नाटो सदस्यों सहित क्षेत्र के सभी देशों के लिए खुला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूरेशिया से सभी बाहरी सैन्य उपस्थिति को धीरे-धीरे हटाना होना चाहिए। एससीओ राष्ट्र तेल और गैस जैसी रूसी वस्तुओं के नए प्रमुख खरीदारों का प्रतिनिधित्व करते हैं, क्योंकि यूक्रेन युद्ध पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों ने मास्को को एशिया की ओर झुका दिया है।

विधायक भाटी ने आरसीडीएफ को कहा 'राजस्थान चोर डाकू फैडरेशन'

बोले-ठेकेदार करोड़ों रुपए लेकर भागे, अभी तक रिकवरी नहीं

बाड़मेर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसनभा के बजट सत्र में दूसरे दिन बाड़मेर जिले के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) के प्रतिवेदन बोलते हुए कई सवाल खड़े किए। इस दौरान भाटी ने आरसीडीएफ को 'राजस्थान चोर डाकू फैडरेशन' तक कह डाला।

विधायक भाटी ने कहा कि इसमें बड़ा खेल हो रहा है। डेयरी प्रोडेक्ट पर प्रोडक्शन डेट नहीं। मालपुरा में बटर पैकिंग मशीन खरीदने के लिए साढ़े 4 करोड़ का टेंडर भुगतान हो गया, लेकिन मशीन अभी तक नहीं आई। जयपुर डेयरी पॉर्लर पर ढाई करोड़ खर्च हुए इसकी जांच होनी चाहिए। सीकर में कभी टेंडर नहीं हुआ। भाटी ने डेयरी पर सवाल खड़े किए। भाटी ने कहा कि आरसीडीएफ के प्रतिवेदन 4 साल के एक साथ आज दिए गए है। यह सदन की अवमानना है। हर साल जो ऑडिट व प्रतिवेदन समय रहते दिए जाए तो कई सारी चीजें हो सकती है। भाटी ने कहा कि मेरे से पहले अलग-अलग सदस्यों ने घोटालों और भ्रष्टाचार की बात की। सदस्यों ने कहा कि सीकर, टोंक झुंझुनूं के घोटालों की बात की।

'डेयरी प्रोडेक्ट पर प्रोडेक्शन डेट नहीं, केवल एक्सपायरी डेट'

विधायक भाटी ने कहा कि 2 साल पहले मालपुरा में बटर पैकिंग मशीन खरीदने के लिए साढ़े 4 करोड़ का टेंडर हुआ। सिंगल टेंडर किया गया। एक करोड़ अस्सी लाख रुपए का भुगतान भी कर दिया गया। लेकिन दुर्भाग्य है कि न तो मशीन आई और पैसा किसके खाते में गया कोई नहीं जानता है। वापस किसी ने सुध भी नहीं ली। आरसीडीएफ की बात चल रही थी कि दूध, पाउडर और लगभग 14 हजार टन घी का जो स्टॉक पड़ा है इसका क्या करेंगे। इसमें भी बहुत बड़ा खेल है। तमाम तरीके के जो प्रोडेक्ट मार्केट में आ रहे है। प्रोडेक्शन की कोई डेट नहीं लगी हुई है। एक्सपायरी डेट लिखी गई है। यह रिप्रोसेस करके मार्केट में लाए जा रहे है। बहुत बड़ा मामला है। एक तरफ शुद्ध के लिए युद्ध कर रहे हैं। दूसरी तरफ सरकारी उपक्रम ही एक्सपायरी माल मार्केट में बेचेंगे। अच्छी चीजों की आप किससे से उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

रविंद्र सिंह भाटी ने बताया-आज के समय में जेएलएन मार्ग जयपुर में एक ही डेयरी का इतना बड़ा स्टॉक और शो रूम टाइप देखा है। हमारे जिले में नहीं है। पशुधन सबसे ज्यादा है, लेकिन डेयरी के मामले में बहुत पीछे है। सदर में बोल रहे थे कि डिमांड ज्यादा है। हमारे यहां पर प्रोडक्शन ज्यादा है। लेकिन यहां तक लाने वाला कोई नहीं है।

ऊंटनी के दूध से कैंसर सही किया जा सकता है। थारपारकर नस्ल, सेवन घास सहित सबकुछ वहां खूब है, लेकिन उनको वहां कलेक्ट करके यहां तक कौन लेकर आए। मंत्री से मांग है कि गांवों और उसकी अर्थव्यवस्था मजबूत करने के लिए डेयरी को और मजबूत करें। हमारे सीमांत और रेगिस्तान में कलेक्शन के नए सिस्टम को डवलप करें।

ढाई करोड़ रुपए किए खर्च-इसकी भी जांच होनी चाहिए

विधायक भाटी ने जयपुर डेयरी के पॉर्लर का जिक्र करते हुए कहा कि मैंने इसके बारे में पढ़ा तो बहुत सारी चीजें निकल कर आई। अभी एक फर्म को उन्होंने लीज पर दिया। ढाई करोड़ रुपए एनरॉवेंट पर पर खर्च किए गए। वहीं एक फर्म को बिना किसी टेंडर के सीधा काम दे दिया गया। पता नहीं कैसे दिया। इसकी भी जांच होनी चाहिए। भाटी ने कहा कि सीकर में टेंडर होने की बात कहीं गई, लेकिन सीकर में कभी टेंडर हुआ ही नहीं है।

दर्द की दवा मांगी तो पत्नी ने सल्फॉस घोलकर पिलाया

3 दिन तड़पने के बाद मौत, बोली-पति पसंद नहीं था छोड़कर जाती तो जुर्माना लगता

भीलवाड़ा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। पति पसंद नहीं था। कम पढ़ा लिखा था और फैक्ट्री में मजदूरी करता था। बीए पास पत्नी ने आटा-साटा में मजबूरी में शादी की थी। उसने पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची। पति ने सिर और बदन दर्द की दवा मांगी तो पत्नी से सल्फॉस की गोली पकड़ा दी। गोली खाने के बाद पति की तबीयत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया।

मामला भीलवाड़ा के सदर थाना इलाके के धूमड़ास गांव का है। घटना एक महीने पहले 3 जून को हुई थी। तीन दिन तड़पने के बाद पति ने 6 जून को दम तोड़ दिया था। मृतक के भाई नारायण गाडरी ने 15 जून को इस्तगासे के जरिए सदर थाने में भाई की पत्नी पर जहर देकर मारने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने महिला टीना गाडरी (20) पुत्री कैलाश निवासी धूमड़ास को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो बुधवार को चौंकाने वाले खुलासे हुए।

दवा की जगह पति को जहर दे दिया

नारायण ने बताया- 3 जून की रात करीब 9:30 के आसपास मेरे भाई मदनलाल गाडरी (22) को उसकी पत्नी टीना उर्फ वंदना ने पानी में सेल्फास मिलाकर पिला दिया। मदन की तबीयत बिगड़ी तो उसे भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले गए। यहां से उसे उदयपुर एमबीएस हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। उदयपुर में इलाज के दौरान 6 जून को मदन की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम में सामने आया कि मदन की मौत जहर से हुई है। उसकी सुसाइड का कोई कारण नहीं था। ऐसे में सदर थाने में दर्ज कराया था। पुलिस ने टीना को डिटेन कर पूछताछ की। बुधवार को उसने अपना जुर्म कबूल किया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मदन का मर्डर टीना ने ही किया था। वह 1 जून को ही पीहर से ससुराल आई थी। इसके दो दिन बाद भाई को पानी में मिलाकर सेल्फॉस दे दिया। शक के आधार पर पुलिस ने टीना को डिटेन कर पूछताछ की तो उसने बुधवार को अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। फिलहाल पुलिस टीना से पूछताछ में लगी है।

आटा-साटा में शादी, छोड़ देती को जुर्माना भरना पड़ता

टीना की शादी मदन से आटा-साटा प्रथा में हुई थी। मदन की बहन की शादी टीना के छोटे भाई से हुई थी। पूछताछ में टीना ने बताया- मैं बीए पास हूं। मदन कम पढ़ा-लिखा था और फैक्ट्री में मजदूरी करता था। मैं उसे पसंद नहीं करती थी। छोटे भाई का रिश्ता बनाए रखने के लिए मदन से शादी करनी पड़ी। अगर मैं घर छोड़कर जाती तो समाज की ओर से भारी झगड़ा राशि (जुर्माना) चुकानी पड़ती। छोटे भाई का घर भी टूटता। इससे बचने के लिए मदन को सेल्फॉस की गोली खिलाकर हत्या कर दी।

केंद्रीय मंत्री यादव ने मिनी सचिवायल में अधिकारियों के साथ की बैठक

नालों की सफाई करने के दिए निर्देश

अलवर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर के सांसद और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज शुक्रवार को मिनी सचिवालय पहुंचकर जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री यादव ने अधिकारियों से शहर के विभिन्न मुद्दों और समस्याओं को लेकर चर्चा की। इसके बाद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सांसद भूपेंद्र यादव ने कहा कि दो दिन से लगातार अच्छी बारिश हो रही है। शहर में बारिश से नालों का पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। ऐसे में नालों की सफाई रोजाना होनी चाहिए, जिससे की बारिश का पानी सड़कों पर जमा नहीं हो। नालों की सफाई के लिए नई जेसीबी मंगवाई गई है, जिससे सफाई का काम सुचारू रूप से हो सकेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि लोग प्लास्टिक की थैलियां काम में ले रहे हैं, इन पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इसके अलावा शहर में हो रहीं अन्य समस्याओं को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा कर उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

बीजेपी अध्यक्ष नड्डा से मिले किरोड़ी लाल मीणा

बताया क्यों दिया मंत्री पद से इस्तीफा

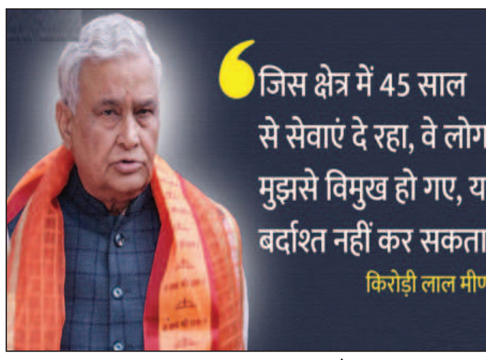

जयपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में मंत्री रहे किरोड़ी लाल मीणा इस्तीफा देने के बाद आज शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के बाद भी वह इस्तीफे की बात पर कायम हैं। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि मैं ने अपना इस्तीफा बहुत पहले ही दे दिया था। लेकिन, सार्वजनिक रूप से इसकी जानकारी बीते दिन गुरुवार को दी थी।

किरोड़ी लाल मीणा से जेपी नड्डा से हुई चर्चा को लेकर बताया कि उन्होंने मुझसे इस्तीफा देने का कारण पूछा। जिस पर मैंने कहा कि 40-45 साल से जिस क्षेत्र में सेवाएं दे रहा हूं, न दिन देखा न रात, न गर्मी न सर्दी। वही लोग मेरे से विमुख हो गए, यह मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता। नैतिकता के नाते मंत्री पर छोड़ दिया, क्योंकि लोकसभा चुनाव में ऐसा करने की घोषणा की थी। लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपने विधानसभा और संसदीय क्षेत्र में जीत नहीं दिला सका, इस्तीफा देने का सिर्फ यही कारण है। किसी से भी कोई नाराजगी नहीं है। हालांकि, इस्तीफा वापस लेने की बात पर मीणा ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यह अलग बात है, फिर बताऊंगा तब बताऊंगा।

छह बार विधायक और दो बार रहे मंत्री

किरोड़ी लाल मीणा 6 बार के विधायक हैं और दूसरी बार मंत्री बने थे। इसके अलावा वे 2 बार सांसद और एक बार के राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं। किरोडीलाल मीणा भजनलाल सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग और श्रम नियोजन जैसे बड़े विभाग संभाल रहे थे।

हम पद के लिए राजनीति में नहीं आए

पद की मेरी कोई चाहत नहीं है। किसी से कोई नाराजगी नहीं है। हम संघ की शाखा में गीत गाया करते थे- नहीं चाहिए पद, शीश चढ़ाकर मां के चरणों में.... पद के लिए न मोदी जी आए न मैं आया। न कोई और आया, हम तो राष्ट्रभक्ति के भाव से काम करने आए हैं, यह संस्कार है देश कैसे मजबूत हो, उसके लिए पद मिले तो काम करना, न मिले तो भी काम करना है। किरोड़ी ने गुरुवार को इस्तीफा देने का खुलासा करने के बाद कहा था कि वे शुक्रवार को दिल्ली जाएंगे। किरोड़ीलाल के इस्तीफा देने के बाद दिल्ली बुलाना, उन्हें मनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा हैं। दरअसल, किरोड़ीलाल एक महीने पहले ही अपना इस्तीफा सीएम भजनलाल शर्मा को भेज चुके थे। सीएम ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया था। इस्तीफा देने के बाद किरोड़ीलाल अपनी मर्जी से दिल्ली गए थे। बताया जा रहा है कि उनसे दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मुलाकात नहीं की थी।

धर्म कांटे पर हुई लूट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

वारदात के बाद से चल रहा था फरार, हथियार दिखाकर लूटे 3 लाख 48 हजार रुपए

धौलपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। धौलपुर के सैंपऊ थाना क्षेत्र के दुबे पुरा गांव के पास एक धर्म कांटे पर तीन महीने पहले 14 अप्रैल को हुई लूट का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने वारदात के बाद फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। लूट के मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। सैंपऊ थाने के एएसआई राजेश सिंह ने बताया कि 14 अप्रैल को करौली धर्म कांटा पर तीन बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था। तीनों नकाबपोश बदमाश अवैध हथियार की दम पर 3 लाख 48 हजार 850 रुपए लूटकर भाग गए थे। उन्होंने बताया कि मामले में पीड़ित द्वारा थाने पर शिकायत दी गई। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। घटना के बाद पुलिस ने पूर्व में दो आरोपी वीरेंद्र और वीकेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि घटना का मुख्य आरोपी सौरभ (20) पुत्र देवेंद्र सिंह निवासी अतरसुमा की पुलिस तलाश कर रही थी। एएसआई राजेश सिंह ने बताया कि डीएसटी टीम के कॉन्स्टेबल रूपेंद्र सिंह के साथ मुखबिर की सूचना पर थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी सौरभ को गिरफ्तार कर लिया है। जिससे पुलिस घटना को लेकर पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भजनलाल सरकार ने शुरू की नियुक्तियां, लाठर मुख्य सूचना आयुक्त

दो पूर्व आईएएस, एक लॉ सर्विस से रिटायर्ड अफसर को सूचना आयुक्त बनाया

जयपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में खाली पदों पर नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो गया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एमएल लाठर को मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। लाठर पहले से सूचना आयुक्त के तौर पर काम कर रहे हैं।

वहीं, पूर्व आईएस सुरेश चंद गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और लॉ सर्विस से रिटायर्ड टीकाराम शर्मा को सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति दी है। मुख्य सूचना आयुक्त और तीनों आयुक्तों की नियुक्ति तीन साल के लिए हुई है। इन पदों पर 3 साल या 65 साल तक की आयु पूरी होने तक नियुक्ति का प्रावधान है।

लाठर गहलोत राज में डीजीपी और सूचना आयुक्त बने

मुख्य सूचना आयुक्त बनाए गए एमएल लाठर गहलोत राज में डीजीपी बनाए गए थे। रिटायर होने के बाद गहलोत राज में उन्हें जनवरी 2023 में सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति दी गई। अब उन्हें मुख्य सूचना आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है।

महेंद्र पारख गुलाबचंद कटारिया के विशिष्ट सचिव रह चुके

सूचना आयुक्त बनाए गए महेंद्र पारख पहले आरएएस अफसर रहे, बाद में वे प्रमोट होकर आईएएस बने। पिछले साल रिटायर हुए थे। पारख वसुंधरा राज में गुलाबचंद कटारिया के विशिष्ट सचिव रह चुके हैं। सुरेश चंद गुप्ता प्रमोटी आईएएस रहे हैं, सरकार में कई वरिष्ठ पदों पर काम कर चुके हैं।

सूचना आयोग में अब मुख्य सूचना आयुक्त से लेकर सभी आयुक्त रिटायर्ड अफसर

सूचना आयोग में अब मुख्य सूचना आयुक्त से लेकर सभी आयुक्तों के पदों पर रिटायर्ड अफसर हो गए हैं। सूचना आयुक्त के पद पर कोई भी सामाजिक कार्यकर्ता या सूचना के अधिकार के लिए काम करने वाले बैकग्राउंड से नहीं है। पहले वरिष्ठ पत्रकार नारायण बारेठ सूचना आयुक्त थे, उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद अब सभी पदों पर रिटायर्ड अफसरों को ही नियुक्तियां दी गई हैं।

जयपुर में बॉयफ्रेंड ने किया युवती से रेप

जयपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में एक बॉयफ्रेंड के युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर आरोपी बॉयफ्रेंड से उसकी दोस्ती हुई थी। मिलने के बहाने आरोपी ने होटल में बुलाकर रेप किया। शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप करता रहा। जवाहर सर्किल थाने में पीड़िता ने एफआईआर दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (जवाहर सर्किल) विनोद सांखला कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया-गांधी नगर निवासी 23 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। कुछ समय पहले उसकी सोशल मीडिया पर नगेन्द्र सिंह निवासी खातीपुरा से बातचीत हुई थी।

इंजीनियर पर जानलेवा हमला करने वाले चार लोग गिरफ्तार

कोटा, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर में जल जीवन मिशन के तहत हुए काम के कुछ बिलों को रोकने पर ठेकेदार ने इंजीनियर के ट्रांसफर के बाद भी हत्या की साजिश रच दी। ठेकेदार ने इंजीनियर को कोटा में पिकअप से कुचलवाने की कोशिश की। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं ठेकेदार और उसका एक साथी फरार है।

एसपी अमृता दुहन ने बताया कि 25 जून को थाना दादाबाडी क्षेत्र के महावीर नगर विस्तार योजना में गली में पीएचईडी अभियंता पर वाहन पिकअप से जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। 29 जून को बने सिंह मीणा ने पर्चा बयान के जरिए रिपोर्ट दी थी कि वह वर्तमान में अधिषाशी अभियंता के पद पर पदस्थापित है।

हमले में एक हुआ था घायल

25 जून को शाम को करीब 6 बजे वह ऑफिस से अपने घर महावीर नगर विस्तार योजना की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज गति से पिकअप आई। बचाव के लिए बने सिंह पास के मकान के रैंप पर खड़ा हो गया। इसके बाद भी पिकअप ने जानबूझकर बने सिंह को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया और पैर का ऑपरेशन हुआ। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी खंगाले तो पता लगा कि पिकअप नंबर आरजे 09 जीबी 1692 ने बने सिंह की बाइक पर जान बूझकर पिकअप चालक ने टक्कर मारी।

घर में थी नोट छापने की मशीन

पांच-पांच सौ रुपए के नोट छाप रहा था, पुलिस ने दबोच लिया

बीकानेर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर के लूणकरनसर में पुलिस ने पांच-पांच सौ रुपए के नकली नोट की गड्डियां बरामद की है। ये नोट एक घर में छापे जा रहे थे। पुलिस को भनक लगी तो घर पर छापा मारकर नकली नोट बरामद कर लिए। नोट छापने की मशीन भी जब्त की गई है।

थानाधिकारी गणेश कुमार ने अपने ही थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बॉर्डर युक्त कागज के 11 बंडल (110 गडियां) तथा उक्त 11 बंडलो के उपर नीचे 500-500 रूपये का एक एक नोट (कुल असल नोट 22) बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि वेद प्रकाश पुत्र मोहनलाल जाति शर्मा उम्र 28 साल निवासी वार्ड नम्बर 12 लूनकरणसर से नोट बरामद किए गए। वेद ने पुलिस को बताया कि मैने मेरे घर में एक रंगीन प्रिंटर मशीन लगा रखी है। साथ में एक कट्टर मशीन लगा रखी है जिसके सहयोग से मैने भारतीय मुद्रा की सैप के नोट के आकार की कटिंग कर उन्हे रंगीन प्रिंटर में उस कागज की जिसकी शक्ल नोट के आकार की है। उस कटिंग किये हुए कागज की बॉर्डर (किनारे) को रंगीन प्रिंटर मशीन की सहायता में कॉपी (फोटो स्टेट) कर उन्हे नोटो की शक्ल की बॉर्डर (किनारे) तैयार कर 500-500 नोंटों की गड्डियां तैयार कर 10 गड्डियों का पैकेट बनाया गया। ऐसे प्रत्येक बन्डल पर पांच सौ का एक असली नोट व उस बन्डल के नीचे एक पांच सी का असली नोट लगाकर उन्हे बाजार में चलाया जा रहा था।

पचपन लाख रुपए के बंडल

पुलिस के अनुसार करीब पचपन लाख रुपए के नकली नोट छापने का प्रयास किया गया। दस-दस गड्डी के पैकेट बनाए गए हैं। ये नोट करीब तीन बैग में कुल 11 बन्डल भरे गए, जो देखने में 55 लाख रुपए के असली नोट प्रतीत होते हैं, असल में ये नकली नोट है। प्रत्येक गड्डी में बिना गिने करीबन सफेद कागज के बॉर्डर प्रिंट युक्त 100-100 नोट डाले है। प्रत्येक गड्डी 50 हजार रुपए की है। प्रत्येक बंडल 5 लाख रुपए का बताया जा रहा है। ऐसे ग्यारह बंडल यानी 55 लाख रुपए मूल्य के नोट छापे गए हैं। गिरफ्तार युवक ने बताया कि भरत सारस्वत निवासी गांव ठुकरियासर के कहने पर नोट तैयार किए गए। ये बन्डल आगरा में डिलिवरी दी जानी थी। आगरा से नोट छापने का आर्डर देने वाले कहा था कि फोन करके एनवक्त बताया जाएगा कि नोट किसे देने हैं।

राजस्थान के कई गांवों में फैला भोले बाबा का मायाजाल

भरतपुर में भी हुआ था केस; महिला भक्त सबसे ज्यादा-गले में पहनती हैं फोटो का लॉकेट

भरतपुर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में 122 लोगों की मौत के बाद भोले बाबा एजेंसियों के रडार पर है। बाबा का नाम पहले भी विवादों से जुड़ता रहा है। उसने भरतपुर में कोरोना काल के दौरान भी भीड़ जुटा ली थी। लोगों की जान जोखिम में डालने को लेकर जून 2020 को उसके खिलाफ मथुरा गेट थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। भोले बाबा का मायाजाल राजस्थान के भी कई जिलों में फैला है। विशेषकर भरतपुर और डीग जिले के अधिकतर गांवों में बाबा के भक्तों की संख्या काफी ज्यादा है। भगदड़ में मरने वालों में डीग के कुम्हेर इलाके की महिला राजेंद्री (50) भी शामिल हैं। यह महिला भक्त साल 2011 से ही बाबा के सत्संग कार्यक्रमों में सेवा दे रही थी। बुधवार को जब राजेंद्री का शव उसके गांव साबोरा पहुंचा तो यहां महिलाओं की भीड़ लग गई। सभी उसके दर्शन करने पहुंचीं थीं।

हर छोटे कस्बे में भोले बाबा के भक्त और कमेटियां

राजेंद्री के पति परसादी जाटव ने बताया कि सेवादार बनने के लिए होड़ लगती है। राजेंद्री ने 13 साल पहले भोले बाबा का सेवादार बनने के इच्छा जाहिर की थी। साल 2011 में ऐंचेरा (नदबई) जाकर कमेटी के लोगों से मिले और वह सेवादार बन गई। हाथरस के सत्संग में राजेंद्री लोगों को पंडाल में बैठाने की व्यवस्था में जुटी थी। भीड़ ने उसे धक्का दिया तो अपने बाकी साथी सेवादारों से अलग हो गई। गिरकर वह धक्का-मुक्की और भगदड़ का शिकार हो गई। उसके चेहरे पर चोट का निशान थे।

बाबा ने यूपी-एमपी और राजस्थान के छोटे-छोटे कस्बों में कमेटियां बना रखी हैं। कुछ साल पहले तक भरतपुर में मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम नाम से सिर्फ एक कमेटी थी। अब लोगों ने कई कमेटियां बना ली हैं। एक कमेटी में लगभग 50 मेंबर होते हैं। स्थानीय लोग इन कमेटियों के मेंबर हैं। कमेटी के मेंबर सेवादार बनाने के लिए अधिकृत हैं। कोई भी आम व्यक्ति सेवादार बन सकता है। इसके लिए बाबा के सत्संग के दौरान निःशुल्क सेवा देनी होती है। सेवादार को कमेटी ने एक आईडी कार्ड देती है जिस पर सेवादार का सिर्फ नाम और पता होता है। उसे खुद के पैसों से गुलाबी रंग की यूनिफॉर्म का इंतजाम करना होता है। सेवा के दौरान पिंक यूनिफॉर्म और आईकार्ड होना जरूरी है।

सत्संग के लिए पैसा जुटाती हैं कमेटियां

इन कमेटियों का मुख्य कार्य सत्संग के लिए पैसा जुटाना है। इसके अलावा ये सेवादार भी तैयार करती हैं। कमेटी के लोग चंदा जुटाकर सत्संग की व्यवस्था करने का प्रयास करते हैं। जब इन्हें लगता है कि बाबा के सत्संग के लिए स्थान, टेंट, बिजली-पानी बड़े पैमाने पर भीड़ जुटाने की परमिशन समेत सब कुछ जुट सकता है तो ये बाबा के पास जाकर सत्संग की आज्ञा लेते हैं। बाबा सत्संग की तारीख तय करता है और फिर कमेटियां सेवादारों के सहयोग से सत्संग का आयोजन करती हैं। सत्संग की जानकारी कमेटियां सोशल मीडिया के जरिए भक्तों तक पहुंचाती हैं और ज्यादा से ज्यादा लोगों के शामिल होने की अपील करती हैं। सारी व्यवस्थाएं हो जाने के बाद बाबा अपनी पत्नी के साथ सत्संग करने आता था और लोगों की परेशानियां दूर करने का मायाजाल रचता था।

एनएसएस छात्रों की महिला एवं बाल सुरक्षा की समझ को बढ़ाने के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा विंग, हैदराबाद ने एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के सहयोग से एक व्यापक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य एनएसएस कैडेटों की सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, पीड़ितों की पहचान, कैसे संपर्क करें और किससे संपर्क करें, जासूसी कैमरों की पहचान करना और सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

इस कार्यक्रम में हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति रही। बुर्रा वेंकटेशवम, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, तेलंगाना, श्रीमती दारा कविता, डीसीपी महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराध, हैदराबाद के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमुख इकाइयों द्वारा आयोजित सत्रों के माध्यम से एनएसएस कैडेटों को महत्वपूर्ण ज्ञान और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि से लैस करना था। सत्रों में अपराध की रोकथाम, असुरक्षित परिस्थितियों में महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता, अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बीच अंतर, भरोसा और शी टीमों से संपर्क करने के प्रोटोकॉल और शॉपिंग मॉल, सिनेमा थिएटर, होटल और लॉज आदि में जासूसी कैमरों की पहचान करने, कैसे संपर्क करें और किसे रिपोर्ट करें जैसे विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। तेलंगाना सरकार के शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री बोर्रा वेंकटेशम ने एक सभा को सम्मोहक संबोधन दिया, जिसमें एनएसएस संगठन और पुलिस विभाग के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया। एक महत्वाकांक्षी और प्रेरक कदम में, हैदराबाद एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) स्वयंसेवकों के समर्पित प्रयासों से भारत का सबसे सुरक्षित और सबसे अच्छा शहर बनने के लिए तैयार है। यह पहल सुरक्षा, सामुदायिक कल्याण और प्रगतिशील विकास के लिए शहर की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने उनसे बाल शोषण, नशीली दवाओं के दुरूपयोग, यातायात के मुद्दों और जासूसी कैमरों के आक्रामक उपयोग जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों का मुकाबला करने में एकजुट होने का आग्रह किया। इन चुनौतियों की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सामुदायिक सहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उनकी उपस्थिति ने एक सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने में एनएनएस, एनसीसी, और आरईडी क्रॉस सदस्यों जैसे संगठनों के साथ सहयोग करने के लिए कानून प्रवर्तन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। एनसीसी कैडेट अपने-अपने कॉलेजों में अपने समकक्षों को प्रशिक्षित करेंगे और बदले में वे सभी अपना समय समुदाय तक पहुंचने और जनता के बीच जागरूकता पैदा करने में लगाएंगे।

अमृतधाम आश्रम में 14 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में सुधांशु महाराज के नारसींगी स्थित अमृतधाम आश्रम में गुरू पुर्णीमा महोत्सव का अयोजन 14 जुलाई को किया गया है।

विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मिडीया प्रभारी राजकुमार दायमा नें बताया कि, ईश्वर ने हमें सिद्ध व समर्थ सद्गुरुदेव सुधांशु महाराज का सान्निध्य दिया। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल में "गुरू-पुर्णीमा-महोत्सव" रविवार दिनांक 14 जुलाई को अमृतधाम आश्रम में सुबह ठीक 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक मनाया जाएगा।

मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर और मिशन हैदराबाद मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने सत्संग धर्म प्रेमी और गुरूभक्तों को इस महोत्सव में भाग लेने की अपील की है।

इस्कॉन द्वारा जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाएगी

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) कुकटपल्ली शाखा 7 जुलाई को श्री जगन्नाथ रथ यात्रा-2024 का आयोजन करेगी। संगठन के प्रतिनिधि जी. महाश्रृंग दास ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्री जगन्नाथ रथ यात्रा रविवार को दोपहर 2.30 बजे निजामपेट के श्री मैसम्मा मंदिर से शुरू होगी। उन्होंने बताया कि रथ यात्रा कुकटपल्ली जेएनटीयू, विवेकानंद प्रतिमा मुख्य मार्ग और भाजपा कार्यालय से होते हुए मेट्रो शॉपिंग मॉल के पीछे हुडा ट्रक पार्किंग क्षेत्र में पहुंचेगी। वे शुक्रवार को हैदराबाद में एनएसएस में एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि श्री जगन्नाथ यात्रा में हजारों भक्त शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान यातायात को समन्वित करने के लिए करीब 500 युवाओं की टीम काम करेगी। अंजनी कुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल और पुरुषोत्तम अग्रवाल को आधिकारिक तौर पर जगन्नाथ रथ यात्रा समिति का आयोजक नियुक्त किया गया है। रथ यात्रा के दौरान अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, रूस और यूक्रेन की 12 सदस्यीय टीम मौजूद रहेगी। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव मधुर भजनों और विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों के बीच सुखद उत्सव के माहौल में आध्यात्मिक तरीके से जारी रहेगा। यात्रा के दौरान विभिन्न मंडलियों द्वारा पारंपरिक कोलाटम नृत्य किया जाएगा और सदस्यों को विशेष स्मृति चिन्ह भेंट किए जाएंगे। इस रथ यात्रा के दौरान रास्ते में हजारों भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। दास ने कहा कि इस रथ यात्रा में प्रतिभागी आरती करेंगे और भगवान के रथ को खींचेंगे। इसी तरह, इस महीने की 9 तारीख को सिकंदराबाद के क्लासिक गार्डन में शाम 5.30 बजे छप्पन भोग, कीर्तन, महाआरती और नृत्य कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर इस्कॉन के प्रतिनिधि अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, ओक्साना, देवरूपा देवीदास, अंजनी देवी, चंदना, गिरि गोवर्धन दास, हरिदेव, रत्नलेखा, अमृता गोपाल दास व अन्य उपस्थित थे।

रेलवे का आम रेल यात्रियों की सुविधाओं पर फोकस : कोच उत्पादन में वृद्धि

रेलवे ने 2024 और 2025 के दौरान 10 हजार नॉन-एसी कोचों के उत्पादन में तेजी लाई

नई दिल्ली/हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आम यात्रियों के जीवन को आसान बनाने के लिए, भारतीय रेलवे ने अगले दो वर्षों के लिए लगभग 10,000 नॉन-एसी कोचों के उत्पादन की योजना बनाई है। अधिकारियों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान, लगभग 10000 कोचों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसमें 5300 से अधिक जनरल कोचों की रिकॉर्ड संख्या शामिल है। वित्त वर्ष 2024-25 में, रेलवे ने अमृत भारत जनरल कोचों सहित 2605 जनरल कोच, अमृत भारत स्लीपर कोचों सहित 1470 नॉन एसी स्लीपर, अमृत भारत एसएलआर कोचों सहित 323 एसएलआर कोच, 32 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 55 पेंट्री कार बनाने की योजना बनाई है। वित्त वर्ष 2025-26 में रेलवे ने अमृत भारत जनरल कोच सहित 2710 जनरल कोच, अमृत भारत स्लीपर कोच सहित 1910 नॉन एसी स्लीपर, अमृत भारत एसएलआर कोच सहित 514 एसएलआर कोच, 200 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 110 पेंट्री कार बनाने की योजना बनाई है। रेल सेवा की मांग गतिशील है और मौसमी बदलावों, यात्री यातायात में वृद्धि आदि के आधार पर घटती/बढ़ती रहती है। कोचों की आवश्यकता इन कारकों पर आधारित होती है और वार्षिक कोच उत्पादन कार्यक्रम में शामिल की जाती है। कोचों का उत्पादन आम तौर पर आवश्यकता के अनुरूप होता है।

संयुक्त मदनूर की जनता गैस सबसिडी से दूर

मदनूर, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कोग्रेस सरकार स्थापित होने के बाद छह ग्यारंटी योजना अंतर्गत मदनूर मंडल में स्थानिक कुछ जनता को इस योजना का लाभ मिल रहा है और कुछ लोगो नही मिल रहा है। विधान सभा चुनाव के अंतर्गत कांग्रेस द्वारा चुनाव दिए गए छह ग्यारंटी योजना के आश्वासन देते हुए बताए की अगर तेलंगाना में कांग्रेस सरकार स्थापित होने के बाद हर एक महिला को महालक्ष्मी योजना अंतर्गत निशुल्क बस प्रवास, 500 रूपये सबसिडी से रसोई गैस व ग्रह ज्योति योजना के माध्यम से 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने का आश्वासन दिया। संयुक्त मदनूर मंडल के बड़ा टाकली निवासी शेख ताहेर, मदनूर मंडल केंद्र निवासी यलव्वा ने बताया कि महा लक्ष्मी योजना के अंतर्गत पांच सौ रुपए सबसिडी पर मिलने वाली रसोई गैस हमें नही मिल रहा है। इस के बारे में रसोई गैस डीलर से पूछताछ करने पर बताते है की तेलंगाना सरकार द्वारा सबसिडी आपके बैंक खाते में जमा की जाएगी।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वालों द्वारा अमावस्या के दिन गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में क़रीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्नदान वितरित किया गया। अवसर पर मुकुंद लाल अग्रवाल, देवांश अग्रवाल, श्रीमती ललिता अग्रवाल, राखी अग्रवाल आदि।

शंमशेरगंज स्थित शिवमंदिर गौशाला में आज अमावस्या के अवसर उपस्थित श्रद्धालु ।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर अध्यक्ष मंगलाराम पवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग, सचिव हुकमाराम सानपुरा, भंवरलाल मुलेवा, पारसमल शर्मा, बाबूलाल मुलेवा, कालुराम काग, भगाराम मुलेवा, कानाराम, हीरालाल, मोतीलाल, अर्जुन, भंवरलाल बरफा, किशनाराम पंवार अवसर पर महिला मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए और चारा दान किया गया।

फ्रेंड्स ग्रुप घोड़े की खबर, मंगलहाट द्वार अमावस्या के अवसर पर अन्नदान किया गया। जिसमें उपस्थित मनोज अग्रवाल, सचिन, श्याम अग्रवाल, महेश अन्ना, धीरेन्द्र, विक्रम, अजय, यश अग्रवाल, नितिन एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

केंद्रीय श्रम सचिव ने रोजगार और श्रम सुधारों पर उद्योग संवाद में भाग लिया

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुश्री सुमिता डावरा 5 जुलाई, 2024 को हैदराबाद के होटल ट्राइडेंट में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), तेलंगाना और भारतीय नियोक्ता संघ (ईएफआई) द्वारा आयोजित रोजगार और श्रम सुधारों पर संवाद में भाग लेने के लिए हैदराबाद पहुंचीं। संवाद सत्र में केंद्रीय श्रम मंत्रालय, राज्य श्रम मंत्रालय, उद्योग प्रतिनिधियों (सीआईआई के सदस्य), ईपीएफओ और ईएसआईसी आदि के आधिकारिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस संवाद सत्र का उद्देश्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) सुधारों, श्रम और रोजगार सुधारों, महत्वपूर्ण श्रम और रोजगार मुद्दों पर एक व्यापक अवलोकन प्रदान करना और सरकार के साथ उद्योग सहयोग के लिए रास्ते तलाशना था, जिसमें नीति, प्रक्रियात्मक और तकनीकी हस्तक्षेप के रूप में समग्र समाधान की परिकल्पना की जा सके। सत्र में तीन विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस- श्रम और रोजगार सुधारों पर संवाद, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ उद्योग बातचीत, राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल (एनसीएस) पोर्टल और भारत कौशल रिपोर्ट पर बातचीत। विभिन्न श्रम कानूनों और सुधारों जैसे नए श्रम संहिता, ईपीएफओ और ईएसआईसी और राष्ट्रीय कैरियर सेवा आदि की व्यापार करने में आसानी की पहल पर प्रश्न और उत्तर सत्र के दौरान उपस्थित लोगों ने उत्सुकता से भाग लिया। श्रम सचिव भी विचार-विमर्श में समान रूप से शामिल थे और उन्होंने भारत सरकार द्वारा उचित स्तर पर जांच के लिए कुछ सुझावों को नोट किया। उन्होंने भागीदारी के साथ-साथ कार्यक्रम के संचालन पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की और उनका विचार था कि इस तरह के कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में नियमित अंतराल पर आयोजित किए जा सकते हैं। राज्य श्रम विभाग का प्रतिनिधित्व तेलंगाना सरकार के प्रधान श्रम सचिव श्री संजय कुमार ने किया। सीआईआई का प्रतिनिधित्व करने वाले सीबीटी सदस्य श्री सौगत रॉय चौधरी, ईएफआई का प्रतिनिधित्व करने वाले सीबीटी सदस्य श्री मधु दामोदरन और ईपीएफओ के केंद्रीय बोर्ड में भारतीय मजदूर संघ का प्रतिनिधित्व करने वाले सीबीटी सदस्य श्री सुंकारी मल्लेशम ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस सत्र में भाग लेने वाले ईपीएफओ के प्रमुख उपस्थित लोगों में श्री एमएसकेवीवी सत्यनारायण, अपर केन्द्रीय आयुक्त, मुख्यालय, श्री आरिफ लोहानी, अपर केन्द्रीय आयुक्त (तेलंगाना), डॉ. शिव कुमार, आरपीएफसी-I (आरओ, हैदराबाद-I), अश्विनी कुमार गुप्ता, आरपीएफसी-I, मुख्यालय और विशाल अग्रवाल, आरपीएफसी-I (आरओ, पठानचेरुवु) शामिल थे। सरकार और उद्योग के बीच इस तरह की बातचीत से श्रमिकों और उद्योग दोनों के लिए सकारात्मक उद्योग वातावरण बनाने के लिए किए गए बदलावों और कदमों के बारे में जागरूकता पैदा होती है।

नगरसेवक राकेश जयसवाल ने वीवी प्राइमरी स्कूल जामबाग डिवीजन में जीएचएमसी द्वारा आयोजित डेंगू और मलेरिया जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में श्रीमती रेणुका, अमरजा जोशी, राजू, डॉ. सुभाष, रामकृष्ण, दिलीप, राजशेखर, प्रवीण और स्कूल स्टाफ शामिल हुए।

अमावस्या के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना की ओर से गौसेवा एवं अन्न दान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण, येरम श्रीनिवास, आर. श्रीकांत नानी, रविकांत, सुनील अग्रवाल, नरेश राज, रामेश्वर मिश्रा आदित्य मुदिराज, विजय मुदिराज, तरुण, धीरज और अन्य की उपस्थिति थे।

आषाढ अमावस्या के अवसर पर विश्वमंगल गौशाला में भक्तों द्वारा गौसेवा दी गई। जिसमें रतनलाल सोलंकी, महेन्द्रसिंह आगलेचा, डुंगाराम सीरवी, दोलाराम, नेताराम सुथार, राकेश वैष्णव, देवाराम सीरवी, लुम्बाराम, सांवलाराम, मंगनाराम, गेनाराम, महिला मण्डल(मुलुगु), गोगाराम, जसराज। भजन प्रस्तुति देते हुए शेकदास, जयराम, अमरनाथ, डालुसिंह आदि। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष टी वी सुरेश, उदय भास्कर, संगीता सीरवी आदि सहभागी हुए।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, सत्यनारायण मौसून, पंकज वर्मा, शरद वर्मा, मनोज सोनी, महेश जवड़ा, नंदू मायच्छ, दिनेश दैवाल, सुरेश परवाल, रघुवीर अग्रोया, अभिषेक अग्रोया, श्रीनिवास परवाल, लोकेश सुंडालिया, पुरषोत्तम गुप्ता एवं अन्य।

अमावस्या के अवसर गगनपहाड़ स्थित सत्यमशिवम सुंदर गौ निवास में गो माताओं को चारा खिलाते हुए श्रद्धालु ।

अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला गौलीगुडा में गौसेवा करते हुए सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, मनिलाल शाह, पी राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, एम नरसिंग राव, प्रेमचंद मुंडत, कुशल चंद जैन एवं सुरेश यादव आदि।

भोनगिरी स्थित वीर तेजाजी महाराज मंदिर में आगामी कार्यकाल के लिए कोषाध्यक्ष धर्माराम कड़वा, सहकोषाध्यक्ष मोहनलाल चांगल के चुने जाने पर स्वागत कर शुभकामनाएँ देते हुए समाज बन्धु।

अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला में गौसेवा करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित, अनिल यादव, राहुल एवं अन्य।

मेडचल रोड कालाकल स्थित या देवी श्रीआईजी गौशाला में आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर गौ सेवा करते हुए ताराराम सिरवी, छोगाराम, शिवा राम, प्रकाश, नारायणलाल, पूनम, प्यारी देवी, सुनिया बाई, गवरीबाई, मंजु, लीला देवी, पानीदेवी, कमलादेवी एवं अन्य।

ओलिंपिक स्क्वाड से मोदी की चर्चा

› नीरज चोपड़ा से कहा-चूरमा कब खिलाओगे › प्रियंका गोस्वामी से पूछा-आपके बालकृष्ण कहां हैं

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलिंपिक में भाग लेने वाले एथलीट्स से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत की। उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा से चूरमा खिलाने के लिए भी कहा। नीरज चोपड़ा ने मोदी से बातचीत की शुरुआत करते हुए उन्हें नमस्ते किया और कहा कि आप कैसे हैं, मोदी ने इनके इस सवाल पर जवाब दिया, 'वैसे ही हैं। तेरा चूरमा तो आया ही नहीं।'

इस पर नीरज चोपड़ा ने शर्माते हुए कहा, 'जरूर लेकर आएंगे सर। पिछली बार दिल्ली में चीनी वाला चूरमा था। हरियाणा का चूरमा लेकर आपको खिलाऊंगा।' पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा से कहा, 'मुझे तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है।' इस पर नीरज ने वादा करते हुए कहा, 'पक्का सर।'

पीएम बोले-मुझे भरोसा है खिलाड़ी अपना 100 प्रतिशत देंगे

पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होना है। ओलिंपिक खिलाड़ियों से मोदी ने बातचीत में कहा- मुझे भरोसा खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, ये 140 करोड़ देशवासियों में आशा जगाते हैं। मैं आश्वस्त हूं कि एथलीट अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करके भारत को गौरवांवित करेंगे। मोदी ने पहली बार ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली बॉक्सर निखत जरीन सहित कई शूटरों से बातचीत की और उनकी तैयारियों को जाना।

सिंधु ने नए खिलाड़ियों से कहा कि प्रेशर न लें अपने खेल पर फोकस रखें

पीवी सिंधु ने कहा कि मेरा तीसरा ओलिंपिक है। 2016 रियो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल लेकर आई थी। टोक्यो में ब्रॉन्ज मेडल लेकर आई थी। इस बार कलर चेंज करके लौटना चाहती हूं। मोदी ने सिंधु से कहा कि आप नए प्लेयर्स से क्या कहना चाहेंगी। सिंधु ने कहा कि ओलिंपिक में कई लोग प्रेशर में रहते हैं और ओलिंपिक में भाग लेने को लेकर उत्साहित रहते हैं। मेरा कहना है कि आपको फोकस रखना है और अपना 100 प्रतिशत देना है।

प्रियंका गोस्वामी से पूछा-आपके बालकृष्ण कहां है

वॉकर प्रियंका गोस्वामी से पीएम मोदी ने बातचीत की शुरुआत करते हुए पूछा, 'बालकृष्ण कहां हैं। क्या आपके साथ हैं।' गोस्वामी ने जवाब दिया, 'वह मेरे साथ स्विटजरलैंड में ही हैं। यह मेरा और उनका दूसरा ओलिंपिक है। तीन महीने से मैं देश के बाहर ही प्रैक्टिस कर रही हूं। पहले ऑस्ट्रेलिया में ट्रेनिंग किया और अब स्विटजरलैंड में प्रैक्टिस कर रही हूं।'

दरअसल, प्रियंका अपने साथ अपने बालकृष्ण (भगवान लड्डू गोपाल) की मूर्ति साथ रखती हैं। पीएम ने उनसे कहा कि तुम्हारी शिकायत थी कि तुम्हारा खेल कोई नहीं देखता, अब प्रैक्टिस में लोग आपको खेलते देखते हैं। गोस्वामी ने जवाब दिया कि विदेशों में यह इवेंट अन्य खेलों की तरह ही प्रचलित है। पर आपकी ओर से बढ़ावा देने के बाद देश में भी यह इवेंट काफी प्रचलित हुआ है।

खेलों के महाकुंभ में हाकी प्रतियोगिता का आगाज

कुल 14 टीमें दिखाएंगी अपना हुनर

अजमेर, 5 जुलाई (एजेंसियां)। नगर निगम द्वारा आयोजित सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेलों का महाकुंभ का आयोजन रहा है। इस कड़ी में आज चंद्रवरदाई खेल मैदान पर हॉकी मैच का शुभारंभ हुआ। अजमेर हॉकी संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल के महाकुंभ में हॉकी टूर्नामेंट में हॉकी की 14 टीम में भाग ले रही हैं, जिसमें लड़कों की 8 टीमें तथा लड़कियों की 6 टीम हिस्सा ले रही है। इस आयोजन में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का भरपूर अवसर मिल रहा है।

अध्यक्ष शेखावत ने खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहाकि खेल एक आराधना है और आराधना जितनी भी की जाए उतनी कम है। उन्होंने यह भी कहा कि अब पहले वाला जमाना नहीं है कि पढ़ने लिखने से ही आगे बढ़ा जाए, खेलकूद में भी आगे बढ़ने के कई अवसर है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कई खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाकर खिलाड़ियों के आदर्श तथा मार्गदर्शक बने हैं। हमें अपने जीवन में भी कुछ ऐसा करने की आवश्यकता है। हॉकी के शुभारंभ मैच के मुख्य अतिथि पूर्व आईएस सी.आर. मीणा तथा दयानंद कॉलेज के प्रिंसिपल लक्ष्मीकान्त ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मीणा ने कहा कि अब समय आ गया है लोगों को मोबाइल छोड़कर खेलों की तरफ बढ़ना चाहिए। मैं आयोजन करने वालों को बधाई देता हूं कि उन्होंने खिलाड़ियों को खेल की ओर अग्रसर किया। इस महाकुंभ में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अच्छा मौका मिलेगा, जिससे वह अजमेर शहर का नाम रोशन करेंगे।

रोहित-बुमराह प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट

› आईसीसी ने जून महीने के लिए तीन नॉमिनेशन का ऐलान किया › अफगानिस्तान के गुरबाज भी शामिल

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी-20 वलर्ड कप के बाद जून महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ खिताब के दावेदार की घोषणा कर दी है। इसमें 17 साल बाद टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह के अलावा अफगानिस्तान के बैटर रहमानुल्लाह गुरबाज को शामिल किया गया है।

टीम इंडिया के टॉप स्कोरर रहे रोहित

टी-20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा भारत की ओर से टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 8 मैचों में 36.71 की औसत और 156.7 की शानदार स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए। रोहित ने सुपर-8 में वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 गेंदों में 92 रन की पारी खेली। वहीं सेमीफाइनल में उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ भी 39 गेंदों पर 57 रन बनाए थे।

बुमराह बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी टी-20 वर्ल्ड कप में प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। उन्होंने 8 मैचों में 4.17 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की और 15 विकेट भी लिए। वह टीम इंडिया के दूसरे टॉप विकेट टेकर रहे। वह प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे।

गुरबाज ने इस टूर्नामेंट में बनाए सबसे ज्यादा रन

अफगानिस्तान के ओपनर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज का प्रदर्शन भी टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार रहा। वह टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर भी रहे। गुरबाज ने 8 मैचों में 124.33 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज की और 281 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 3 अर्धशतक भी जमाया।

आज एजबेस्टन में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। युवराज सिंह की कप्तानी में इंडिया चैंपियंस वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 में अपना दूसरा मुकाबला पाकिस्तान चैंपियंस के साथ शनिवार यानी 6 जुलाई को खेलेगी। दोनों टीमों के बीच ये मैच एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम इस लीग में शानदार खेल रही है और इस टीम ने यूनिस खान की कप्तानी में अपने पहले दोनों मुकाबले जीते हैं तो वहीं युवराज सिंह की कप्तानी में भारत ने अपना पहला मैच जीत लिया था और पाकिस्तान के खिलाफ ये उसका दूसरा मैच होगा। ये मैच भारतीय समय के मुताबिक रात 9 बजे से खेला जाएगा।

इस लीग में पाकिस्तान की टीम ने अब तक 2 मैच खेले हैं और उसके 4 अंक हैं और अंकतालिका में पहले नंबर पर है। वहीं भारत की बात करें तो इस टीम ने एक मैच में जीत दर्ज की है और उसके 2 अंक हैं। भारत को आगे बढ़ने के लिए इस मैच में जीतना बेहद जरूरी होगा तो वहीं पाकिस्तान की कोशिश होगी कि वो इस मैच में जीत दर्ज करते हुए अंकतालिका में अपनी स्थिति और मजबूत करे जिससे कि उसका सेमीफाइनल में पहुंचना आसान हो जाए।

नीरज चोपड़ा लीड करेंगे-पारुल चौधरी दो इवेंट में भाग लेने वाली इकलौती खिलाड़ी

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलिंपिक के लिए 28 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा कर दी है। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। नीरज चोपड़ा के साथ ही इस बार जेवलिन में किशोर जेना भी भाला फेंकते हुए नजर आएंगे। वहीं पिछले साल एशियन गेम्स में महिलाओं के जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतने वाली अन्नू रानी भी पेरिस में जेवलिन थ्रो में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। पेरिस ओलिंपिक के लिए 28 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम में 17 पुरुष और 11 महिला एथलीट शामिल हैं।

8 एथलीट टोक्यो ओलिंपिक में ले चुके हैं हिस्सा

नीरज चोपड़ा और अन्नू रानी के अलावा, पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, पुरुषों मे एशिया के टॉप शॉट पुटर में से एक तजिंदरपाल सिंह तूर, महिला रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी और 4x400 मीटर रिले धावक मोहम्मद अनस, अमोज जैकब और सुभा वेंकटेशन तीन साल पहले टोक्यो में हिस्सा ले चुके हैं। मोहम्मद अनस भारतीय पुरुष 4x400 मीटर रिले टीम का हिस्सा हैं और लगातार तीसरी बार ओलिंपिक गेम्स में भाग लेंगे। पारुल चौधरी 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगी। वह दो इंडिविजुअल इवेंट में भाग करने के लिए चुनी गई एकमात्र एथलीट हैं। उन्होंने पिछले साल एशियन गेम्स में 5000 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था और 3000 मीटर स्टीपलचेज में सिल्वर मेडल जीता था। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि सूरज पंवार मिक्स्ड मैराथन इवेंट में प्रियंका गोस्वामी के साथ हिस्सा लेंगे। अक्षदीप सिंह, राम बाबू, विकास सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट और सूरज पंवार सभी पेरिस ओलिंपिक में पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा के लिए क्वालिफाई थे। सूरज ने वर्ल्ड रैंकिंग के जरिए जगह बनाई, जबकि बाकी चार ने प्रवेश मानक को पूरा किया था।

पुरुष : अविनाश साबले (3,000 मीटर स्टीपलचेज), नीरज चोपड़ा, किशोर कुमार जेना (जेवलिन), तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), प्रवीण चित्रवेल, अबुल्ला अबूबकर (ट्रिपल जंप), अक्षदीप सिंह, विकास सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट (20 किमी वॉक रेस), मुहम्मद अनस, मुहम्मद अजमल, अमोज जैकब, संतोष तमिलारासन, राजेश रमेश (4×400 मीटर रिले), मिजो चाको कुरियन (4×400 मीटर रिले), सूरज पंवार (वॉक मिक्स्ड मैराथन), सर्वेश अनिल कुशारे (हाई जंप)।

महिला : किरण पहल (400 मीटर), पारुल चौधरी (3,000 मीटर स्टीपलचेज और 5,000 मीटर), ज्योति याराजी (100 मीटर हर्डल रेस), अन्नू रानी (जेवलिन थ्रो), आभा खटुआ (शॉट पुट), ज्योतिका श्री दांडी, सुभा वेंकटेशन, विथ्या रामराज, पूवम्मा एमआर (4×400 मीटर रिले), प्राची (4×400 मीटर), प्रियंका गोस्वामी (20 किमी वॉक रेस)।

पंकज आडवाणी एशियाई बिलियड्र्स के फाइनल में

रियाद, 5 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष क्यूइस्ट पंकज आडवाणी ने क्वार्टरफाइनल में हमवतन श्रीकृष्ण सूर्यनारायणन को 5-0 से और सेमीफाइनल में सौरव कोठरी को 5-0 से हराकर एशियाई बिलियड्र्स चैंपियनशिप के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया है। सूर्यनारायणन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में, पंकज ने अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। उनका प्रभुत्व स्पष्ट था क्योंकि उन्होंने लगातार अपने प्रतिद्वंद्वी को सटीकता और चालाकी से हराया।

शुरुआती फ्रेम ने माहौल तैयार कर दिया, जिसमें पंकज ने 100 का स्कोर बनाया, जबकि श्रीकृष्ण ने कड़ी चुनौती पेश करते हुए 78 का ब्रेक हासिल किया। हालांकि, पंकज की बेहतर ब्रेक-बिल्डिंग क्षमता ने उन्हें बढ़त दिलाई और पहले फ्रेम में जीत हासिल की। दूसरे फ्रेम में उनका कौशल और अधिक स्पष्ट हो गया, जहां उन्होंने श्रीकृष्ण के 26 की तुलना में 100 अंक और बनाए। तीसरे फ्रेम में पंकज ने 102 के ब्रेक के साथ अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखा। श्रीकृष्ण केवल 32 का स्कोर बनाने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने अपने कुशल स्कोरिंग के साथ श्रीकृष्ण को दूर रखने के लिए अभूतपूर्व ब्रेक बनाए। पंकज ने 101 के एक और ब्रेक के साथ मैच समाप्त किया, जबकि श्रीकृष्ण ने 2 अंक बनाए। सौरव के खिलाफ सेमीफ़ाइनल मैच में, पंकज एक उल्लेखनीय मैच में लगातार पाँच फ्रेमों में अपने प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहे। तालिका में उनकी महारत स्पष्ट थी क्योंकि उन्होंने प्रत्येक फ्रेम में 100 का स्कोर बनाया था। मैच की शुरुआत में पंकज ने तेजी से नियंत्रण हासिल करते हुए 100 अंक बनाए, जबकि सौरव अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद 29 अंक बनाने में सफल रहे, लेकिन पंकज के तेज खेल की बराबरी करने में असमर्थ रहे। दूसरे फ्रेम में पंकज ने अपनी गति जारी रखी और एक और 100 का स्कोर बनाया। सौरव ने अपने प्रदर्शन में थोड़ा सुधार किया और 33 का स्कोर बनाया।

अगले तीन फ्रेम में पंकज का कौशल पूरे प्रदर्शन पर था क्योंकि उन्होंने सौरव के 38, 21 और 0 की तुलना में 101, 100 और 100 का स्कोर बनाया। पूरे मैच के दौरान पंकज का प्रदर्शन शानदार रहा। लगातार 100 के ब्रेक और टेबल पर प्रभावी उपस्थिति के साथ, उन्होंने शीर्ष स्तरीय बिलियड्र्स खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की और फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया।

भारत की महिला एथलीट को नाडा ने निलंबित किया, डोप जांच में रही थीं विफल

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने राष्ट्रीय अतंर राज्यीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली भारत की शीर्ष महिला 400 मीटर धाविका दीपांशी को डोप जांच में विफल होने के कारण निलंबित किया। 21 साल की दीपांशी ने शुक्रवार को पंचकुला में महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में किरण पहल (50.92 सेकेंड) के बाद 52.01 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया था। टूर्नामेंट के दौरान लिए गए डोप नमूने में 'एनाबोलिक स्टेरायड' मिला है।

ये नमूने 27 जून को (हीट रेस के बाद या सेमीफाइनल में) लिए गए थे। 27 से 30 जून तक हुए राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में यह पहला डोप पॉजिटिव मामला सामने आया है जो पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी था। दीपांशी राष्ट्रीय शिविर में ट्रेनिंग नहीं करतीं।

जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच नियुक्त कर लेगा एआईएफएफ

नई दिल्ली, 5 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि वह इस महीने के आखिर तक राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति कर लेगा जिसके लिए उसे दुनिया भर से आवेदन मिले हैं।

इस पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त हो गई और एआईएफएफ ने कहा कि उसे कुल 291 आवेदन मिले हैं। इसमें से 100 आवेदकों के पास यूईएफए प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है, जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा और तीन के पास कॉनमेबोल लाइसेंस हैं। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बयान में कहा, 'हमें बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं और कई ख्याति प्राप्त कोच ने भारत में दिलचस्पी दिखाई है। हमें उम्मीद है कि हम जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच की नियुक्ति कर देंगे ताकि भारत सितंबर में फीफा विंडो का फायदा उठा सके।' एआईएफएफ ने भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफायर्स के तीसरे दौर में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद पिछले महीने इगोर स्टीमक को मुख्य कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। तभी से यह पद खाली पड़ा है।

इक्वाडोर को पेनल्टी में शूट कर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में

ह्यूस्टन, 5 जुलाई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका कप में लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अर्जेंटीना का सेमीफाइनल में वेनेजुएला बनाम कनाडा मैच के विजेता से शुक्रवार को मुकाबला होगा जो 9 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। एनआरजी स्टेडियम पर मौजूदा चैंपियन के कब्जे के बावजूद, इक्वाडोर अधिक खतरनाक था, मैच के पहले तीन शॉट्स में, जिसमें सरमिएंटो शॉट पर एमिलियानो मार्टिनेज द्वारा महत्वपूर्ण बचाव भी शामिल था। अर्जेंटीना के लिए पहला अच्छा मौका एंज़ो फर्नांडीज के माध्यम से आया: एक हेडर और एक पलटवार के बाद एक कॉर्नर मिला। मेसी के कार्नर से, मैक एलिस्टर के बाद लिसेंड्रो मार्टिनेज का दूसरा हेडर, अलेक्जेंडर डोमिंगुएज़ ने बचा लिया लेकिन गेंद पहले ही गोल रेखा पार कर चुकी थी। पहले हाफ के अंतिम मिनटों में, निकोलस गोंजालेज के एक प्रयास ने एल्बीसेलेस्टे को दूसरे गोल का मौका दिया, लेकिन इक्वाडोर की रक्षा फिर से संगठित होने और खतरे को बेअसर करने में कामयाब रही। स्कालोनी की टीम मध्यांतर के बाद 1-0 की बढ़त के साथ उतरी। दूसरे हाफ की शुरुआत धीमी गति से हुई लेकिन मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। 55वें मिनट में डिबू मार्टिनेज की लंबी गेंद के बाद लुटारो मार्टिनेज ने मौका बनाया। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर ने इसे अपनी छाती से नियंत्रित किया, मुड़े और डोमिंगुएज़ के गोल के ठीक सामने बाएं पैर से शॉट लगाने से चूक गया।

इक्वाडोर ने अपने खेल से अर्जेंटीना को परेशान कर दिया और रोड्रिगो डी पॉल के हैंडबॉल के बाद पेनल्टी अर्जित की, लेकिन एनर वालेंसिया का शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना ने जश्न मनाया। फ़ेलिक्स सांचेज़ की टीम आगे बढ़ी लेकिन स्टॉपेज टाइम तक स्पष्ट मौके बनाने में विफल रही जब येबोआ के क्रॉस पर केविन रोड्रिग्ज के हेडर ने मैच 1-1 से बराबर कर दिया, अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका में इस तरह अपना पहला गोल खाया ।

आधी रात को 6 बीआरएस एमएलसी कांग्रेस में शामिल

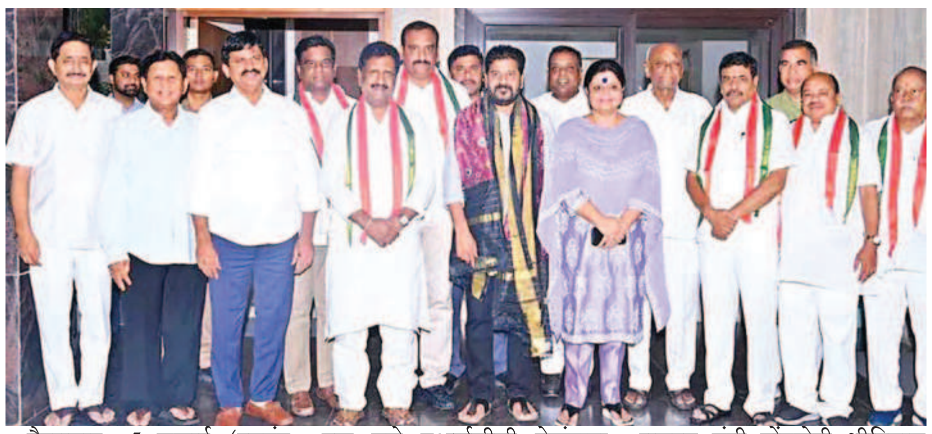

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को एक और झटका लगा जब उसके छह विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) गुरुवार देर रात कांग्रेस में शामिल हो गए। छह बीआरएस एमएलसी में भानु प्रसाद, बसवराज सरैया, संदीप विट्ठल, एमएस प्रभाकर, येगे मल्लेशम और बोग्गारपु दयानंद शामिल हैं। गुरुवार देर रात करीब एक बजे एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने उनका औपचारिक रूप से पार्टी में स्वागत किया।

बीआरएस के सभी एमएलसी रात करीब 11.30 बजे एक होटल में मिले और फिर मुख्यमंत्री के नई दिल्ली से शहर में उतरने के तुरंत बाद वे जुबली हिल्स स्थित उनके आवास की ओर चल पड़े। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया और कुछ ही मिनटों में उनका कांग्रेस में विधानसभा प्रवेश हो गया। उल्लेखनीय है कि दानम नागेंद्र, कडियम श्रीहरि, तेलम वेंकट राव, पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, डॉ. संजय कुमार और काले यदैया सहित बीआरएस विधायक पहले ही कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं।

सीएम ओवरसीज छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू

7 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त तफ़सीर इक़बा ने एक नोटिस में कहा कि राज्य अल्पसंख्यक विभाग ने मुख्यमंत्री प्रवासी छात्रवृत्ति की मंजूरी के लिए 8 जुलाई से 7 अगस्त 2024 (शाम 5 बजे तक) उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। जिन छात्रों ने 1 जनवरी 2024 और 31 जुलाई 2023 के दौरान प्रवेश लिया है, वे छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवार 20 लाख रुपये या वास्तविक शुल्क, जो भी कम हो, तक की छात्रवृत्ति के लिए पात्र होंगे और आवेदन प्रक्रिया का विवरण www.telanganaepass.cgg.gov.in पर उपलब्ध है। इस योजना के अंतर्गत अल्पसंख्यक छात्र अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, जापान, फ्रांस और न्यूजीलैंड में स्थित विश्वविद्यालयों में पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

निर्मला सीतारमण से मिले चंद्रबाबू नायडू

आंध्र की वित्तीय सहायता बढ़ाने पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू केंद्रीय बजट की प्रस्तुति से पहले शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। उन्होंने कर्ज के बोझ दबे राज्य की वित्तीय सहायता बढ़ाने पर जोर दिया। सूत्रों ने बताया कि नॉर्थ ब्लॉक में बैठक के दौरान नायडू ने राज्य में चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनके लिए उन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

सूत्रों ने कहा, मुख्यमंत्री ने राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं और बढ़े हुए आवंटन की मांग के पीछे के तर्क को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान तेलुगू देशम पार्टी के मंत्री मौजूद थे। राज्य सरकार के डेटा के अनुसार, राज्य सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश का ऋण 2019-20 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 31.02 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 33.32 प्रतिशत हो गया है। यह पिछले पांच वर्षों में राज्य की राजकोषीय स्थिति में गिरावट का संकेत देता है।

नायडू ने इन मुद्दों पर जोर दिया :

चंद्रबाबू नायडू ने पोलावरम सिंचाई परियोजना, पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष सहायता और नई राजधानी अमरावती के विकास के लिए धनराशि की मांग की है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद उत्पन्न हुए मुद्दों के समाधान पर भी जोर दिया। यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह केंद्रीय बजट की प्रस्तुति से पहले हो रही है।

सूत्रों ने बताया कि सीतारमण ने चंद्रबाबू नायडू की चिंताओं को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि वह राजकोषीय बाधाओं के भीतर आंध्र प्रदेश की मांग पर गौर करेंगी।

बता दें कि आंध्र प्रदेश सीएम ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) केंद्र में भाजपा नीत एनडीए सरकार में एक महत्वपूर्ण साथी हैं।

होर्डिंग गिरने से वाहन चालक बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार की सुबह मोटर चालक उस समय चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए, जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के स्वागत में लगाया गया एक होर्डिंग कल रात जुबली हिल्स चेकपोस्ट पर गिर गया।

सुबह करीब 10.20 बजे खंभों से बंधा होर्डिंग अलग होकर व्यस्त सड़क पर गिरने ही वाला था। होर्डिंग को गिरता देख दो पहिया वाहन सवारों ने तुरंत रुककर खुद को बचाया। बाद में यातायात पुलिस कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से होर्डिंग को उचित तरीके से लगा दिया।

मोतीलाल हिरासत में, कहा - कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे युवा

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप II और III की रिक्तियों में वृद्धि की मांग को लेकर हाल ही में नौ दिनों की भूख हड़ताल करने वाले ग्रुप नौकरी के इच्छुक मोतीलाल नाइक ने शुक्रवार को कहा कि बेरोजगार युवा जल्द ही राज्य में कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। नामपल्ली में टीजीपीएससी में विरोध प्रदर्शन करते समय पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद उन्होंने कहा कि जिन बेरोजगार युवाओं ने तेलंगाना राज्य में कांग्रेस पार्टी को सरकार बनाने में मदद की थी, वे जल्द ही उसे सत्ता से हटा देंगे। सरकारी नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया और कांग्रेस सरकार से चुनावी आश्वासनों को पूरा करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवा नई दिल्ली का घेराव करेंगे और राहुल गांधी से उनकी पार्टी द्वारा तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं से विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने पर सवाल उठाएंगे। नाइक ने कहा कि अगर शुक्रवार शाम तक उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो तेलंगाना के युवा अगले दो-तीन दिनों में हैदराबाद में 30 लाख लोगों के साथ मार्च निकालेंगे। उन्होंने मांग की, 'सरकार को बेरोजगार युवाओं के साथ कोई चर्चा नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनकी मांगों को स्वीकार करना चाहिए और एक सरकारी आदेश जारी करना चाहिए।'

नाइक चाहते थे कि सरकार उनकी मांगों का समाधान करे, जिसमें ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के लिए उम्मीदवारों का चयन 1:50 के बजाय 1:100 के अनुपात में करना, ग्रुप-II रिक्तियों में 2,000 और ग्रुप-III रिक्तियों में 3,000 की वृद्धि करना, मेगा डीएससी अधिसूचना जारी करना और डीएससी को स्थगित करना शामिल है।

उन्होंने चेतावनी दी, 'अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम विरोध प्रदर्शन तेज करेंगे।' महिलाओं सहित कई सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार जो बैचों में आयोग पहुंचे थे, उन्हें भी हिरासत में लिया गया और स्थानीय पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया।

हैदराबाद के बाहरी इलाके में पुलिस ने फायरिंग कर लुटेरों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बाहरी इलाके में आउटर रिंग रोड के पास शुक्रवार को पुलिस ने लुटेरों के एक गिरोह को पकड़ने के लिए हवा में फायरिंग की।

रंगारेड्डी जिले के पेदा अंबरपेट में लुटेरों ने पुलिस दल पर हमला करने का प्रयास किया। इस दौरान नलगोंडा केंद्रीय अपराध स्टेशन के पुलिसकर्मियों ने हवा में फायरिंग कर कुख्यात पारदी गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर खड़े वाहनों को निशाना बना रहा था। पुलिस ने चोरी की लगातार घटनाओं से सतर्क होकर हाईवे पर गश्त बढ़ा दी थी।

नलगोंडा के एसपी शरत चंद्र पवार ने निगरानी के लिए विशेष टीमें गठित कीं। पुलिस ने संदिग्ध लुटेरों के एक गिरोह को देखकर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। अधिकारियों ने पुलिस को सतर्क किया और गिरोह का पीछा किया। चाकुओं से लैस गिरोह ने राचकोंडा और नलगोंडा के पुलिसकर्मियों पर हमला करने की कोशिश की, जिस वजह से नलगोंडा पुलिस को हवा में फायरिंग करनी पड़ी। पुलिस दो अपराधियों को पकड़ने में सफल रही, जबकि कुछ अन्य फरार होने में कामयाब रहे। पिछले महीने हाईवे पर लूट की कई वारदातें हुई थीं। पुलिस को संदेह है कि चारों वारदातों में एक ही गिरोह शामिल था।

बता दें कि 10 जून को चिटयाल में नकाबपोश बदमाशों ने अपनी कार में सो रहे एक परिवार को लूटा था। कार सुनसान सर्विस रोड पर खड़ी थी। गिरोह ने कार में सो रहे चार लोगों के परिवार के साथ मारपीट की और चार तोला सोना लूट लिया था।

तेलंगाना में टीचर का ट्रांसफर, 133 बच्चों ने स्कूल छोड़ा

मौजूदा स्कूल से 3 किमी दूर उसी जगह एडमिशन लिया जहां टीचर गए

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंचेरियाल में पोनकल के प्राइमरी स्कूल टीचर का ट्रांसफर हुआ, लेकिन यह बात उनके स्टूडेंट्स को बर्दाश्त नहीं हुई। इसलिए 133 स्टूडेंट्स ने वह स्कूल ही छोड़ दिया और सभी ने अक्कापेल्ली गुडा के उसी स्कूल में एडमिशन ले लिया है, जहां उनके टीचर का ट्रांसफर किया गया था।

बच्चों के चहेते ये टीचर जाजला श्रीनिवास हैं। वे 2012 से पोनकल प्राइमरी स्कूल में पढ़ा रहे थे। 1 जुलाई को ही श्रीनिवास का ट्रांसफर हुआ है। अक्कापेली स्कूल में 30 जून को महज 21 छात्र थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 154 हो गई है। हालांकि, श्रीनिवास यहां अकेले टीचर हैं।

12 साल पहले पोनकल आए थे श्रीनिवास :

जाजला श्रीनिवास जुलाई 2012 में जन्नाराम मंडल के इस स्कूल आए थे। तब यहां केवल 5 कक्षाएं, 2 टीचर और केवल 32 स्टूडेंट्स थे। श्रीनिवास के खेल-खेल में पढ़ाने के पैटर्न के चलते गांव के लोगों ने अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाने का फैसला किया। 133 बच्चों के स्कूल छोड़ने से पहले यहां 250 बच्चे थे। टीजीपल्ली, गोडगुडा, कामनपल्ली, किश्टपुर, इंदनपल्ली, गांधीनगर, जुविगुडा और जन्नाराम गांवों से छात्र आँटो में स्कूल में पढ़ने जा रहे हैं। यह स्कूल उनके पिछले स्कूल से 3 किमी दूर है।

जून में लग जाता था नो एडमिशन का बोर्ड :

जाजला ने इस स्कूल में बच्चों पर बहुत मेहनत की। उन्होंने अपने बाकी टीचर्स के साथ मिलकर बेस्ट रिजल्ट दिए। पिछले पांच साल से स्कूल के बाहर जून के आखिर में ही 'नो एडमिशन' का बोर्ड लग जाता था। मंडल के करीब 10 गांवों से बच्चे यहां पढ़ने के लिए आते थे। इस स्कूल से गुरुकुल एवं नवोदय परीक्षाओं में सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स सिलेक्ट होते रहे हैं।

छात्रा से शादी करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

महबूबनगर, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के गंदेड़ मंडल के एक गांव में छठी कक्षा की छात्रा से शादी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। गंदेड़ मंडल के एक गांव के मूल निवासी बीरप्पा ने गर्मी की छुट्टियों के दौरान उसी गांव की छठी कक्षा की छात्रा से शादी कर ली। पिछले महीने स्कूल खुलने के बाद, लड़की पिछले हफ्ते स्कूल में आ गई। रिपोर्ट के अनुसार, लड़की में बदलाव देखने के बाद, स्कूल के अधिकारियों ने तुरंत महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों को सूचित किया।

प्रारंभिक जांच के बाद और बाल कल्याण अधिकारी राधिका द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीरप्पा और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ बाल विवाह अधिनियम और पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार लड़की को राजकीय गृह में भेज दिया गया है।

नौकरी की अधिसूचना तुरंत जारी करें : राजाराम यादव

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी जनसभा के अध्यक्ष और छात्र और बेरोजगारी महासंघ के मानद अध्यक्ष डी. राजाराम यादव ने मांग की है कि कांग्रेस सरकार को चुनाव अभियान के दौरान बेरोजगार युवाओं से किए गए अपने सभी नौकरी के वादों को पूरा करना चाहिए। सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों ने शुक्रवार को तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया और राज्य सरकार से अपने चुनावी आश्वासनों को पूरा करने की मांग की।आंदोलनकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के समर्थन में, राजाराम यादव टीजीपीएससी कार्यालय आए और विरोध प्रदर्शन के लिए अपना समर्थन दिया। हालांकि, पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और गोशामहल स्टेडियम ले जाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए राजाराम यादव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बेरोजगारों को भड़काया है, जिन्होंने अपने वोटों से उनकी पार्टी को सत्ता में लाया, लेकिन मुख्यमंत्री बेरोजगार युवाओं की समस्याओं को भूल गए। उन्होंने कहा, "सत्ता में आने के बाद, मुख्यमंत्री अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे।"

बेरोजगारों के प्रति सरकार का व्यवहार सबसे घृणित रहा है।" राजाराम यादव ने पूछा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार ने छात्रों से बात करने का प्रयास भी नहीं किया है। संविधान और लोकतंत्र के रक्षक होने का दावा करने वाले राहुल गांधी तेलंगाना में इतनी बड़ी संख्या में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बावजूद क्यों नहीं बोल रहे हैं?" बीसी नेता ने मांग की कि राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं के साथ बातचीत करके किए गए वादों को तुरंत लागू करे। राजाराम यादव ने कहा, "सरकार जब तक अपना वादा पूरा नहीं करती, तब तक पिछड़ा वर्ग जनसभा बेरोजगारों की लड़ाई लड़ेगी। सरकार चाहे जिस बात को लेकर गंभीर हो। ग्रुप-2 में 2,000 और ग्रुप-3 में 3,000 नौकरियां जोड़ी जानी चाहिए। इसी तरह ग्रुप-1 में मुख्य परीक्षा के लिए 1:100 के अनुपात में उम्मीदवारों का चयन किया जाना चाहिए और मेगा डीएससी के माध्यम से 25,000 शिक्षक पदों को भरा जाना चाहिए।"

बिजली बिलों का भुगतान करने स्कैन करना होगा क्यूआर कोड

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल), जिसने 1 जुलाई को अपने ग्राहकों को आरबीआई का हवाला देते हुए बिजली उपयोगिता की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से बिजली बिलों का कथित तौर पर भुगतान करने के लिए बिजली बिलों पर क्यूआर कोड प्रिंट करने की योजना बना रही है।

सूत्रों के अनुसार, अगले महीने से उपभोक्ताओं को क्यूआर कोड वाले बिल उपलब्ध हो जाएंगे। उपभोक्ता अपने मोबाइल फोन से क्यूआर कोड को स्कैन करके बिल का भुगतान कर सकते हैं। डिस्कॉम के अधिकारियों ने दावा है कि नए नियमों के कारण बिल संग्रह पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ा है। अधिकारियों ने दावा किया कि शुक्रवार सुबह 10 बजे तक करीब 1.20 लाख उपभोक्ताओं ने अपने बिल का भुगतान कर दिया था।

वर्तमान में, बिलों का भुगतान कंपनी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप के माध्यम से बिल डेस्क - पीजीआई, पेटीएम - पीजी, टीए वॉलेट, टीजी / एपी ऑनलाइन, मीसेवा, टी-वॉलेट, बिल डेस्क (एनएसीएच) के माध्यम से किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि ग्राहकों के लिए अधिक सुविधाजनक उपायों के तहत बैंकों के साथ बैठक की गई है। आरबीआई के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए टीजीएसपीडीसीएल ने कहा कि वह 1 जुलाई से उन बिलर्स को भुगतान नहीं करेगा जो भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) का हिस्सा नहीं हैं। फोनपे, पेटीएम, गूगलपे और बैंकों जैसे सेवा प्रदाताओं ने आरबीआई के निर्देशों के अनुसार टीजीएसपीडीसीएल के बिजली बिल स्वीकार करना बंद कर दिया है।

हरीश राव ने छात्र संघ नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने बेरोजगारों और छात्र संघ नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की है, जिन्होंने अपने विरोध प्रदर्शन के तहत टीजीपीएससी का घेराव किया था। बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर नौकरी के वादे पूरे न करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार के वादों को याद दिलाने के लिए विरोध प्रदर्शन करने वाले बेरोजगारों और छात्र नेताओं को गिरफ्तार करना बहुत ही अत्याचार है। उन्होंने कहा, "यह एक घृणित कृत्य है कि टीजीपीएससी में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने जा रहे छात्रों, बेरोजगारों और छात्र संगठनों के नेताओं को हर जगह गिरफ्तार कर हिरासत में लिया गया। क्या बेरोजगारों को सार्वजनिक प्रशासन के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का भी अधिकार नहीं है।" हरीश राव ने सवाल किया कि क्या उन्हें प्रतिनिधित्व के माध्यम से अपनी शिकायतें व्यक्त करने का अवसर मिला है।

टॉलीवुड अभिनेता के खिलाफ महिला को धमकाने की शिकायत

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु अभिनेता राज तरुण और अभिनेत्री मालवी मल्होत्रा के खिलाफ नरसिंगी पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने एक महिला लावण्या को परेशान किया और धमकी दी, जिसने दावा किया था कि वह अभिनेता के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही है।

महिला ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि राज तरुण पिछले 11 सालों से उसके साथ रिलेशनशिप में था और दोनों एक घर में साथ रहते थे। उसने शिकायत में कहा कि हम दोनों जल्द ही शादी करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से राज तरुण उससे दूरी बनाए हुए था, जबकि मालवी के परिवार के सदस्य उसे जान से मारने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दे रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज तरुण और मालवी एक साथ घूमते हैं और गोवा, पुदुचेरी, चेन्नई और अन्य स्थानों पर अक्सर एक साथ जाते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.